रांची, सोमवार | 10 अगस्त 2026 | वर्ष-27, अंक-189, पृष्ठ-12 | www.rastriyanaveenmail.com
श्रावण कृष्ण पक्ष 12, संवत 2083 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/00155
मूल्य 2 रु.
ईश्वर में हमारा विश्वास
राष्ट्रीय नवीन मेल
सत्यमेव जयते
हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

उद्घाटन समारोह में पारंपरिक वाद्य यंत्रों की गूंज और नगाड़ा फॉर्मेशन की विशेष प्रस्तुति से राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत हुई जीवंत

रांची के मोरहाबादी मैदान में झारखंड आदिवासी महोत्सव का हुआ भव्य शुभारंभ

धरती पर आदिवासी समुदाय की अलग पहचान : हेमंत

बोले सीएम

- झारखंड केवल एक राज्य नहीं, वीरों की भूमि है
- यादगार व प्रेरणादायक बनेगा आदिवासी महोत्सव
- राज्य की जनता के प्रति राज्य सरकार संवेदनशील

युवाओं को है सजग रहने की आवश्यकता

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य की प्रगति और उसकी बढ़ती ताकत को रोकने के लिए कभी चेहरा छिपाकर, कभी चेहरा बदलकर और कभी पर्दे के पीछे से गलत संदेश देने तथा लोगों को दिग्भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे प्रयासों के प्रति समाज और विशेषकर युवाओं को सजग रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हर समस्या का समाधान बातचीत और लोकतांत्रिक तरीके से निकाला जा सकता है। सीमाओं पर देश के दुश्मनों से मुकाबला अलग विषय है, लेकिन देश के भीतर रहने वाले अपने ही लोगों के साथ लाठी-डंडे के बल पर किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता।

नवीन मेल संवाददाता

रांची। विश्व आदिवासी दिवस पर राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में दो दिवसीय झारखंड आदिवासी महोत्सव-2026 का रविवार को शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में मौजूद रहे। राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री तथा अन्य गण्यमान्य अतिथियों ने प्रदर्शनी शिविर, वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव, इमर्सिव जोन एवं चित्रकला शिविर का उद्घाटन किया।

झारखंड आदिवासी महोत्सव के उद्घाटन समारोह में पारंपरिक वाद्य यंत्रों की गूंज, नगाड़ा फॉर्मेशन की विशेष प्रस्तुति, लोकनृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां एवं पारंपरिक वेशभूषा ने झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर दिया। महोत्सव में आदिवासी कला एवं शिल्प, पारंपरिक खान-पान, हस्तशिल्प, जनजातीय जीवन-पद्धति, लोक संगीत एवं नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों की प्रस्तुति लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रही।

झारखंड आदिवासी महोत्सव 2026 के उद्घाटन समारोह में रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी राज्यवासियों को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए जोहार से अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस को हम सभी जानते हैं। पूरे आदिवासी समाज को आज के इस दिवस को यादगार बनाने के का इंतजार रहता है। धरती पर आदिवासी समाज की अलग पहचान है। इसे अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए इस आदिवासी महोत्सव की शुरुआत हुई है। उन्होंने महोत्सव के लिए सभी लोगों के सहयोग व आशीर्वाद प्राप्त होने का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने राज्य के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति को समारोह की विशेष गरिमा और आदिवासी समाज के गौरव का प्रतीक बताया।

शेष पेज 11 पर...

झारखंड का जनजातीय समाज सदियों से देता रहा है प्रकृति के संरक्षण का संदेश : राज्यपाल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को 'विश्व आदिवासी दिवस' के अवसर पर मोरहाबादी मैदान, रांची में आयोजित 'झारखंड आदिवासी महोत्सव-2026' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि समृद्ध संस्कृति, परंपराएं, जीवन-मूल्य एवं प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की चेतना जनजातीय समाज की विशिष्ट पहचान हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कौशल विकास तथा आर्थिक सशक्तीकरण के क्षेत्रों में निरंतर प्रयास आवश्यक हैं।

राज्यपाल गंगवार ने कहा कि झारखंड का जनजातीय समाज सदियों से प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश देता रहा है। आज जब पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय संकट जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब जनजातीय जीवन दर्शन संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि विकास की गति को बनाए रखते हुए पर्यावरण एवं प्राकृतिक विरासत के संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना आवश्यक है।राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने विगत दो वर्षों के दौरान झारखंड के सभी जिलों के सुदूरवर्ती ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों का भ्रमण किया है तथा वहां के लोगों से संवाद करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज अत्यंत परिश्रमी, ईमानदार, स्वाभिमानी तथा प्रकृति के प्रति गहरे सम्मान की भावना रखने वाला समाज है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की अनेक सामाजिक विशेषताएं पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

राज्यपाल संतोष गंगवार ने जनजातीय समाज के लोगों से शिक्षा को जीवन का सबसे बड़ा साधन मानने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा आत्मविश्वास, सामाजिक परिवर्तन एवं राष्ट्र निर्माण का आधार है। उन्होंने भारत की राष्ट्रपति एवं झारखंड की पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू के जीवन को शिक्षा की शक्ति का प्रेरक उदाहरण बताते हुए कहा कि सीमित संसाधनों एवं कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने शिक्षा को अपना सबसे बड़ा संबल बनाया और देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन हैं।

शेष पेज 11 पर...

दिशोम गुरु जनजातीय समाज के अधिकारों एवं स्वाभिमान के लिए आजीवन संघर्षरत रहे

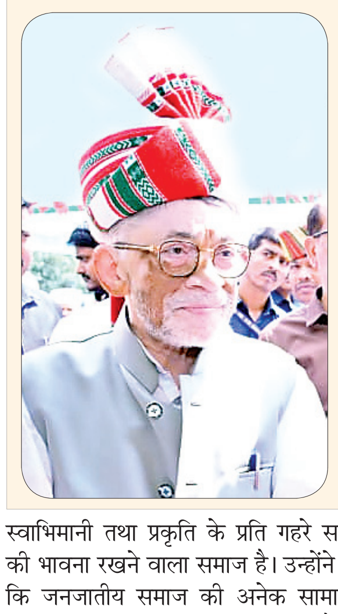

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में लोकसभा सदस्य के रूप में लंबे समय तक उनके साथ कार्य करने तथा उन्हें निकट से जानने-समझने का अवसर उन्हें मिला। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन सरल, सहज एवं विनम्र व्यक्तित्व के धनी तथा जनजातीय समाज के अधिकारों एवं स्वाभिमान के लिए आजीवन संघर्षरत जननेता थे। झारखंड की अस्मिता, यहां के लोगों के अधिकारों तथा राज्य निर्माण की ऐतिहासिक यात्रा में उनका योगदान सदैव स्मरण किया जाएगा।

प्रतियोगी परीक्षा विवाद : मुख्यमंत्री ने आंदोलनरत युवाओं को दिलाया भरोसा, कहा

छात्रों को मिलेगा न्याय, दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

- **सीएम ने युवाओं से संयम बनाए रखने और सरकार पर विश्वास करने की अपील की**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विवाद और छात्र आंदोलन के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को आंदोलनरत युवाओं को भरोसा दिलाया कि सरकार उनके अधिकारों और भविष्य को लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा कि छात्रों को न्याय मिलेगा और जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। रांची के मोरहाबादी मैदान में विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर आयोजित झारखंड आदिवासी महोत्सव 2026 में सीएम हेमंत सोरेन ने छात्र आंदोलन का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार प्रदर्शन कर रहे छात्र-छात्राओं की बात सुन रही है और उनकी शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से संयम बनाए रखने और सरकार पर विश्वास करने की अपील की। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार की जिम्मेदारी समाज के प्रत्येक वर्ग के प्रति है। पढ़े-लिखे युवाओं से लेकर महिलाओं, पुरुषों, बच्चों और वंचित

शेष पेज 11 पर...

सीएम हेमंत सोरेन पर भरोसा रखें छात्र, वे समस्या का कर रहे समाधान : राज्यपाल

रांची। जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थियों के आंदोलन के बीच राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को छात्रों से कहा कि वे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर भरोसा रखें। वह एक-एक मुद्दे का समाधान निकालने को तत्पर हैं। रांची में आदिवासी महोत्सव के मंच से राज्यपाल ने कहा कि बातचीत के जरिए छात्रों की समस्या का समाधान निकालने की कोशिश जारी है। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों के भविष्य को लेकर गंभीर है और इस मामले का समाधान संवाद के माध्यम से निकाला जाना चाहिए। राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि इस समय छात्र जिस मुद्दे को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, उसके बारे में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पहले ही विस्तार से अपनी बात रख चुके हैं। उन्होंने छात्रों से मुख्यमंत्री की ओर से कही गई बातों पर भरोसा रखने की अपील की। उन्होंने कहा, मेरी सभी से अपील है कि मुख्यमंत्री ने जो कुछ भी कहा है, उस पर भरोसा रखें। हम अपने बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहते। बातचीत के जरिए इसका समाधान निकालें।

शेष पेज 11 पर...

सीएम ने परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए युवाओं से मांगे सुझाव, पोर्टल हुआ लांच

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य में परीक्षा व्यवस्था को लेकर युवाओं से सुझाव मांगे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में कहा कि शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यवस्था को पारदर्शी, निष्पक्ष, विश्वसनीय और समयबद्ध बनाने के लिए छात्रों की भागीदारी जरूरी है। सीएम हेमंत सोरेन ने 'छात्रों की बात-छात्रों के साथ' अभियान का जिक्र करते हुए झारखंड के प्रत्येक जिले, प्रखंड, कॉलेज, विश्वविद्यालय, कोचिंग संस्थान और छात्र-छात्राओं से परीक्षा प्रणाली से जुड़ी समस्याओं और सुधार के सुझाव साझा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि झारखंड के लाखों युवाओं के सपनों के साथ उनके परिवारों की उम्मीदें जुड़ी होती हैं। ऐसे में परीक्षा और भर्ती प्रक्रिया की विश्वसनीयता सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि वर्षों तक शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, आयोग और रोजगार जैसे क्षेत्रों को अपेक्षित मजबूती नहीं मिल सकी। सरकार ने समस्याओं से मुंह मोड़ने के बजाय उन्हें स्वीकार किया और सुधार की दिशा में कदम उठाए हैं।

शेष पेज 11 पर

ज्यादातर मांगें मानीं, छात्र आंदोलन वापस लें

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द करना संभव नहीं : सुदिव्य कुमार

- **छात्र अपनी मांग पर अड़े पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विधानसभा घेराव करने का किया ऐलान**

नवीन मेल संवाददाता/एजेंसी

रांची। झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ आंदोलित छात्रों और राज्य सरकार के बीच रविवार को तीसरे दौर की वार्ता भी विफल हो गई। सरकार ने दावा किया कि छात्रों की ज्यादातर मांगें मान ली गई हैं। उन्हें आंदोलन वापस ले लेना चाहिए।

दूसरी ओर, छात्र जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा 2024 को रद्द करने और सभी विवादित परीक्षाओं की सीबीआई जांच कराने की मांग पर अड़े रहे। मांगें पूरी न होने पर छात्रों ने आंदोलन जारी रखने और सोमवार (10 अगस्त) को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विधानसभा घेराव करने का ऐलान किया है।

शेष पेज 11 पर...

जेपीएससी के तीनों सदस्यों ने दिया इस्तीफा, आज से होगी पूछताछ

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ जारी आंदोलन के बीच रविवार को बड़ा प्रशासनिक घटनाक्रम सामने आया। आयोग के तीन सदस्यों डॉ अजीता भट्टाचार्य, डॉ अनिमा हांसदा और डॉ जमाल अहमद ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। तीनों ने अपना त्यागपत्र राज्यपाल को भेज दिया है। वहीं, राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राज्य सरकार की अनुशंसा के आलोक में झारखंड लोक सेवा आयोग की सदस्य डॉ अजिता भट्टाचार्य, डॉ अनिमा हांसदा एवं डॉ जमाल अहमद द्वारा अपने पद से दिए गए त्यागपत्र को स्वीकार कर लिया है। जेपीएससी की हालिया प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और धांधली को लेकर आयोग पहले से विवादों में है। अभ्यर्थी लगातार आंदोलन कर रहे हैं। परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की जा रही है। इसी बीच तीन सदस्यों के एक साथ इस्तीफे को महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। इधर, कथित परीक्षा अनियमितताओं की जांच कर रहा अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) आयोग के तीनों सदस्यों से अलग-अलग पूछताछ करेगा।

शेष पेज 11 पर

जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित भ्रष्टाचार को लेकर धरने पर बैठे जयराम

● बोले- सरकार पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने से बच रही है

नवीन मेल संवाददाता/एजेंसी

जयराम महतो ने कहा

कि यदि सरकार छात्रों की मांगों को नहीं मानती है तो सदन में इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाएंगे। छात्रों के विधानसभा घेराव प्रदर्शन में शामिल होंगे। और इसकी आवाज काफी दूर तक जाएगी। उन्होंने बताया कि उनका निर्जला उपवास रविवार की आधी रात तक जारी रहेगी। इस दौरान आंधी आए या तूफान, वह अपने धरना स्थल से नहीं हटेंगे।
उन्होंने सत्ता पक्ष के विधायकों से भी जेपीएससी मुद्दे पर छात्रों के समर्थन देने की अपील किया। ताकि छात्र हित में बेहतर निर्णय लिया जा सके। सत्ता पक्ष के विधायक-सांसद भी छात्र-अभ्यर्थियों के आंदोलन का समर्थन करें। उन्होंने कहा कि जिस संवेदनशील मुद्दे को लेकर छात्र-अभ्यर्थी आंदोलन कर रहे हैं, उस पर सभी जनप्रतिनिधियों को गंभीरता दिखानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब पूरे प्रकरण पर दो-तीन मंत्रियों से इस मामले में बातचीत करने का प्रयास किया तो सत्ताधारी दल के मंत्री और विधायक यही कहते नजर आए कि जबतक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन नहीं कहेंगे, तब तक वे छात्रों से सीधे मिलने नहीं जा सकते।

रांची। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के सुप्रीमो और विधायक जयराम महतो ने जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित भ्रष्टाचार को लेकर चल रहे छात्र-अभ्यर्थियों के आंदोलन पर सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 15 दिनों से छात्र-अभ्यर्थी लगातार आंदोलनरत हैं, लेकिन सरकार इस गंभीर मुद्दे के प्रति बेहद असंवेदनशील बनी हुई है। इसका मूल कारण जेपीएससी की सीटों को कथित तौर पर 50-60 लाख रुपये लेकर बेचे गए हैं। इतनी बड़ी रकम के कथित घोटाले को सिर्फ अभय तिवारी पचा नहीं सकते। और सरकार जानती है यदि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच हुई तो कई बड़े बागड़ बिल्ले के नाम सामने आयेंगे। उनके चेहरे बेनकाब हो सकते हैं। शायद यही वजह है कि सरकार पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने से बच रही है।

जयराम महतो रविवार को पुराना विधानसभा परिसर में एक दिवसीय निर्जला उपवास के दौरान मीडिया से बोल रहे थे। महतो ने कहा कि यह बेहद दुखद है कि छात्र अभ्यर्थी आमरण अनशन में है। स्थिति बिगड़ रही है। लेकिन सरकार की ओर से उच्च शिक्षा मंत्री सोनू सुदिव्य जैसे लोग छात्र-अभ्यर्थियों के आंदोलन को राजनीति करार दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि आंदोलन राजनीतिक है तो सरकार यह जांच करा ले कि धरनास्थल पर कौन राजनीतिक है और कौन गैर-राजनीतिक। उन्होंने सरकार से मांग की कि छात्र-अभ्यर्थी जिस तरह अपनी मांगों को लेकर लगातार आंदोलन पर डटे हुए हैं, उनकी मांगों को जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है। अगर आंदोलन के दौरान किसी तरह की अप्रिय घटना होती है या किसी छात्र-अभ्यर्थी की जान जाती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के उस बयान पर भी पलटवार किया, जिसमें मंत्री ने बीते दिनों कहा था कि झारखंड में कहीं भी जेपीएससी पेपर लीक नहीं हुआ है।

जयराम महतो ने कहा कि मंत्री इरफान अंसारी हमेशा, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को राम और खुद को हनुमान बताने के चक्कर में इस तरह के बयान देते रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि किसी भी तथ्य पर बयान देने से पहले मंत्री उसका ठीक से अध्ययन नहीं करते। जयराम महतो ने कहा कि वह भी जयपाल सिंह स्टेडियम जा सकते थे, जहां छात्र-अभ्यर्थी आमरण अनशन और सत्याग्रह कर रहे हैं। वहां जाकर निर्जला उपवास करना उनके लिए भी संभव था, लेकिन देश-विदेश की मीडिया वहां मौजूद है।

भाजपा छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही

भाजपा के नापाक मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे : विनोद

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झामुमो महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार ने छात्रों की मांगों के प्रति पूरी संवेदनशीलता दिखाई है। करीब 98 प्रतिशत मांगों पर सरकार सहमत है। 14वीं जेपीएससी तथा बैकलॉग परीक्षाओं की जांच, आपराधिक मामलों की सीआईडी जांच, वित्तीय अनियमितताओं की जांच के लिए ईडी से अनुरोध, दोषियों पर 90 दिनों में चार्जशीट के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट और आयोग में व्यापक सुधार जैसे महत्वपूर्ण कदम सरकार ने उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि जेएसएससी सीजीएल परीक्षा को रद्द करने की मांग पर सरकार ने कानूनी और व्यावहारिक स्थिति स्पष्ट की है। परीक्षा उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के आदेश के बाद हुई, परिणाम घोषित हो चुका है और चयनित अभ्यर्थी नौकरी कर रहे हैं। ऐसे में परीक्षा रद्द करना हजारों युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय होगा। सरकार ने इसके बजाय सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में सीआईडी की निगरानी में स्वतंत्र जांच का प्रस्ताव दिया है।

विनोद पांडेय ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वह सीबीआई जांच की आड़ में झारखंड की भर्ती परीक्षाओं को फिर से विवाद और कानूनी उलझनों में फंसाना चाहती है। पहली और दूसरी जेपीएससी की सीबीआई जांच का क्या फलाफल आया, यह सभी जानते हैं। भाजपा को यह बताना चाहिए कि वर्षों चली जांच से युवाओं को क्या मिला।

उन्होंने कहा कि भाजपा शासनकाल में भी जेपीएससी परीक्षाओं पर अनियमितता, कॉपियों में कथित हेरफेर, नंबर बढ़ाने, भाई-भतीजावाद और चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। आज वही भाजपा युवाओं के हित की बात कर रही है। राज्य ही नहीं देश के नौजवान यह भलीभांति जानते हैं कि पहली और दूसरी जेपीएससी परीक्षा की सीबीआई जांच आज तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी जबकि विरोधी दलों के जिन नेताओं के रिश्तेदारों की नियुक्ति हुई थी।

पेंचक सिलाट संघ के अध्यक्ष बने किशोर मंत्री

रांची। झारखंड पेंचक सिलाट एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा और नई कार्यकारिणी का गठन रविवार को एक होटल में हुआ। नई कायर्कारिणी में अध्यक्ष पद पर किशोर मंत्री को चुना गया है। कार्यकारी अध्यक्ष गुलाम अब्दुल कादिर, महासचिव डौली सिंह, कोषाध्यक्ष दीपक वेसेंट कच्छप, उपाध्यक्ष किरण देवी व सह सचिव शबनम मिंज को चुना गया। बैठक में संगठन के सुचारू संचालन, पेंचक सिलाट खेल के विकास तथा राज्य के सभी जिलों में खेल को बढ़ावा देने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। नई कार्यकारिणी ने पेंचक सिलाट को झारखंड के प्रत्येक जिले में और अधिक मजबूत एवं लोकप्रिय बनाने, खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने तथा राज्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मुख्यमंत्री को राजेंद्र प्रसाद ने लिखा पत्र, कहा

जेपीएससी-जेएसएससी के मुद्दे पर आदिवासी-मूलवासी सदान संगठनों से भी करें संवाद

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी एवं विभिन्न नियुक्ति प्रक्रियाओं को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एक पत्र मेल के माध्यम से भेजा है-

राजेंद्र प्रसाद ने अपने पत्र में कहा कि जेपीएससी एवं नियुक्ति प्रक्रियाओं से जुड़ी समस्याएं आज की नहीं हैं। झारखंड गठन के बाद से ही लाखों छात्र-छात्राओं एवं युवाओं को परीक्षा, परिणाम और नियुक्ति प्रक्रिया में विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लंबे समय से चली आ रही इन समस्याओं का अब स्थायी समाधान आवश्यक है। वे स्वयं जेपीएससी की प्रथम परीक्षा की त्रुटियों से लेकर आज तक छात्र हितों की लड़ाई में सक्रिय रहे हैं , उनके नेतृत्व में राजभवन के समक्ष कई छात्र आंदोलनों का नेतृत्व किया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वर्तमान छात्र आंदोलन को गंभीरता से लेते हुए छात्र एवं युवा संगठनों के साथ-साथ आदिवासी-मूलवासी सदान सामाजिक संगठनों को भी वार्ता में शामिल किया जाए, ताकि सभी पक्षों की बात सुनकर व्यापक और स्थायी समाधान निकाला जा सके।
राजेंद्र प्रसाद ने मुख्यमंत्री को लिखा है आपसे झारखंड के लोगों को विशेष उम्मीद है।

दो वाहनों में जबरदस्त टक्कर, तीन घायल

रांची। रांची के प्लाजा चौक के समीप दो वाहनों में रविवार को जबरदस्त टक्कर हो गयी। इतनी जोरदार टक्कर थी कि कार के सामने का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना में कार सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार सेना का वाहन प्लाजा चौक के पास से जेल मोड़ की तरफ मुड़ रहा था। इसी दौरान पुरुलिया रोड की ओर से तेज गति से आ रही कार के चालक ने नियंत्रण खो दिया और कार सीधे सेना के वाहन में टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। इसी बीच गश्ती पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंच गए। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण उसमें फंसे तीनों घायलों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय लोगों और पुलिसकर्मियों ने मिलकर सभी को कार से बाहर निकाला और तत्काल अस्पताल पहुंचाया। घायलों के सिर और पैरों में गंभीर चोटें आयी है। घटना की जानकारी मिलते ही लोअर बाजार पुलिस मौके पर पहुंची। घटना की जानकारी ली।

आंदोलनकारी छात्र-छात्राओं के इलाज का पूरा खर्च उठाएगी सरकार : इरफान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में छात्र-छात्राओं के आंदोलन के बीच स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने रविवार को आंदोलनकारी छात्रों के नाम एक भावुक एवं संवेदनशील अपील जारी की है। स्वास्थ्य मंत्री ने जारी अपील में कहा है कि लोकतांत्रिक तरीके से अपने अधिकारों और मांगों के लिए संघर्ष करना उनका अधिकार है, लेकिन अपनी जिंदगी और स्वास्थ्य को खतरे में डालना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार छात्रों की भावनाओं, उनकी मांगों और उनके संघर्ष को गंभीरता से समझ रही है तथा सकारात्मक एवं सम्मानजनक समाधान के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने छात्रों से संवाद और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से समाधान की दिशा में आगे बढ़ने का आग्रह किया।

अपने पत्र में स्वास्थ्य मंत्री ने छात्रों से कहा कि आंदोलन के दौरान यदि किसी छात्र-छात्रा की तबीयत बिगड़ती है या अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता पड़ती है, तो राज्य सरकार बेहतर से बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य के सभी सरकारी एवं निजी अस्पतालों को निर्देश दिया गया है कि किसी भी आंदोलनकारी छात्र-छात्रा को चिकित्सा सुविधा से वंचित न किया जाए। आंदोलनकारी छात्रों के इलाज के नाम पर किसी प्रकार की राशि नहीं ली जाएगी तथा उपचार से संबंधित आवश्यक खर्च राज्य सरकार एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा वहन किया जाएगा।
स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि आंदोलन स्थल पर भी स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीमों को आवश्यकता के अनुसार तैनात रखा गया है, ताकि आंदोलनकारी छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जा सके और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपनी जान को दांव पर न लगाएं और अपने स्वास्थ्य की अनदेखी न करें। स्वास्थ्य मंत्री ने छात्रों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी मांगों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखें, अपनी आवाज बुलंद करें।

भाजपा ने मोरहाबादी मैदान से शहीद अल्बर्ट एक्का चौक तक निकाली तिरंगा यात्रा

तिरंगा यात्रा राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का प्रतीक : आदित्य साहू

● तिरंगा केवल ध्वज नहीं बल्कि हमारा गौरव : कर्मवीर सिंह

नवीन मेल संवाददाता

रांची। 'हर घर तिरंगा' अभियान के भाजपा के द्वारा मोरहाबादी मैदान से शहीद अल्बर्ट एक्का चौक तक प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान देशभक्ति के उत्साह और हाथों में तिरंगा लिए हजारों कार्यकर्ताओं एवं आमजनों ने इस यात्रा के माध्यम से राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव का संदेश दिया। दिल में राष्ट्रभक्ति और कदमों में देश के प्रति समर्पित इस यात्रा ने राँची की धरती पर राष्ट्रप्रेम का अद्भुत संदेश दिया।
इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 'हर घर तिरंगा अभियान" आज राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और जनभागीदारी का जनआंदोलन बन चुका है। तिरंगा यात्रा राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का प्रतीक है, यह देशभक्ति की प्रेरणा जगाती है। यह सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और सद्भावना का संदेश लेकर घर-घर, गांव-गांव, शहर-शहर और हर नागरिक तक पहुंच रही है। उन्होंने सभी से इस गौरवपूर्ण अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि आप सभी अपने घर एवं प्रतिष्ठान पर तिरंगा फहराएं और राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं गौरव के इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में सहभागी बनें।
संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि तिरंगा केवल ध्वज नहीं बल्कि हमारा गौरव है। यह तिरंगा यात्रा राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय के समक्ष तिरंगा झंडा बिक्री केंद्र का हुआ उद्घाटन

रांची। "हर घर तिरंगा' अभियान के तहत भाजपा द्वारा अपने विभिण्न राज्य और जिला कार्यालयों में तिरंगा झंडा बिक्री केंद्र (स्टोर) खोले गए हैं। इसी के तहत झारखंड प्रदेश कार्यालय में भी झारखंड के आम नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज सहजता से उपलब्ध कराने के लिए तिरंगा झंडा बिक्री केंद्र का विधिवत् उद्घाटन प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के द्वारा फीता काटकर किया गया। मौके पर श्री साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि देश के हर घर में शान से तिरंगा लहराये। पूरा परिवार इस अभियान में शामिल हों। सबके दिलों में राष्ट्रीयता की भावना और राष्ट्रीय झंडा के प्रति सम्मान जागृत हो।

विधानसभा घेराव से पहले प्रशासन की अपील

750 मीटर के दायरे में विरोध-प्रदर्शन पर रोक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रविवार को विभिन्न छात्र संगठनों द्वारा विधानसभा घेराव किए जाने की सूचना के मद्देनजर रांची प्रशासन ने सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को लेकर आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। झारखंड विधानसभा परिसर (नया विधानसभा) के 750 मीटर के दायरे में, माननीय झारखंड उच्च न्यायालय, रांची को छोड़कर, अनुमंडल पदाधिकारी सदर रांची द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है। इसके तहत उक्त क्षेत्र में किसी भी प्रकार का विरोध-प्रदर्शन, धरना या अन्य सार्वजनिक गतिविधि करना प्रतिबंधित है। प्रशासन ने छात्रों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार के आक्रामक या गैरकानूनी प्रदर्शन में शामिल न हों। प्रशासन के अनुसार, कानून का उल्लंघन करने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है, जिसका असर उनके शैक्षणिक रिकॉर्ड और भविष्य के रोजगार पर भी पड़ सकता है। प्रशासन ने कहा कि छात्रों की प्राथमिकता उनकी शिक्षा, करियर और उज्ज्वल भविष्य होना चाहिए। किसी भी समस्या या शिकायत के समाधान के लिए शांतिपूर्ण और वैधानिक माध्यम अपनाया जाए।

जेपीएससी मामले में मंत्रियों ने देवेंद्र नाथ से की वीडियो कॉल पर बातचीत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ रांची में चल रहे छात्र आंदोलन के बीच सरकार और आंदोलनकारी छात्रों के बीच रविवार को तीसरी बार वार्ता हुई। हालांकि, इसके बावजूद गतिरोध बरकरार रहा और सहमति नहीं बनी। अनशनकारी देवेंद्र नाथ महतो के अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के आठवें दिन और सत्याग्रह के 16वें दिन सरकार की ओर से गठित उच्च स्तरीय कमेटी के चार मंत्रियों ने वीडियो कॉल के माध्यम से उनसे बातचीत की।

सरकार की ओर से हाई लेवल कमेटी में शामिल मंत्री सुदीप कुमार सोनू, दीपिका पांडेय सिंह, चमरा लिंडा और संजय सिंह यादव ने वीडियो कॉल के जरिए देवेंद्र नाथ से बातचीत की। यह जानकारी देते हुए देवेंद्र नाथ महतो ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि वीडियो कॉल के माध्यम से मंत्रियों ने छात्रों की मांगों पर चर्चा कर मांगों के समाधान का भरोसा दिलाया। इसके साथ ही उन्होंने देवेंद्र नाथ महतो से भूख हड़ताल समाप्त करने का आग्रह किया। इस दौरान देवेंद्र नाथ ने मंत्रियों का संवाद के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि सिर्फ मौखिक आश्वासन के आधार पर छात्रों का अनशन और आंदोलन समाप्त नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक सरकार की ओर से छात्रों की मांगों पर लिखित रूप से जवाब नहीं दिया जाता और मांगों को पूरा करने की दिशा में ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक उनकी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रहेगी। महतो ने कहा कि छात्रों की मांगें किसी व्यक्ति विशेष के हित से जुड़ी नहीं हैं, बल्कि राज्य की प्रतियोगी परीक्षा व्यवस्था को पारदर्शी, निष्पक्ष और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने से संबंधित हैं।

दृष्टिपात

आदित्य साहू को नजरबंद करना शर्मनाक : अमर बाउरी

रांची। भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू को उनके आवास में नज़रबंद करने को लेकर राज्य सरकार पर करारा प्रहार किया है। प्रदेश महामंत्री ने कहा है कि यह राज्य की डरी सहमी एक तानाशाही सरकार की दमनात्मक कार्रवाई है। पुलिसिया पहरा बिठा देने से सरकार की मंशा कामयाब होने वाली नहीं है। राज्य सरकार की इस प्रकार की गीदड़भभकी से छात्र आंदोलन रुकने वाला नहीं है। भाजपा पुलिसिया कार्रवाई से पहले भी ना डरी है और ना कभी डरेगी। राज्य सरकार छात्रों की मांग को पूरा करे। सरकार लाख कोशिश कर ले विधानसभा घेराव कार्यक्रम में लाखों छात्र भाग लेंगे ही। श्री बाउरी ने कहा कि मुख्य विपक्षी पार्टी होने के नाते भाजपा राज्य के छात्रों के साथ हो रहे अन्याय को मूकदर्शक बनकर नहीं देख सकती है। भाजपा ने इस मामले को नैतिक समर्थन डंके की चोट पर दिया है। भाजपा छात्रों के इस न्याय की लड़ाई में हर कदम साथ है। छात्र पिछले 6 साल से ठगे जा रहे हैं। स्वाभाविक है कि उनके अंदर आक्रोश का तूफान है और सरकार इस तूफान को जितना दबाएगी, वह उतना ही उभर कर सामने आएगा, जिसमें राज्य सरकार का भस्म होना तय है।

विश्व आदिवासी दिवस पर कांग्रेस ने लिया अधिकारों की रक्षा का संकल्प

रांची। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश आदिवासी कांग्रेस कमिटी की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश आदिवासी कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राज उरांव ने की, जबकि मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश रहे। कार्यक्रम में आदिवासी समाज के अधिकार, सम्मान, संस्कृति, परंपरा और संवैधानिक संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। आदिवासी बुद्धिजीवी मंच के प्रेम चंद्र मुर्मू, रमा खलखो और सतीश पाल मुंजनी ने संविधान में आदिवासी समुदायों के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक हितों की सुरक्षा के लिए किए गए प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संवैधानिक अधिकारों की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना जरूरी है।

आदिवासी भूमि कब्जे के आरोप पर बाबूलाल मरांडी ने सीएम को लिखा पत्र

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने आदिवासी भूमि पर कथित अवैध कब्जे और इसमें पुलिस प्रशासन के उच्च अधिकारियों की संलिप्तता के आरोप को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है। शिकायतकर्ता अनुराग उरांव से प्राप्त पत्र के आधार पर मरांडी ने आईजी (प्रोविजन) पंकज कंबोज पर खतियानी आदिवासी भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए मामले में तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। मरांडी ने मुख्यमंत्री से पंकज कंबोज को उनके वर्तमान पद से तत्काल निलंबित करने तथा पद के कथित दुरुपयोग कर खरीदी गई संपत्तियों की स्वतंत्र एजेंसी सीबीआई या एसीबी से उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उन्होंने मामले में दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और उन्हें जेल भेजने की भी मांग की। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आदिवासी भूमि की सुरक्षा से जुड़े इस गंभीर मामले में निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

भाजपा को छात्रों के हित से कोई सरोकार नहीं: लाल किशोर

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा छात्रों के कंधे पर बंदूक रखकर राजनीतिक रोटी सेंक रही है। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई और कांग्रेस छात्रों की न्यायसंगत मांगों और समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा उनके साथ खड़ी रही है। सीआईडी जांच का हवाला देते हुए शाहदेव ने कहा कि जांच आगे बढ़ना राज्य सरकार की निष्पक्ष और पारदर्शी कार्रवाई को दर्शाता है तथा दोषी कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। भाजपा की सीबीआई जांच की मांग पर उन्होंने कहा कि भाजपा का इतिहास मामलों को वर्षों तक लटकाने का रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के दौरान कई परीक्षाएं रद्द हुईं और युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ। उन्होंने सवाल किया कि उस समय आदित्य साहू और भाजपा नेता कहां थे।

आंदोलनरत छात्रों से मिले आदित्य साहू, सीबीआई जांच की मांग

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने जयपाल सिंह स्टेडियम में आंदोलनरत छात्रों से मुलाकात कर राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि छात्रों की आंखों से निकले आंसू झारखंड के करोड़ों छात्र-नौजवानों की पीड़ा और आक्रोश को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि 17 दिनों से छात्र भूखे-प्यासे आंदोलन कर रहे हैं, बावजूद सरकार उनकी मांगों पर गंभीरता नहीं दिखा रही है। आदित्य साहू ने छात्रों की सीबीआई जांच की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार को जांच से परेशानी क्या है। उन्होंने कांग्रेस से भी छात्रों के समर्थन में मुख्यमंत्री आवास के सामने धरना देने और सरकार पर दबाव बनाने की मांग की। जेपीएससी मामले को लेकर साहू ने सरकार पर सीआईडी जांच के खुलासे छिपाने और मामले की लीपापोती का आरोप लगाया। उन्होंने मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए तत्कालीन जेपीएससी अध्यक्ष एल. ख्यांगते पर लगे कथित भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच और उनकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

रांची। अगस्त क्रांति दिवस पर रविवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश कांग्रेस कमिटी की ओर से देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीदों की स्मृति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष मा. केशव महतो कमलेश ने किया।

अल्बर्ट एक्का चौक पर गूंजा देशभक्ति का तराना, सीआरपीएफ बैंड ने बांधा समां

नवीन मेल संवाददाता। रांची। स्वतंत्रता के 80वें गौरवपूर्ण वर्ष के अवसर पर रांची के अल्बर्ट एक्का चौक पर सीआरपीएफ के राष्ट्रभक्ति बैंड की विशेष प्रस्तुति आयोजित की गई। देशभक्ति की धुनों से पूरा वातावरण राष्ट्रप्रेम से सराबोर हो गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहरवासी शामिल हुए। आयोजन में सीआरपीएफ जवानों की शानदार प्रस्तुति के साथ एनसीसी कैडेट्स, रांची के एक दर्जन से अधिक स्कूलों के विद्यार्थी, माई भारत के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। देशभक्ति गीतों और धुनों ने उपस्थित लोगों में उत्साह और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को और मजबूत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अतिथि ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने सीआरपीएफ जवानों की प्रस्तुति की सराहना की और कहा कि राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव प्रत्येक नागरिक के जीवन का हिस्सा होना चाहिए। कार्यक्रम में प्रदेश राज्यसभा सांसद सह प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदित्य साहू, विधायक सीपी सिंह, विधायक नवीन जायसवाल, मेयर रोशनी खलखो, पूर्व मंत्री नीरा यादव, सीआरपीएफ आईजी साकेत सिंह, कमांडेंट एके झा, कमांडेंट राजेश यादव, पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू, रांची महानगर अध्यक्ष वरुण साहू और ग्रामीण पूर्वी अध्यक्ष धीरज महतो सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आदिवासी महोत्सव शुरू, 10 हजार कलाकारों ने निकाली शोभायात्रा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भगवान बिरसा मुंडा की विरासत और झारखंड की समृद्ध आदिवासी संस्कृति रविवार को रांची की सड़कों पर जीवंत हो उठी। भगवान बिरसा मुंडा स्मृति पार्क से निकली भव्य जतरा (शोभायात्रा) के साथ दो दिवसीय राजकीय आदिवासी महोत्सव का आगाज हुआ। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने जेल मोड़ स्थित भगवान बिरसा मुंडा स्मृति पार्क से जतरा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जतरा करम टोली चौक और एसएसपी आवास होते हुए मोरहाबादी पहुंची। इसके साथ ही राजधानी में आदिवासी संस्कृति और परंपरा का उत्सव शुरू हुआ। जतरा में राज्य के सभी जिलों से करीब 10 हजार कलाकार शामिल हुए। उन्होंने कहा कि झारखंड की आदिवासी संस्कृति की विविधता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। आदिवासी महोत्सव के आयोजन में राज्य के विभिन्न हिस्सों की सांस्कृतिक परंपराओं को मंच मिलेगा। इसके जरिए लोकनृत्य, लोकसंगीत, पारंपरिक वेशभूषा और जनजातीय जीवन की विविधता को सामने लाया जाएगा। कार्यक्रम में विभाग के प्रधान सचिव कृपानंद झा, आदिवासी कल्याण आयुक्त कुलदीप चौधरी, विशेष सचिव सह सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक राजीव लोचन, परियोजना निदेशक आईटीडीए रांची मनीषा तिर्की, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडेय सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

पारंपरिक रंगों से सजी रांची, गूंजा आदिवासी संगीत

संथाल, मुंडा, हो, उरांव, खड़िया, खरवार सहित विभिन्न जनजातीय समुदायों के कलाकार पारंपरिक वेशभूषा और आभूषणों में नजर आए। उनके हाथों में पारंपरिक वाद्ययंत्र थे। मांदर, नगाड़ा, ढोल और बांसुरी की धुनों ने पूरे माहौल को उत्सव में बदल दिया। जतरा के दौरान छह झांकियां भी निकाली गईं। इनमें भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और बलिदान को प्रदर्शित किया गया। झांकियों में आदिवासी जीवन, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की भी झलक दिखाई गई। जतरा के रास्ते में बड़ी संख्या में लोग कलाकारों का उत्साह बढ़ाने के लिए जुटे। पारंपरिक नृत्य और संगीत ने रांची की सड़कों को सांस्कृतिक मंच में बदल दिया। मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि ऐसे आयोजन केवल सांस्कृतिक प्रदर्शन नहीं हैं। ये नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष और बलिदान झारखंड की पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनकी विरासत को आगे बढ़ाना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कलाकारों और आयोजन से जुड़े लोगों को शुभकामनाएं दीं।

मॉल व ऑनलाइन कारोबार से छोटे व्यापारियों की चुनौतियां बढ़ीं : संजय सर्राफ

रांची। झारखंड, विशेषकर राजधानी रांची में बड़े-बड़े मॉल, ऑनलाइन व्यापार और बदलती उपभोक्ता प्रवृत्तियों के कारण छोटे एवं मध्यम वर्ग के व्यापारियों के समक्ष गंभीर चुनौतियां उत्पन्न हो गई हैं। पारंपरिक बाजारों में ग्राहकों की संख्या लगातार घटने से हजारों छोटे व्यवसायियों की आजीविका प्रभावित हो रही है। झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि ऑनलाइन खरीदारी और बड़े मॉल के बढ़ते चलन के साथ-साथ शहर की बुनियादी सुविधाओं की स्थिति भी स्थानीय व्यापार के लिए बड़ी समस्या बनती जा रही है। जर्जर सड़कें, सड़कों एवं गलियों में जलजमाव, अव्यवस्थित यातायात, पर्याप्त पार्किंग का अभाव और साफ-सफाई की समस्याओं का सीधा असर बाजारों के कारोबार पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बरसात के दिनों में स्थिति और गंभीर हो जाती है। जलजमाव और खराब सड़क व्यवस्था के कारण ग्राहकों का पारंपरिक बाजारों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है, जिससे छोटे दुकानदारों के कारोबार में और गिरावट आती है।संजय सर्राफ ने राज्य सरकार एवं नगर प्रशासन से मांग की कि बाजार क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत किया जाए।

संवाददाता के रूप में बनाइए शानदार करियर

1994 से डाल्टनगंज और 1999 से रांची से लगातार प्रकाशित दैनिक राष्ट्रीय नवीन मेल को दोनों संस्करणों के लिए मुख्यालय जिला और प्रखंड स्तर पर समाचारों की समझ रखने वाले जुझारू पत्रकारों और ट्रेनी युवा पत्रकारों की आवश्यकता है। पूर्ण विवरण, आधार कार्ड, अनुभव और फोटो के साथ इमेल करें। संपूर्ण पत्राचार पूर्णत: गोपनीय रहेगा। समय पर उचित सम्मानजनक पारिश्रमिक और विज्ञापनों के लिए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

प्रधान संपादक
hr.rnmail@gmail.com

आज कल

बीआईटी के एनसीसी कैडेटों ने निकाला 10 किमी वॉकाथॉन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी), मेसरा की एनसीसी इकाई की ओर से 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत 10 किलोमीटर वॉकाथॉन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और ग्रामीण समुदाय के बीच देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता तथा तिरंगे के सम्मान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

वॉकाथॉन के दौरान एनसीसी कैडेटों ने पंचोली गांव तक 5 किलोमीटर की दूरी तय की। वहां उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर 'हर घर तिरंगा' अभियान के महत्व की जानकारी दी और राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए। कैडेटों ने ग्रामीणों से अपने घरों पर सम्मान और गर्व के साथ तिरंगा फहराने की अपील की।कार्यक्रम की शुरुआत बीआईटी मेसरा के छात्र मामलों के डीन डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव और एनसीसी सीओ लेफ्टिनेंट कर्नल विक्रम के संबोधन से हुई। उन्होंने कैडेटों को समाज में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और नागरिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया।

आम्रेश्वर धाम में अग्रवाल युवा सभा ने किया भगवान शिव का अभिषेक

नवीन मेल संवाददाता

श्रद्धालुओं ने लगाए बोल बम के जयकारे

रांची। सावन माह के अवसर पर अग्रवाल युवा सभा, रांची की ओर से लगातार चौथे वर्ष आम्रेश्वर धाम, खूंटी की एक दिवसीय धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया। रविवार को सुबह 10:30 बजे श्रद्धालु बिरसा चौक स्थित होटल रासो के समीप एकत्रित हुए और 'बोल बम' के जयकारों के साथ आम्रेश्वर धाम के लिए रवाना हुए।

संस्था के सदस्यों एवं उनके परिजनों ने आम्रेश्वर धाम पहुंचकर रामेश्वर महादेव के शिवलिंग का जल, दूध, शहद, घी, दही, अक्षत, बेलपत्र, शमी पत्र एवं पुष्प से विधिवत अभिषेक किया। इसके बाद महाआरती कर भगवान शिव से सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की गई। प्रवक्ता अमित बजाज ने बताया कि मंदिर परिसर स्थित विश्रामगृह में दोपहर में श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। प्रसाद वितरण के बाद सभी श्रद्धालु शांतिपूर्वक वापस लौटे। संस्थापक अध्यक्ष सौरभ बजाज ने सभी श्रद्धालुओं को सावन की शुभकामनाएं देते हुए आयोजन में शामिल होने के लिए आभार जताया। आयोजन के संयोजक सन्नी टिबड़ेवाल, विकास गोयल, तरुण सर्राफ, आलोक बजाज एवं वैभव मोदी रहे। कार्यक्रम की सफलता में रौनक झुनझुनवाला, शुभम लोहिया, मोहित अग्रवाल, प्रदीप मांसरिया, अरुण पोद्दार, सौरभ अग्रवाल, सौरभ रायका सहित अन्य सदस्यों का सहयोग रहा। श्रद्धालु अपने परिवार के साथ धार्मिक यात्रा में शामिल हुए।

राजस्थानी रंग में रंगा भगवा नारी सेना का चौथा सावन मिलन समारोह

नवीन मेल संवाददाता

● **300 महिलाओं ने लिया हिस्सा, मिस व मिसेज सिजलिंग सावन का हुआ चयन**

रांची। भगवा नारी सेना द्वारा आयोजित चौथे सावन मिलन सिज़लिंग सावन समारोह का भव्य आयोजन रविवार को गुरु नानक हायर सेकेंडरी स्कूलमें किया गया। कार्यक्रम में 300 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सावन के उल्लास और भारतीय संस्कृति को समर्पित इस आयोजन में इस बार राजस्थानी थीम आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। महिलाओं में कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। सावन सिजलिंग की मिस कैटेगरी में शिवानी शर्मा, समीक्षा और अंतरा जबकि श्रीमती कैटेगरी में पूनम पांडे, पिंकी चंद्रा और रिंकी तिवारी विजेता रहीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध क्रिकेटर सौरभ तिवारी रहे। इसके अलावा संजय पांडे, दिलबीर सिंह, दीपक ओझा, तनुश्री सरकार, हर्षिता सिन्हा, रत्ना सिंह, नम्रता सोनी, सीमा रॉय, दीपेश पाठक, अरुण चावला, सुमित सचदेवा, मारिया सहाब गिरिजा शंकर पेड़ीवाल सहित कई गणमान्य अतिथियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। परमजीत कौर, अंतरा, सिमरण कौर, अमृता शर्मा, कविता, शिवानी शर्मा, मानसी, किरण प्रसाद आदि ने जबरदस्त नृत्य किया। इस अवसर पर भगवा नारी सेना की संस्थापक अध्यक्ष पिया बर्मन ने कहा कि सावन मिलन समारोह का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के बीच सावन के महीने के पारंपरिक हर्षोल्लास और उत्सव की भावना को कायम रखना, भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा महिलाओं को मनोरंजन और आपसी मेल-मिलाप का एक सुंदर अवसर प्रदान करना है।

दृष्टिपात

श्री राणी सती मंदिर में 16 अगस्त को होगा भव्य सावन-सिंधारा महोत्सव

नवीन मेल संवाददाता। रांची। श्री राणी सती मंदिर कमेटी, रांची के तत्वावधान में 16 अगस्त को स्थानीय श्री राणी सती मंदिर परिसर में सावन सह सिंधारा महोत्सव 2083 का भव्य आयोजन किया जाएगा। महोत्सव को लेकर मंदिर परिसर में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। कमेटी के अध्यक्ष रामअवतार नारसरिया ने बताया कि इस वर्ष अक्षय हरलालका को महोत्सव संयोजक तथा पवन लोहिया एवं अंकुर डागा को सहसंयोजक बनाया गया है। आयोजन को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यालय प्रभारी चंद्रकांत झुनझुनवाला ने बताया कि महोत्सव में मंगल पाठ, सुंदरकांड पाठ, भजन-कीर्तन, मंगल सिंधारा, नैवेद्य भोग एवं नारायणी सिंधारा उत्सव का आयोजन होगा। मंगल पाठ के लिए कार्ड का वितरण 10 अगस्त को सुबह 8 से 9:30 बजे तक मंदिर कार्यालय से किया जाएगा।मंत्री मनोज जालान ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 6 बजे गणेश पूजन से होगी। सुबह 8:30 बजे मंगल पाठ, दोपहर 1 बजे सुंदरकांड पाठ, शाम 4:30 बजे भजन-कीर्तन, 5 बजे 13 जोड़ों के साथ मंगल सिंधारा, 6:30 बजे नैवेद्य भोग, शाम 7:30 बजे नारायणी सिंधारा उत्सव तथा रात 8:30 बजे समापन आरती होगी।

श्री श्याम मंदिर में मनाया गया कामिका एकादशी उत्सव, भजनों पर झूमे श्याम भक्त

नवीन मेल संवाददाता। रांची। अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में रविवार को कामिका एकादशी उत्सव अत्यंत श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर प्रातः से ही श्री श्याम प्रभु के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कामिका एकादशी के अवसर पर श्री श्याम प्रभु को नवीन वस्त्र (बागा) पहनाकर स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत किया गया। जूही, बेला, रजनीगंधा, गुलाब, मोगरा एवं तुलसी दल की मालाओं से बाबा का मनमोहक श्रृंगार किया गया। मंदिर में विराजमान बजरंगबली एवं शिव परिवार का भी विशेष श्रृंगार किया गया। रात्रि 9 बजे श्री श्याम प्रभु के जयकारों के बीच पावन ज्योत प्रज्वलित कर श्री श्याम मंडल के सदस्यों द्वारा भावपूर्ण संकीर्तन प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को विभिन्न प्रकार के मेवा-फल, खीर, चूरमा एवं केसरिया दूध का भोग अर्पित किया गया। रात्रि 12 बजे महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

श्री माहेश्वरी सभा की नई कार्यकारिणी का गठन, मुकेश काबरा बने अध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता। रांची। श्री माहेश्वरी सभा के वर्ष 2026-29 का चुनाव सर्वसम्मति से चुनाव पदाधिकारी बजरंग लाल सोमानी, पवन मंत्री एवं उमाशंकर बियानी की देखरेख में संपन्न हुआ। चुनाव के बाद नई कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई। सर्वसम्मति से मुकेश काबरा को अध्यक्ष, मनोज कल्याणी को मंत्री, गोवर्धन प्रसाद भाला को उपाध्यक्ष, मनोज काबरा को कोषाध्यक्ष, राजेश सोमानी को संगठन मंत्री एवं श्याम सुंदर बियानी को सह मंत्री बनाया गया।अंकुर डागा, अभिनव मंत्री, बसंत लखोटिया, विपिन भाला, कैलाश सोमानी, मनीष चितलांगिया, मनीष खटोड़, मनमोहन मोहता, पंकज साबू, राजेंद्र बिरला, राम बांगड़, श्यामसुंदर पेड़ीवाल, सौरभ साबू, सुरेश सारडा एवं सुशील सोडाणी को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया। वहीं रमन बोरा, दिनेश काबरा, रूपेश भाला, नीरज चितलांगिया एवं रूपेश काबरा को मनोनीत सदस्य बनाया गया। प्रभात साबू, संजय मालपानी, शिव बिरला, विभोर डागा एवं रोहित शारदा को स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाया गया।इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष मुकेश काबरा ने कहा कि माहेश्वरी समाज के युवा एवं महिला वर्ग को साथ लेकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा कार्य पहुंचाया जाएगा।

कामिका एकादशी पर तिरुपति बालाजी मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

रांची। दिव्यदेशम् श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में रविवार को श्रावण कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई। इस अवसर पर वैदिक विधान एवं पांचरात्र आगम शास्त्र के अनुसार विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। प्रातः भगवान के विश्वरूप दर्शन, सुप्रभातम्, मंगलाशासनम्, करावलंबम् और वेंकटेश प्रपत्ति के बाद षोडशोपचार विधि से तिरूवाराधनम् किया गया। भगवान श्रीनिवास की महाआरती और फलाहारी व्यंजनों का नैवेद्य अर्पित किया गया। सुबह 7 बजे मंदिर के पट श्रद्धालुओं के लिए खोले गए। पट खुलते ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा मंदिर परिसर 'श्रीनिवासा गोविंदा' और 'वेंकटेशा गोविंदा' के जयघोष से गूंज उठा। दिनभर भगवान श्रीमन्नारायण और भगवती महालक्ष्मी की पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। अर्चक सत्यनारायण गौतम, गोपेश आचार्य और नारायण दास ने सभी अनुष्ठान विधिवत संपन्न कराए।

जीण माता के सावन सिंघारा उत्सव में भक्ति के रंग में रंगीं 700 महिलाएं

● **मारवाड़ी भवन में सजा मां का दरबार, चौंसठ योगिनी रूप की झांकी रही आकर्षण का केंद्र**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। दुर्गा स्वरूपेण आदि शक्ति श्री जीण माता का पावन "सावन सिंघारा उत्सव" रविवार को श्री जीण माता प्रचार समिति द्वारा हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन परिसर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। समिति द्वारा आयोजित इस विशेष आयोजन में करीब 700 महिला श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री गणेश के आवाहन के साथ हुई। इसके बाद उत्सव के मुख्य संयोजक विजय पालडीवाल एवं परिवार द्वारा श्री जीण माता की ज्योत प्रज्ज्वलित की गई। भजन संध्या में गुजरात से पधारी दीदी आशा वैष्णव ने अपनी मधुर आवाज से श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। उनके भजन "आज म्हारी माताजी फुटरा में प्यारी लागे" से पूरा परिसर गूंज उठा। उनका साथ पुरुलिया से आईं दीदी शीतल कटारुका ने दिया।भजन संध्या के साथ माता की विभिन्न मनमोहक झांकियां भी प्रस्तुत की गईं। इनमें माता का चौसठ योगिनी स्वरूप विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर माता को सुंदर चुनरी, गजरा एवं मेहंदी अर्पित कर विशेष श्रृंगार किया गया। रात्रि 8 बजे पंडित रवि शास्त्री द्वारा महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। पूरे आयोजन के दौरान परिसर "जय माता दी" के जयकारों से गूंजता रहा। समिति के अनुसार यह आयोजन विशेष रूप से महिला भक्तों के लिए रखा गया था। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल, उपाध्यक्ष विजय पालडीवाल, सचिव नारायण विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष बजरंग सोमानी, सह सचिव प्रदीप शर्मा सहित समिति के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

नई शुरुआत

आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे : राज्यपाल

पारस एचईसी अस्पताल में रोबोटिक सर्जरी सुविधा शुरू

● **मरीजों को कम चीरा, कम दर्द और जल्द रिकवरी जैसे लाभ मिल सकते हैं**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने पारस एचईसी हॉस्पिटल, धुर्वा में रोबोटिक सर्जरी सुविधा का शुभारंभ किया। उन्होंने इसे झारखंड में आधुनिक एवं उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। राज्यपाल ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से मरीजों को अधिक सटीक, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि रोबोटिक सर्जरी जटिल ऑपरेशन में चिकित्सकों को अधिक सटीकता से कार्य करने में मदद करती है। इससे मरीजों को कम चीरा, कम दर्द और अपेक्षाकृत शीघ्र रिकवरी जैसे लाभ मिल सकते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि अब झारखंड के मरीजों को उन्नत शल्य चिकित्सा के लिए दूसरे राज्यों का रुख नहीं करना पड़ेगा। राज्यपाल ने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया कि करीब 20 वर्ष पूर्व दुर्घटना में उनके पैर में गंभीर चोट लगी थी। बेहतर चिकित्सा के कारण वे उपचार के तीन दिन बाद ही चलने लगे थे। उन्होंने बताया कि आज भी उनके पैर में नौ बोल्ट लगे हैं।उन्होंने कहा कि झारखंड में ऐसी आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित होनी चाहिए, जिससे राज्य के लोगों को बेहतर इलाज के लिए बाहर न जाना पड़े और देश के अन्य राज्यों से लोग उपचार के लिए झारखंड आएं। इसके लिए स्वास्थ्य संस्थानों को मिलकर काम करने की जरूरत है। राज्यपाल ने चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और तकनीक आधारित स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर जोर देते हुए कहा कि आधुनिक सुविधाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के पात्र लाभार्थियों को संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ लाभ देने की अपील की। उन्होंने चिकित्सकों, नर्सों और स्वास्थ्यकर्मियों से आधुनिक तकनीक के साथ मानवीय संवेदनशीलता एवं सेवा-भाव को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि स्वस्थ समाज के लिए आधुनिक उपचार के साथ रोगों की रोकथाम पर भी समान रूप से ध्यान देना जरूरी है।

जन चौपाल में ग्रामीणों ने रखी समस्याएं कमलेश राम ने समाधान का दिया भरोसा

नवीन मेल संवाददाता

कांके। रविवार को कांके स्थित सुकुरहुटु के भगवान सभागार में पंचायत स्तरीय "जन समस्या समाधान यात्रा" के तहत जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश राम मुख्य रूप से उपस्थित रहे। जन चौपाल के दौरान कमलेश राम ने बारी-बारी से आम ग्रामीणों की समस्याओं को सुना तथा उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने की बात कही। ग्रामीणों ने मंईयां सम्मान योजना का लाभ बंद होने, शौचालय एवं प्रधानमंत्री आवास नहीं मिलने तथा जमीन के ऑनलाइन खतियान और रसीद में छेड़छाड़ जैसी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इस अवसर पर कमलेश राम ने कहा कि एक राजनीतिक कार्यकर्ता का कर्तव्य है कि वह जनता की आवाज सुने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास करे। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनकी सभी समस्याओं को रांची के उपायुक्त के समक्ष रखा जाएगा और समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि निर्धारित समय में समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो जनता के हक और अधिकार के लिए आंदोलन भी किया जाएगा। जन चौपाल में बादल सिंह मुंडा, बनिता मेहता सुरेंद्र साहू, भोला साहू, प्रभात साहू, सतीश केरकेट्टा सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

लुकइया रूढ़ी ग्रामसभा में मना विश्व आदिवासी दिवस

पिपरवार। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रूढ़िगत संयुक्त ग्राम सभा मंच करनपुरा के तत्वावधान में रविवार को रूढ़ी ग्राम सभा लुकइया में समारोह का आयोजन धूमधाम एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं, बच्चे एवं गणमान्य लोग शामिल हुए। इस दौरान आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, रीति-रिवाज एवं विरासत की आकर्षक झलक देखने को मिली। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। इसके बाद रूढ़ी परंपरा के अनुसार डंटा काटा का विधिवत पूजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता झुबा उरांव ने की, जबकि मंच का संचालन रामकुमार उरांव ने किया। समारोह के दौरान छोटे-छोटे बच्चों एवं महिलाओं ने पारंपरिक कविताएं, गीत-संगीत एवं नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से आदिवासी समाज की जीवनशैली, परंपराओं और रीति-रिवाजों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया।

आदिवासियों की संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाज को बचाने का लिया संकल्प

लापुंग। लापुंग प्रखंड में लापुंग प्रखंड कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष जयंत बरला एवं मंडल अध्यक्ष सुदामा महली के नेतृत्व में बिरसा चौक के पास धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा के समक्ष आदिवासियों की संस्कृति परंपरा और रीति-रिवाज को बचाने के साथ साथ धरती आबा के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। जयंत बरला ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज को दशा एवं दिशा प्रदान करने के लिए तथा समाज की बुराईयों को दूर करने के लिए मुहिम चलाया। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत से टक्कर लेकर उनके दांत खट्टे कर दिए। वहीं सुदामा महली ने कहा कि वर्तमान समाज में आदिवासियों एवं मूलवासियों में एकता एवं अखंडता बेहद जरूरी है। इस मौके पर दर्जनों कांग्रेसी नेताओं ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया।कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान लखना मुंडा, अजीत आईंद, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता संतोष कुमार दास, दयाल गुड़िया और अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता मौके पर मौजूद थे।

नामकुम थाना प्रभारी रामनारायण सिंह की रही प्रमुख भूमिका

थाइलैंड से गांजा लाकर बेचने वाले दो युवक गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। नामकुम थाना क्षेत्र के खोजाटोली आर्मी ग्राउंड के पास हाइड्रोपोनिक गांजा बेचने पहुंचे दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से हाइड्रोपोनिक गांजा की आठ पुड़िया, 66,800 रुपये नकद, एक बुलेट मोटरसाइकिल और दो स्मार्ट मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। बरामद गांजे का कुल वजन करीब 10.70 ग्राम है। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार 8 अगस्त की शाम करीब 5:30 बजे वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग बुलेट मोटरसाइकिल और स्कूटी से खोजाटोली आर्मी ग्राउंड के पास हाइड्रोपोनिक गांजा बेचने आने वाले हैं। सूचना पर ग्रामीण एसपी के नियंत्रण में डीएसपी मुख्यालय-प्रथम अमर कुमार पांडेय के नेतृत्व में छापेमारी टीम गठित की गई। टीम ने खोजाटोली आर्मी ग्राउंड के पास तीन-चार लोगों को मोटरसाइकिल और स्कूटी खड़ी कर आपस में लेन-देन करते देखा। पुलिस को देखते ही एक युवक स्कूटी लेकर और अन्य युवक मोटरसाइकिल छोड़कर भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा कर दो युवकों को पकड़ लिया। उनकी पहचान राज कुमार राम (26), पिता शिव प्रसाद, निवासी महाड़ी मंदिर, केशवनगर रोड नंबर-6, सुखदेवनगर और बंटी कुमार थापा (21), पिता स्वर्गीय राजू थापा, निवासी जयप्रकाश नगर, खादगढ़ा सरकारी क्वार्टर नंबर-03, सुखदेवनगर के रूप में हुई। थाना प्रभारी के अनुसार, एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों का पालन करते हुए दोनों की विधिवत तलाशी ली गई। राज कुमार राम के पास से जिपर वाली प्लास्टिक की चार पुड़िया में गांजा और 66,800 रुपये नकद, जबकि बंटी कुमार थापा के पास से चार पुड़िया गांजा बरामद हुआ। दोनों के पास से बरामद गांजे का कुल वजन करीब 10.70 ग्राम है। पूछताछ में दोनों ने पुलिस को बताया कि बरामद मादक पदार्थ हाइड्रोपोनिक गांजा है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अपने अन्य साथियों के साथ थाईलैंड से पार्सल के माध्यम से हाइड्रोपोनिक गांजा मंगाकर रांची के विभिन्न इलाकों में बेचते थे। पुलिस के अनुसार, बंटी कुमार थापा का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है।

पिठौरिया में मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई, गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

रांची। पिठौरिया थाना क्षेत्र में मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री की सूचना पर पुलिस ने विशेष छापेमारी अभियान चलाकर करीब 380 ग्राम गांजा बरामद किया। कार्रवाई के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची को कुम्हरिया क्षेत्र में मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए ग्रामीण एसपी के निर्देशन में डीएसपी मु.-द्वितीय के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने कुम्हरिया निवासी भादो मुंडा (33) के घर पर छापेमारी की। यहां से 26 पुड़िया में करीब 80 ग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने भादो मुंडा को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पिठौरिया बाजारटांड़ स्थित प्रदीप भगत के घर पर भी छापेमारी की गई, जहां से करीब 300 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, बरामद गांजा को विधिवत जब्त कर लिया गया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रक्तदान व मानवसेवा के लिए नदीम खान सम्मानित

रांची। रक्तदान एवं मानवसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए 'लहू बोलेगा' रक्तदान संगठन एवं झारखंड थैलेसीमिया एसोसिएशन के संस्थापक नदीम खान को रांची के सिख समुदाय की ओर से लगातार दूसरे वर्ष सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह रातू रोड स्थित गुरुद्वारा हॉल में गुरुनानक सेवक जत्था द्वारा आयोजित झारखंड राज्यस्तरीय चौथे शहीद-ए-आजम भगत सिंह सम्मान समारोह में हुआ। समारोह में झारखंडभर में विभिन्न मानवीय कार्यों के लिए सक्रिय दर्जनों लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन रहे। विशिष्ट अतिथियों में झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारू, रांची के डिप्टी मेयर नीरज सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।
नदीम खान को रक्तदान के क्षेत्र में लगातार सक्रियता, थैलेसीमिया मरीजों की सहायता और जरूरतमंदों तक रक्त उपलब्ध कराने के प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर 'लहू बोलेगा' की ओर से सिख समुदाय, रातू रोड गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी और गुरुनानक सेवक जत्था के सभी पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

आदिवासियों ने खेलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई : मोदस्सिर हक

बेड़ो। विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बेड़ों प्रखंड के दिघिया मैदान में आया तूफान झूम के दिघिया के तत्वाधान में हॉकी टूर्नामेंट का फाइनल मैच का आयोजन किया गया फाइनल मैच एसटी क्लब कुदारखों बनाम सरना संगम समिति खटंगा के बीच खेला गया जिसमें विजेता सरना संगम क्लब खटंगा की टीम रही। वनडे मैच के विजेता आया तूफान झूम के तुको की टीम विजेता रही इस फाइनल मैच के बतौर मुख्य अतिथि बेड़ो के उपप्रमुख सह मंत्री प्रतिनिधि मोदस्सिर हक, कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष प्रोफेसर करमा उरांव, विधायक प्रतिनिधि फहीमुल हक, सरपंच सह विधायक प्रतिनिधि रोशन तिर्की, मुखिया प्रतिनिधि अजीत तिर्की, मंडल अध्यक्ष मीर मुस्लिम हुसैन, पंचायत अध्यक्ष प्रवीण मिंज, विधायक प्रतिनिधि सिल्वेस्टर कच्छप सहित दर्जनों लोग उपस्थित हुए। इस मौके पर मोद्दसिर हक ने कहा कि आदिवासियों ने खेलों में अपनी मेहनत एवं लगन से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस क्षेत्र में उनकी पहचान ही उनकी मेहनत का नतीजा है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूर्व मंत्री बंधु तिर्की के द्वारा प्रोत्साहन के लिए कमिटी को सहयोग किया गया। विजेता एवं उप विजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मौके पर गटिंग खेश, उमेश महतो, संतोष उरांव, पतरस खेस, सूरज महतो, विक्रांत खेस, ,कमेटी के सदस्य एवं खिलाड़ी गण उपस्थित रहे।

खूंटी के उत्कृष्ट स्वास्थ्य कर्मियों को किया गया सम्मानित

रांची/खूंटी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), झारखंड के तत्वावधान में खूंटी रोड स्थित मोमेंट्स रिसॉर्ट में आयोजित 10 दिवसीय 'आशा इंटीग्रेटेड ट्रेनिंग मॉड्यूल, क्षेत्रीय टीओटी कार्यक्रम' के दौरान विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। स्वास्थ्य मंत्रालय एवं NHSRC की ओर से आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 3 से 12 अगस्त तक चल रहा है, जिसमें झारखंड सहित छह राज्यों के 35 प्रतिभागी शामिल हैं। कार्यक्रम में एनएचएम झारखंड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने शिरकत करते हुए आदिवासी समाज के स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि सुदूर ग्रामीण और आदिवासी बहुल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर खूंटी जिले में स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं जमीनी स्तर के कर्मियों को अंगवस्त्र और प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में डीपीएम कानन बाला तिर्की, सीएचओ अल्फा, फूदी आयुष्मान आरोग्य मंदिर की एएनएम मंजू लकड़ा और हुटार की सहिया अंजू देवी शामिल रहीं।

विश्व आदिवासी दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने एकता पर दिया बल

नवीन मेल संवाददाता

मांडर। मांडर भिखारियट द्वारा विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्कीएवं पूर्व मंत्री बंधु तिर्की मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, भाषा और विरासत की जीवंत झलक देखने को मिली। पारंपरिक गीत-संगीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को उत्साह और उमंग से भर दिया। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल एक दिन मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह दुनिया भर के आदिवासी समाज की पहचान, अधिकार, संस्कृति और अस्तित्व को सम्मान देने का दिन है। उन्होंने कहा, _"आदिवासी समाज केवल झारखंड या भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में आदिवासी समुदाय सदियों से अपनी विशिष्ट संस्कृति और जीवन-दर्शन के साथ जीवन जीते आए हैं। हमारी भाषाएं अलग हो सकती हैं, हमारे गीत-संगीत, खान-पान और रीति-रिवाज अलग हो सकते हैं, लेकिन हमारी एक साझा पहचान है— हम आदिवासी हैं।_ उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में सबसे सुखद अनुभव यह रहा कि माताएं जिस गीत को गा रही थीं, उसी गीत को बेटियाँ भी उनके साथ गा रही थीं। _"यही हमारी परंपरा की सबसे बड़ी खूबसूरती है - एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक भाषा, गीत, संस्कृति और विरासत का हस्तांतरण।

12वें जेबीसीसीआई गठन की मांग को लेकर गेट मीटिंग

पिपरवार। 12वें जेबीसीसीआई के गठन की मांग को लेकर 10 अगस्त को कोल इंडिया के सभी क्षेत्रों के महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष प्रस्तावित एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए रविवार को संयुक्त मोर्चा गेट मीटिंग की अध्यक्षता अध्यक्ष मंडली ने की। अशोका पिट ऑफिस में सभा का संचालन कामरेड धनेश्वर गंझू तथा अशोका वर्कशॉप में आरके सिंह ने किया। मजदूरों के वेतन, सुविधाओं और अन्य अधिकारों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान के लिए जेबीसीसीआई का गठन आवश्यक है। सभा को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि कोयला मजदूर विपरीत परिस्थितियों में काम करते हुए अपनी जान जोखिम में डालकर देश के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

झारखंड को जैव विविधता संरक्षण के लिए 8.14 लाख, देशभर में 3.79 करोड़ का लाभ-साझाकरण

उदय चंद्र सिंह

नई दिल्ली। देश के जैविक संसाधनों के व्यावसायिक इस्तेमाल से होने वाले लाभ का एक हिस्सा अब उन राज्यों और संस्थानों तक पहुंच रहा है, जहां से ये संसाधन जुड़े हैं। राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) ने 33 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और राष्ट्रीय संस्थानों को एक साथ करीब 3.79 करोड़ की एक्सेस और लाभ-साझाकरण (एबीएस) राशि वितरित की है। इसमें झारखंड को 8.14 लाख मिले हैं। यह राशि मुख्य रूप से सब्जियों और तिलहन की विभिन्न किस्मों के आनुवंशिक संसाधनों के इस्तेमाल से प्राप्त हुई है। कंपनियों ने टमाटर, मिर्च, बैंगन, फूलगोभी, तरबूज, करेला, लौकी, भिंडी और सरसों जैसी फसलों के जैविक संसाधनों का अनुसंधान और व्यावसायिक उपयोग के लिए इस्तेमाल किया था। इस उपयोग से मिलने वाली राशि को संबंधित राज्यों के जैव विविधता बोर्डों के बीच बांटा गया।
झारखंड को मिली 8.14 लाख की राशि का इस्तेमाल जैव विविधता संरक्षण और स्थानीय समुदायों के हित में किया जाना है। इसमें पीपुल्स बायोडायवर्सिटी रजिस्टर तैयार और अपडेट करना, जैव विविधता का संरक्षण, जैव विविधता प्रबंधन समितियों की क्षमता बढ़ाना और स्थानीय समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास जैसी गतिविधियां शामिल हैं।
देश में इस वितरण में मध्य प्रदेश को सबसे अधिक 46.93 लाख, पश्चिम बंगाल को 44.76 लाख और ओडिशा को 44.08 लाख मिले। इसके बाद गुजरात को 34.76 लाख, आंध्र प्रदेश को 29.21 लाख और बिहार को 29.20 लाख दिए गए। झारखंड 8.14 लाख के साथ सूची में शामिल है।
इस पूरी व्यवस्था को आसान भाषा में समझें तो जिस जैविक संसाधन का इस्तेमाल किसी कंपनी या संस्था को व्यावसायिक लाभ देता है, उससे मिलने वाले लाभ का एक हिस्सा जैव विविधता संरक्षण और स्थानीय समुदायों के कल्याण पर खर्च किया जाता है। भारत में यह व्यवस्था जैव विविधता अधिनियम, 2002 के तहत लागू है और अंतरराष्ट्रीय नागोया प्रोटोकॉल की भावना के अनुरूप है।
राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण के अनुसार, अब तक एबीएस के तहत 166 करोड़ से अधिक वितरित किए जा चुके हैं। इसका उद्देश्य केवल जैविक संसाधनों के व्यावसायिक इस्तेमाल से आय हासिल करना नहीं, बल्कि उस आय को वापस प्रकृति, जैव विविधता और उन स्थानीय समुदायों तक पहुंचाना है, जो इन संसाधनों के संरक्षण में

विश्व आदिवासी दिवस पर जोन्हा में दौड़े युवा

दिया 'पर्यावरण बचाओ, भविष्य बचाओ' का संदेश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर अबुआ अधिकार मंच एवं मातृ शक्ति वंदन ट्रस्ट, झारखंड के संयुक्त तत्वावधान में अनगड़ा प्रखंड के प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण जोन्हा में 5 किमी 'रन फॉर एनवायरनमेंट' मैराथन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जल-जंगल-जमीन के महत्व और युवाओं में प्रकृति के प्रति जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। मैराथन में 250 से अधिक युवाओं के साथ दर्जनों सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। प्रविश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम ने आदिवासी समाज के प्रकृति-आधारित जीवन दर्शन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति उसकी ऐतिहासिक प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया।

दृष्टिपात

तमाड़ की जनसमस्याओं को लेकर आजसू का पैदल मार्च आज

रांची। तमाड़ विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर सोमवार को आजसू पार्टी द्वारा पेड़ाईडीह से झारखंड विधानसभा तक पैदल मार्च निकाला जाएगा। आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य सह झारखंड आंदोलनकारी हीरालाल दास ने क्षेत्र की जनता, पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से बड़ी संख्या में मार्च में शामिल होने की अपील की है। पैदल मार्च के दौरान सलगांडीह नहर सड़क निर्माण, तमाड़ में डिग्री कॉलेज की स्थापना, राजा बांध में क्षतिग्रस्त गार्डवाल एवं सड़क निर्माण, तमाड़ पूर्वी और बिरबांकी को अलग प्रखंड का दर्जा देने समेत कई मांगें उठाई जाएंगी। इसके अलावा बुंडू बड़ा तालाब के सौंदर्यीकरण, घटाले की उच्चस्तरीय जांच, बुंडू अनुमंडल में जेल, कोर्ट एवं ट्रेजरी का निर्माण तथा बुंडू अनुमंडल अस्पताल में ट्रॉमा सेंटर को पूर्ण रूप से चालू करने और चिकित्सा व्यवस्था में सुधार की मांग भी प्रमुख है।
हीरालाल दास ने कहा कि क्षेत्र की जनसमस्याओं और बिगड़ी व्यवस्था को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनहित के मुद्दों को लेकर होने वाले इस पैदल मार्च में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी आवश्यक है।

तीन दिवसीय सावन मेला का भव्य समापन

रांची। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की ओर से अग्रसेन भवन, अपर बाजार में आयोजित तीन दिवसीय "सावन मेला 2026" का भव्य समापन हुआ। शाखा अध्यक्ष शुभा अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित मेले में रांची समेत रामगढ़, हजारीबाग, भागलपुर, कोलकाता और सूरत से आए उद्यमियों ने 75 से अधिक स्टॉल लगाए। मेले में हस्तनिर्मित वस्त्र, राखियां, लड्डू गोपाल की पोशाक, आभूषण, साड़ियां, गिफ्ट आइटम, बेकरी उत्पाद और विभिन्न फूड स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे। बड़ी संख्या में लोगों ने मेले में पहुंचकर खरीदारी की और महिला उद्यमियों का उत्साह बढ़ाया। समापन समारोह में बेस्ट स्टॉल, बेस्ट सेल्समैनसिप और बेस्ट डेकोरेशन के पुरस्कार प्रदान किए गए। शुभा अग्रवाल ने कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं को स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं।

कांवरियों का जत्था देवघर के लिए हुआ रवाना

मुरी। मुरी से रविवार के दिन संध्या में देवघर के लिए कांवड़ियों का जत्था रवाना हुआ। जत्था में काफी कांवरिया विभिन्न गांवों से शामिल रहे। कांवड़ियों का यह सिलसिला काफी वर्षों से चला आ रहा है। कांवड़ियों का जत्था बाबा बैद्यनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए भक्ति भाव के साथ ट्रेन से प्रस्थान किये। यह जत्था सुल्तानगंज से गंगाजल भरकर पैदल यात्रा करते हुए देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ पहुंचेगा और जल अर्पित कर क्षेत्र की सुख,शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना करेगा।इस जत्था में लखीराम मांझी,चितरंजन मंडल (कुटाम),नवीन कुमार महतो, राहुल कुमार महतो,धीरेंद्र कुमार महतो,शैलेंद्र महतो (असुरकोड़ा),अविनाश कोईरी (सिल्ली),सुनील नायक,प्रदुम महतो,विमल कुमार महतो, विष्णु प्रजापति,कुंजू महतो (लोदमू),ब्रजेश कुमार(बड़ा मुरी) एवं लखन कुमार (छोटा मुरी) शामिल रहे।

मुड़मा में सड़क हादसे में दो युवक घायल, एक की हालत गंभीर

चान्हो। मुड़मा के समीप रविवार शाम सड़क हादसे में दो बाइक सवार युवक घायल हो गए। हादसे के बाद दोनों को स्थानीय लोगों की सहायता से तत्काल मांडर अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल एक युवक को चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए रिम्स भेज दिया। बताया गया कि तरंगा पहाड़टोली निवासी 18 वर्षीय प्रमोद मुंडा और 20 वर्षीय आशीष उरांव केटीएम बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान रांची–डालटेनगंज मुख्य मार्ग पर मुड़मा के पास उनकी बाइक एक चार पहिया वाहन की चपेट में आ गई। टक्कर के बाद दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े और उन्हें चोटें आईं। मांडर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के दौरान प्रमोद मुंडा की स्थिति गंभीर पाई गई। चिकित्सकों के अनुसार उसके शरीर में अंदरूनी चोटें आई हैं और हादसे के बाद वह होश में नहीं था। स्थिति को देखते हुए उसे रिम्स रेफर किया गया। वहीं, आशीष उरांव को मिशन स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। घटना के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा।

शहीद निर्मल महतो को दी गई श्रद्धांजलि

सिल्ली। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत शनिवार के दिन कोंचो पंचायत के सुंडील गांव में वीर शहीद निर्मल महतो की आदमकद प्रतिमा पर शहादत दिवस के अवसर पर पूरे सम्मान के साथ पुष्प अर्पित कर उनका लोगों ने नमन किया।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि उन्होंने अलग झारखंड राज्य के सपने को साकार करने के लिए अपना सब कुछ बलिदान दे दिया था।उनकी शहादत ने ही झारखंड आंदोलन को नई दिशा प्रदान की थी।वे झारखंड की अस्मिता और न्याय के लिए हमेशा आगे रहते थे एवं झारखंड अलग राज्य के लिए उन्होंने पूरा जीवन समर्पित कर दिया।इस मौके पर जिला परिषद सदस्य (पूर्वी)लक्ष्मी देवी,सिल्ली मुखिया भरत मुंडा,अखिल महतो,अखिलेश कुम्हार,धनेश्वर महतो,सौरभ कुमार समेत कई अन्य लोग कार्यक्रम में शामिल रहे।

अशोक परियोजना में विश्वकर्मा पूजा की तैयारी को लेकर की गई बैठक

पिपरवार। अशोक परियोजना के पीट ऑफिस एवं वर्कशॉप में श्रीश्री विश्वकर्मा पूजा धूमधाम से मनाने को लेकर रविवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्वकर्मा पूजा के आयोजन को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई तथा सर्वसम्मति से पूजा आयोजन के लिए चंदा राशि निर्धारित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि पूजा के लिए परियोजना के प्रत्येक कर्मचारी से 500 रुपये तथा अधिकारियों से 1200 रुपये चंदा राशि ली जाएगी।

जनता दरबार में सुनीं क्षेत्रवासियों की समस्याएं

जनसमस्याओं का समाधान ही हमारी प्राथमिकता : विधायक

● विधायक ने अधिकारियों से तत्काल बात कर समाधान का निर्देश दिया

नवीन मेल संवाददाता

बरही। पटना रोड स्थित आवासीय कार्यालय में विधायक मनोज कुमार यादव का 55वां जनता दरबार आयोजित हुआ । जिसमें विधायक ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे लोगों की समस्याएं एवं शिकायतो को गंभीरता से सुनीं। समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर कई मामलों के त्वरित निष्पादन के निर्देश दिए।

जनता दरबार में युवाओं की भागीदारी भी देखने को मिली। चलंगा के युवा समाजसेवी मुन्ना यादव की अगुवाई में कई युवा गांव की विभिन्न समस्याओं को लेकर विधायक से मिले।युवाओं ने सड़क, नाली, बिजली सहित अन्य स्थानीय समस्याओं से विधायक को अवगत कराया। विधायक ने अधिकारियों से तत्काल बात कर समाधान का निर्देश दिया।महिलाओं ने पेयजल, सड़क, आवास एवं अन्य समस्याएं रखीं, जबकि वृद्ध ग्रामीणों ने पेंशन, राशन और सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने में आ रही परेशानियों से अवगत कराया। किसानों ने सिंचाई, बिजली एवं कृषि कार्य से जुड़ी समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं। विधायक ने कहा कि जनता की समस्याओं को सुनना और उनका समाधान सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को जनसमस्याओं पर गंभीरता से कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

एसी के कॉपर पाइप व तार चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रामगढ़। रामगढ़ थाना पुलिस ने एसी के कॉपर पाइप और बिजली के तार चोरी करने के आरोप में कृष गुप्ता उर्फ कृष कुमार 23 वर्ष को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। आरोपी कुम्हार टोली में दिलीप प्रजापति के मकान में किराये पर रहता है। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ रामगढ़ थाने में पहले से भी चोरी के मामले दर्ज हैं। पुलिस के समक्ष दिए स्वीकारोक्ति बयान में आरोपी ने बताया कि वह घरों और दुकानों के बाहर लगे एसी के कॉपर पाइप, तार और अन्य सामान चोरी करता था। उसने पुलिस को बताया कि 24 और 27 जुलाई को लोहार टोली रोड स्थित किला मंदिर के सामने निर्मल एजेंसी से एसी का कंप्रेसर पाइप और बिजली का तार चोरी किया था। चोरी का सामान उसके किराये के घर में रखा गया था। जिसे उसकी मां और भाई ने साइकिल से फेरी करने वाले व्यक्ति के हाथों बेच दिया था।

जरूरतमंद का सहारा बनेगा एजुकेशनिस्ट फोरम डीके ट्रस्ट

नवीन मेल संवाददाता

बरही। बैरिसाल निवासी समाजसेवी एवं एजुकेशनिस्ट फोरम डीके ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष विनोद पासवान ट्रस्ट के सामाजिक एवं शैक्षणिक उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संकल्पित हैं। इसी उद्देश्य से वे पिछले करीब डेढ़ वर्षों से पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा की ज्योत जलाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर, गरीब एवं असहाय बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग उपलब्ध कराना और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देना है। श्री पासवान ने कहा कि समाज में ऐसे अनेक बच्चे हैं, जिनमें प्रतिभा और आगे बढ़ने की क्षमता है, लेकिन आर्थिक अभाव उनकी शिक्षा में बाधा बन जाता है। ऐसे बच्चों की मदद करना केवल किसी एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है।

रविवार को उन्होंने कोडरमा जिले के विभिन्न पिछड़े क्षेत्रों में बैठक कर लोगों को बच्चों को शिक्षित करने और उनके भविष्य को बेहतर बनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पैसे का अभाव किसी बच्चे की शिक्षा में बाधा न बने, यही ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य है।

कांग्रेस कमिटी के सभी अग्रणी संगठनों की बैठक आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। विगत शनिवार को रामगढ़ जिला कांग्रेस कमिटी के सभी अग्रणी संगठन, मंच, मोर्चा, विभाग की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रामगढ़ जिला कांग्रेस कमिटी की अध्यक्ष सह विधायक ममता देवी ने जबकि संचालन कार्यकारी जिला अध्यक्ष पंकज प्रसाद तिवारी ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश समन्वय समिति के सदस्य एवं रामगढ़ जिला फ्रंटल आर्गेनाइजेशन के प्रभारी तापस चटर्जी शामिल हुए। बैठक में मुख्य रूप से रामगढ़ जिले में फ्रंटल ऑर्गेनाइजेशंस ,मंच, मोर्चा और विभाग के संगठनआत्मक स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। विधायक ममता देवी ने कहा कि रामगढ़ जिला में हमारा अग्रणी संगठन, मंच, मोर्चा और विभाग को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है, जब हमारा अग्रणी संगठन ,मंच और मोर्चा मजबूत होगा तभी कांग्रेस पार्टी जमीनी स्तर पर मजबूत होगी। विधायक ने महिला, युवा, छात्र ,किसान अल्पसंख्यक, एसटी ,एससी, ओबीसी, क्रीडा विभाग, विधि विभाग, जैसे महत्वपूर्ण मंच , मोर्चा,विभागों को मजबूत करने के लिए हर ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि फ्रंटल आर्गेनाइजेशन को जहां भी हमारी जरूरत होगी संगठन के मजबूती के लिए हम वहां खड़े होंगे ,उन्होंने कहा कि बहुत जल्द ही रामगढ़ जिला में सभी फ्रंटल ऑर्गेनाइजेश के कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन का निर्णय लिया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए फ्रंटल आर्गेनाइजेशन के रामगढ़ जिला के प्रभारी तापस चटर्जी ने कहा कि आज परिचय बैठक में सभी से मिलकर काफी अच्छा महसूस हुआ ,रामगढ़ जिला का संगठन काफी मजबूत है।

विश्व आदिवासी दिवस पर भगवान बिरसा की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष आज भी प्रेरणा प्रदान करता है : डीसी

● उपायुक्त ने कहा- आदिवासी समुदाय ने देश एवं समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आज उपायुक्त रामगढ़ ऋतुराज ने छत्तरमांडू स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, त्याग एवं बलिदान को नमन करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा तथा आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनका संघर्ष और उनके विचार आज भी समाज को प्रेरणा प्रदान करते हैं। उपायुक्त ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, कला, भाषा एवं विरासत को सम्मान देने का महत्वपूर्ण अवसर है। आदिवासी समुदाय ने देश एवं समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा आदिवासी समुदाय के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास के लिए संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक पहुंचाने हेतु निरंतर कार्य किया जा रहा है। इस दौरान उपायुक्त ने सभी जिलेवासियों को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दीं तथा भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाज एवं जिले के समग्र विकास में योगदान देने का आह्वान किया। मौके पर उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल ने भी भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

अगस्त क्रांति दिवस पर महात्मा गांधी को दी गई श्रद्धांजलि

अगस्त क्रांति स्वतंत्रता आंदोलन का महत्वपूर्ण अध्याय है : विनोद

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग । अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर हजारीबाग जिला कांग्रेस कार्यालय स्थित कृष्ण बल्लभ आश्रम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश संयोजक विनोद कुशवाहा सहित कांग्रेस के कार्यकर्ताओं एवं क्रांतिकारियों ने महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम के दौरान अगस्त क्रांति आंदोलन के ऐतिहासिक महत्व पर चर्चा करते हुए देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को भी याद किया गया। विनोद कुशवाहा ने कहा कि अगस्त क्रांति भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जिसने देशवासियों में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ निर्णायक संघर्ष की भावना को मजबूत किया। महात्मा गांधी के नेतृत्व में चलाए गए भारत छोड़ो आंदोलन ने स्वतंत्रता की लड़ाई को नई दिशा और गति प्रदान की थी। प्रदेश संयोजक विनोद कुशवाहा ने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, त्याग और संघर्ष के विचार आज भी समाज और देश के लिए प्रेरणादायक हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करना और उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक सद्भाव और जनहित के मुद्दों को लेकर निरंतर सक्रिय रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लिया।

तोपा परियोजना के पास जंगल क्षेत्र से भारी मात्रा में अवैध कोयला बरामद

कुजू। सीसीएल तोपा परियोजना से सटे वन क्षेत्र अंतर्गत केरीबंदा-मंगरदाहा जंगल में शनिवार को सीआईएसएफ की टीम ने अवैध कोयला खनन व चोरी को लेकर अभियान चलाया। सीआईएसएफ डीआईजी सुमंत सिंह के दिशा निर्देश में डिप्टी कमांडेंट अजय पांडेय के अगुवाई में अभियान के तहत भारी मात्रा में अवैध कोयला बरामद किया। इस संबंध में एमएमडीआर एक्ट के तहत संबंधित लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जब्त किए गए कोयले को जेसीबी की मदद से वोल्वो डंपर में लादकर स्थानीय सीसीएल प्रबंधन को सुपुर्द किया गया है। अनुमान के अनुसार करीब सात सौ मीट्रिक टन से अधिक कोयला आसपास में यहां सुनसान कई स्थानों पर जमा किया गया मिला। इसकी अनुमानित कीमत कई लाख रुपए बताए जा रहे हैं।

पुलिस ने पकड़ी अवैध शराब की बड़ी खेप

ट्रेलर से एक हजार बोतल जब्त

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। जिला के मांडू थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब की बड़ी खेप पकड़ी है। हेसागढ़ा स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास खड़े एक ट्रेलर की तलाशी के दौरान पुलिस को 103 कार्टन में 1,236 बोतल शराब मिली। पुलिस द्वारा बरामद शराब की कुल मात्रा करीब 927 लीटर बताई गई है। पुलिस के मुताबिक शराब पर 'फॉर सेल इन हरियाणा ऑनली' लिखा हुआ था। पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लूणायत को आज शनिवार को सूचना मिली थी कि मांडू थाना क्षेत्र के हेसागढ़ा में एक ट्रेलर खड़ा है, जिसमें शराब लोड है। सूचना के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर छापेमारी टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने हेसागढ़ा स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास पहुंचकर ट्रेलर की जांच की। ट्रेलर के डाला की तलाशी लेने पर कंपनी की अंग्रेजी शराब की 103 कार्टन में कुल 1,236 बोतल शराब बरामद हुई। पुलिस के अनुसार बरामद शराब की कुल मात्रा करीब 927 लीटर है। थाना प्रभारी सदानंद कुमार ने कहा कि बरामद शराब के संबंध में कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया। वहीं, शराब की बोतलों पर हरियाणा में बिक्री के लिए होने का उल्लेख पाया गया। ऐसे में पुलिस अब इस बात की जांच में जुटी है कि शराब की यह खेप हरियाणा से कहां भेजी गई थी और रामगढ़ में इसे किस जगह खपाने की तैयारी थी। पुलिस ने शराब की खेप के साथ ट्रेलर को जब्त कर लिया है। मामले में मांडू थाना में एफआईआर दर्ज कर संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल पुलिस ट्रेलर के चालक, शराब की खेप से जुड़े लोगों और इसके संभावित खरीदारों की जानकारी जुटा रही है। शराब की इस खेप के आने और इसके कहा खपाया जाना था इसकी जांच कर रही है। अब जांच के बाद ही साफ होगा कि शराब की इतनी बड़ी खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था।

चुटूपालू घाटी में ओवरस्पीड पर शिकंजा, 40 पार होते ही कटेगा चालान

रामगढ़। रांची-हजारीबाग एनएच-33 के दुर्घटना संभावित चुटूपालू घाटी क्षेत्र में सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस और एनएचएआई ने सख्ती बढ़ा दी है। उपायुक्त ऋतुराज, पुलिस अधिकारियों और एनएचएआई की टीम ने चुटूपालू से रामगढ़ जिले के पटेल चौक तक करीब 12 किलोमीटर सड़क का निरीक्षण किया। इसके बाद इस हिस्से में वाहनों की अधिकतम गति सीमा 40 किलोमीटर प्रति घंटे निर्धारित की गई है। गति सीमा पर निगरानी के लिए फिलहाल दो स्पीड मॉनिटरिंग कैमरे लगाए गए हैं। हालांकि, अभी इन कैमरों को नेटवर्क से कनेक्ट नहीं किया गया है। नेटवर्क से जुड़ने के बाद कैमरे 40 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से चलने वाले वाहनों को स्वत: डिटेक्ट करेंगे। इसके बाद संबंधित वाहन का ऑटोमेटिक चालान जेनरेट होगा और चालान वाहन मालिक या वाहन चालक के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजा जाएगा। इससे ओवरस्पीडिंग करने वाले वाहन चालकों पर सीधे कार्रवाई संभव होगी।

समारोह

जनता मजदूर संघ का मिलन समारोह, दर्जनों कामगारों ने ली संघ की सदस्यता

सघर्ष ही संगठन की पहचान है, यह जारी रहेगा : निशी पांडे

● दूसरे यूनियन के दर्जनों कामगारों ने सदस्यता ग्रहण किया

नवीन मेल संवाददाता

भुरकुंडा। जनता मजदूर संघ के केंद्रीय उपाध्यक्ष निशी पांडे के आवासीय कार्यालय में रविवार को मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें सीसीएल बरका-सयाल क्षेत्र में एटक से संबद्ध यूनियन यूसीडब्ल्यूयू से त्यागपत्र देकर वरुण कुमार और हरेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में दर्जनों कामगारों ने जनता मजदूर संघ की सदस्यता ग्रहण की। कामगारों ने संघ के महामंत्री सिद्धार्थ गौतम और केंद्रीय उपाध्यक्ष निशी पांडे के नेतृत्व में आस्था जताते हुए संगठन से जुड़ने की घोषणा की। नए सदस्यों का केंद्रीय उपाध्यक्ष निशी पांडेय केंद्रीय संगठन सचिव सह सीसीएल वेलफेयर बोर्ड सदस्य सुखदेव प्रसाद और रीजनल उपाध्यक्ष अशोक शर्मा ने माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर केंद्रीय उपाध्यक्ष निशी पांडे ने कहा कि नए सदस्यों के जुड़ने से संगठन को और मजबूती मिलेगी। मजदूर संघ को और भी बढ़ावा मिलेगा। जनता मजदूर संघ हमेशा मजदूरों की आवाज बनकर उनके हक और अधिकार के लिए संघर्ष करता रहा है। यही कारण है कि मजदूरों का विश्वास लगातार संघ के प्रति बढ़ रहा है। वेलफेयर बोर्ड सदस्य सुखदेव प्रसाद ने कहा कि संघर्ष ही संगठन की पहचान है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रबंधन कामगारों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रति गंभीर नहीं है। क्षेत्र में पिछले कई महीनों से पानी की समस्या बनी हुई है और कामगार परेशान हैं। संघ जल्द ही प्रबंधन के खिलाफ जोरदार आंदोलन किया जाएगा।

सदस्यता ग्रहण करने वालों में वरुण कुमार, हरेंद्र कुमार सिंह, सुरेश प्रसाद, अनूप कुमार, आनंद कुमार सिंह, गुरदीप सिंह, शुभम मेहता, गुप्तेश्वर प्रसाद और राजकुमार समेत अन्य कामगार शामिल रहे। कार्यक्रम में महेंद्र सिंह, चमन मुंडा, दशरथ कुर्मी, शिवचरण करमाली, दिलीप राम, परदेशी नोनिया, राजकुमार हेम्ब्रम, सत्यनारायण ठाकुर और राजेश बेदिया समेत संघ के अन्य पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे।

दृष्टिपात

श्रीराम पावर प्लांट के फर्नेस में ब्लास्ट, नौ मजदूर घायल, दो की हालत गंभीर

रामगढ़ । कुजू ओपी अंतर्गत आरा रोड मुरपा स्थित श्रीराम पावर एंड स्टील प्लांट लिमिटेड में रविवार दोपहर भट्ठी में अचानक ब्लास्ट होने से करीब नौ मजदूर घायल हो गए। ब्लास्ट के बाद प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में सभी घायलों को प्रबंधन द्वारा कंपनी के निजी वाहनों से रामगढ़ रोड स्थित होप हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार शुरू किया गया। होप हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ. सौरभ कुमार ने बताया कि नौ मजदूर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे हैं। इनमें दो मजदूरों की स्थिति गंभीर बताई गई है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया गया है। घायलों में राजेंद्र महतो (हजारीबाग), कुंजीलाल रविदास (अराकांटा, रामगढ़), धनंजय सिंह (पटना), परमेश्वर कुमार महतो (नावाटांड़, रामगढ़), संजय प्रसाद (रांची रोड, रामगढ़), विजय यादव (दरभंगा, बिहार), राजेंद्र महतो (चटाक, रामगढ़), रितेश राणा (शिवपुरी, हजारीबाग) और रमेश ठाकुर (नईसराय, रामगढ़) समेत अन्य मजदूर शामिल हैं।

आकलन पास सहायक अध्यापकों का बैठक संपन्न, 11 अगस्त को विस का करेंगे घेराव

बरकट्ठा। आकलन प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ अपने विभिन्न मांगों को लेकर 11 अगस्त को विधानसभा सत्र के दौरान,धरना प्रदर्शन के लिए रांची कुच करेंगे। इसी को लेकर शनिवार शाम 4:00 बजे प्रखंड संसाधन केंद्र बरकट्ठा के बाहरी प्रांगण में आकलन प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ की बैठक आयोजित की गई । बैठक की अध्यक्षता सचिव अरुण मंडल ने किया जबकि संचालन राघवेंद्र लाल ने किया । बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सभी सहायक अध्यापक को रांची अपनी मांगों को लेकर आकस्मिक अवकाश लेते हुए जाना है और कार्यक्रम को सफल बनाना है। मौके पर शिक्षक मनोज कुमार ने कहा यदि हेमंत सोरेन की सरकार हम लोगों की मांगे पूरी नहीं करती है तो आने वाले समय में इससे भी अधिक उग्र आंदोलन किया जाएगा।मौके पर सचिव अरुण मंडल, राघवेंद्र लाल, नारायण महतो, मनोज कुमार, राजेंद्र गुप्ता, अनिल बरनवाल, चंद्रिका सिंह, हरिहर दास, मनमोहन दास,पंकज कुमार अग्रवाल,श्याम किशोर पांडेय,पोखराज प्रसाद के अलावे कई लोगों उपस्थित थे।

भुरकुंडा जागृति में 3 घंटे चला अखंड कीर्तन सेमिनार के बाद हुआ नारायण भोज

भुरकुंडा। आनंद मार्ग प्रचारक संघ की ओर से रविवार को भुरकुंडा जागृति में तीन घंटे का अखंड कीर्तन एवं सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर से बड़ी संख्या में आनंद मार्गी शामिल हुए। अखंड कीर्तन के दौरान साधकों ने भक्तिभाव से आध्यात्मिक गीतों का गायन किया। इसके बाद आयोजित सेमिनार में आध्यात्मिक एवं सामाजिक विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के समापन के बाद श्रद्धालुओं के लिए नारायण भोज की व्यवस्था की गई। इसमें उपस्थित लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के दौरान भुरकुंडा जागृति की साफ-सफाई और देखरेख में सक्रिय योगदान देने वाले उमेश साहू को उनके समर्पण और सेवाभाव के लिए सम्मानित किया गया। प्रोत्साहन के रूप में भोला प्रसाद चौधरी एवं अरुण जी की ओर से उमेश साहू को 1,151 रुपए की राशि प्रदान की गई। इस दौरान उनसे इसी तरह निष्ठा, कर्मठता और भक्तिभाव के साथ जागृति की देखरेख एवं साफ-सफाई जारी रखने की अपेक्षा जताई गई। आयोजन को सफल बनाने में भोला प्रसाद चौधरी, सुनील अग्रवाल, अमर प्रसाद कुशवाहा, अरुण जी, गोपीचंद जी, रामचंद्र जी, डॉ. उर्मिला दीदी, शत्रुघ्नजी, छोटू जी और उमेश जी का सराहनीय योगदान रहा।

भुरकुंडा में श्रद्धापूर्वक मनाई गई रिझुनाथ चौधरी की 12वीं पुण्यतिथि

भुरकुंडा। भुरकुंडा थाना चौक स्थित काली मंदिर प्रांगण के समीप झारखंड आंदोलनकारी एवं पूर्व प्रमुख स्वर्गीय रिझुनाथ चौधरी की 12वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता भुरकुंडा भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय पासवान ने और संचालन वरिष्ठ नेता अनिल राय ने की।कार्यक्रम में बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने स्वर्गीय रिझुनाथ चौधरी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद एनडीए कार्यकर्ताओं, समर्थकों और स्थानीय लोगों ने भी उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान पूरा परिसर झारखंड आंदोलनकारी रिझुनाथ चौधरी अमर रहें के नारों से गूंज उठा। श्रद्धांजलि सभा को सामाजिक एवं पर्यावरणीय सरोकारों से जोड़ते हुए विधायक रोशनलाल चौधरी की ओर से क्षेत्रवासियों के बीच सैकड़ों पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया। उपस्थित लोगों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और क्षेत्र को हराभरा बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बाबला ने कहा कि स्वर्गीय रिझुनाथ चौधरी ने क्षेत्र में शिक्षा के विकास के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने समाज के कमजोर और वंचित वर्गों को न्याय दिलाने के लिए अनेक संघर्ष और आंदोलनों का नेतृत्व किया।

भव्य आदिवासी संस्कृति की दिखी झलक

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर परमवीर अल्बर्ट एक्का स्टेडियम, सिमडेगा में भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपरा, भाषा, कला और सामुदायिक जीवन की शानदार झलक देखने को मिली। विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे करीब 26 नृत्य दलों ने जनजातीय नृत्य, गीत और संगीत की प्रस्तुति देकर पूरे वातावरण को सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर दिया। खड़िया, मुंडारी और उरांव भाषाओं में प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोह लिया। वहीं घोंचोटोली के नन्हे बच्चों ने झारखंडी गीत पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं।कार्यक्रम से पूर्व जिला सरना समिति के पाहन एवं सदस्यों ने अखाड़ा में प्रकृति की पूजा-अर्चना एवं प्रार्थना की। इसके बाद अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया।उपायुक्त कंचन सिंह ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के जीवन दर्शन, प्रकृति के साथ उसके गहरे संबंध तथा जल, जंगल और जमीन के संरक्षण की परंपरा को समझने का अवसर है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज ने सदियों से प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करने के साथ-साथ उनके संरक्षण की परंपरा को भी आगे बढ़ाया है। आज प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के दौर में आदिवासी जीवन दर्शन पूरी दुनिया को प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने की सीख देता है।उपायुक्त ने कहा कि आदिवासी संस्कृति केवल नृत्य और गीत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन पद्धति, सामाजिक व्यवस्था, प्रकृति के प्रति सम्मान और सामुदायिक भावना से जुड़ी है। उन्होंने स्थानीय पारंपरिक हुनर को आजीविका से जोड़ने पर जोर दिया।

समाज की पहचान सुरक्षित रहेगी : विधायक

विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि भाषा, संस्कृति, परंपरा और जल-जंगल-जमीन की रक्षा से ही आदिवासी समाज की पहचान सुरक्षित रहेगी। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ अपनी मातृभाषा और संस्कृति से जोड़ने की अपील की।विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी ने कहा कि आदिवासी समाज की सबसे बड़ी ताकत उसकी सामूहिकता है। उन्होंने युवाओं से अपनी भाषा, वेशभूषा, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। परियोजना निदेशक आईटीडीए सरोज तिर्की ने आदिवासी संस्कृति को अमूल्य धरोहर बताते हुए इसके संरक्षण एवं संवर्धन का सामूहिक संकल्प लेने की अपील की।कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए। लाभुकों के बीच साइकिल, वन पट्टा और सोलर पंप सेट का वितरण किया गया। इसके अलावा आदिवासी संगठनों ने स्टेडियम से कचहरी चौक, महावीर चौक, बस स्टैंड एवं झूलन सिंह चौक होते हुए भव्य शोभायात्रा निकाली। इसमें बड़ी संख्या में लोग पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए।कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव कुमार सिन्हा, एसपी श्रीकांत एस. खोटरे, डीएफओ शांशक सेखर सिंह, डीडीसी दीपांकर चौधरी, सरोज तिर्की सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। लोगों ने आदिवासी भाषा, संस्कृति, परंपरा तथा जल-जंगल-जमीन और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण का संकल्प लिया।

दृष्टिपात

गिरदा के पोस्ट मास्टर आबिद मियां का हार्ट अटैक से निधन

बानो। बानो प्रखंड के गिरदा क्षेत्र से दुखद खबर सामने आई है।गिरदा डाकघर के पोस्ट मास्टर आबिद मियां का शनिवार रात करीब 8 बजे हार्ट अटैक से निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।आबिद मियां सरकारी सेवा में कार्यरत थे और अपने सरल एवं मिलनसार व्यवहार के कारण क्षेत्र में सम्मानित व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे।उनके आकस्मिक निधन से परिजनों,सहकर्मियों और स्थानीय लोगों में गहरा दुःख है।उनके निधन की खबर पर क्षेत्र के लोगों ने शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।साथ ही शोकाकुल परिवार को इस कठिन घड़ी में धैर्य और शक्ति प्रदान करने की कामना की।

एक्स-रे मशीन की मांग विस में उठी

बानो। तोरपा विधानसभा क्षेत्र के बानो प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक्स-रे मशीन उपलब्ध कराने की मांग को लेकर विधायक सुदीप गुड़िया ने विधानसभा सदन में तारांकित प्रश्न के माध्यम से प्रमुखता से मुद्दा उठाया।विधायक के सवाल के जवाब में राज्य सरकार ने स्वीकार किया कि बानो सीएचसी में वर्तमान में एक्स-रे मशीन उपलब्ध नहीं है। इसके कारण दुर्घटना एवं गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों को जांच के लिए दूरस्थ अस्पतालों का रुख करना पड़ता है।सरकार ने बताया कि जेएमएचआईडीपीसीएल द्वारा 15वें वित्त आयोग के तहत 100 एमए, 300 एमए एवं 500 एमए क्षमता वाली एक्स-रे मशीनों की खरीद के लिए निविदा प्रकाशित कर दी गई है। निविदा प्रक्रिया वर्तमान में प्रगति पर है। विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि बानो सहित ग्रामीण एवं दूरदराज क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं नजदीक ही उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। गरीब मरीजों को जांच के लिए दूर नहीं जाना पड़े, इसके लिए वे लगातार आवाज उठाते रहेंगे।

तकनीकी अनुसंधान से जम्मू से सकुशल बरामद हुई 19 वर्षीय युवती

बानो। सिमडेगा पुलिस की तत्परता एवं तकनीकी अनुसंधान से बानो थाना क्षेत्र से 11 जुलाई को गुमशुदा हुई 19 वर्षीय युवती को जम्मू से सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया गया। पिता की लिखित शिकायत पर बानो थाना सनहा संख्या 11/2026 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। एसपी के निर्देश पर गठित टीम ने मोबाइल विश्लेषण, सोशल मीडिया, तकनीकी साक्ष्य एवं मानवीय संसाधनों की मदद से युवती की तलाश की। विभिन्न जिलों की पुलिस से भी समन्वय किया गया। अनुसंधान के दौरान युवती के जम्मू में होने की जानकारी मिली। पुलिस के प्रयास और परिजनों के सहयोग से वह 8 अगस्त को वापस लौटी। पूछताछ में उसने बताया कि वह अपनी इच्छा से मित्र के साथ दिल्ली और फिर जम्मू घूमने गई थी। सत्यापन के बाद पुलिस ने उसे परिजनों को सौंप दिया।

बोलबा प्रतिबंधित गौवंशीय मांस के अवैध परिवहन मामले में दो गिरफ्तार

बोलबा। बोलबा पुलिस ने प्रतिबंधित गौवंशीय पशु की हत्या कर उसके मांस का अवैध परिवहन करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अबियल टोप्पो और अनिल डुंगडुंग के रूप में हुई है।मामले की जानकारी देते हुए डीएसपी हेडक्वार्टर रणवीर सिंह ने बताया कि एसपी सिमडेगा को गुप्त सूचना मिली थी कि बोलबा थाना क्षेत्र के छुरीचोखा जंगल में प्रतिबंधित गौवंशीय पशु की हत्या कर उसके मांस को अधिक मुनाफा कमाने के उद्देश्य से किलेसेरा और मांझीटोली के रास्ते अवैध रूप से ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर डीएसपी हेडक्वार्टर के नेतृत्व में बोलबा थाना प्रभारी एवं पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

सेवा दिवस पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, 48 लोगों ने लिया लाभ

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सेवा दिवस के अवसर पर विद्या वनस्थली शिक्षा समिति के तत्वावधान में जनता मार्ट, बीरू के सहयोग से रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का नेतृत्व वेलनेस कोच डीके भारती ने किया। शिविर में 48 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गयी। इसमें सभी लोगों का ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर एवं बॉडी स्कैनिंग की गयी।मौके पर वेलनेस कोच डी. के. भारती ने स्वस्थ जीवनशैली के लिए दैनिक दिनचर्या को व्यवस्थित रखने, संतुलित आहार लेने तथा नियमित रूप से सलाद का सेवन करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए नियमित दिनचर्या और सही खान-पान को जीवन का हिस्सा बनाना जरूरी है। कार्यक्रम को सफल बनाने में अशोक महतो, कैलिस्टा, अनीता, वर्षा एवं निराला देवी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। शिविर में पहुंचे लोगों ने इस जनहितकारी पहल की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में विद्या वनस्थली शिक्षा समिति के सचिव राहुल कुमार ने सभी सहयोगियों एवं शिविर में शामिल लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

विश्व आदिवासी दिवस लचरागढ़ में शहीदों को किया नमन

कोलेबिरा। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कोलेबिरा और लचरागढ़ में कार्यक्रम आयोजित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने जिलेवासियों को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आदिवासी समाज की पहचान उसकी समृद्ध संस्कृति, परंपरा, भाषा और प्रकृति से गहरे जुड़ाव में है। जल, जंगल और जमीन के साथ अपने अधिकारों एवं अस्तित्व की रक्षा के लिए आदिवासी समाज का संघर्ष हमेशा प्रेरणादायक रहा है।

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत भटके नाबालिग को आरपीएफ ने सीडब्ल्यूसी को सौंपा

बानो। बच्चों की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन "नन्हे फरिश्ते" के तहत आरपीएफ बानो ने स्टेशन परिसर में अकेले भटक रहे 14 वर्षीय नाबालिग को सुरक्षित बरामद कर सीडब्ल्यूसी सिमडेगा को सौंप दिया।जानकारी के अनुसार 8 अगस्त को दोपहर करीब 3:16 बजे आरपीएफ की टीम ट्रेन संख्या 18175 की नियमित जांच कर रही थी। इसी दौरान स्टेशन परिसर में एक नाबालिग लड़का अकेला घूमता मिला। पूछताछ में उसने अपना नाम समीर उरांव, उम्र करीब 14 वर्ष, निवासी कुरुमगढ़, थाना चैनपुर, जिला गुमला बताया।समीर ने बताया कि वह सेंट पैट्रिक हाई स्कूल, गुमला में पढ़ता है और कोंबीर स्थित सेंट जेवियर लॉज में रहता है। वह 6 अगस्त को स्कूल से छुट्टी का आवेदन देकर बस से रांची पहुंचा था और वहां से धनबाद में दोस्त से मिलने निकला था।

गोवंशीय पशु वध के आरोप में दो गिरफ्तार, मांस व औजार बरामद

सिमडेगा। जलडेगा थाना क्षेत्र के बांसजोर ओपी क्षेत्र के सुरिन टोली के पास गोवंशीय पशु का वध किए जाने की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धर्मदेव पासवान ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग मिलकर गोवंशीय पशु का वध कर रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस निरीक्षक जलडेगा एवं ओपी प्रभारी के नेतृत्व में टीम ने 8 अगस्त 2026 की सुबह करीब 7:50 बजे सुरिन टोली स्थित दाउद कड़ुदना के घर के पीछे छापेमारी की।पुलिस को देखते ही कुछ लोग भागने लगे, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर दो आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों में दाउद कंडुलना निवासी सिराजघोर, सुरिन टोली और संदीप टेटे (35 वर्ष), निवासी भुकुमुंडा, थाना बांसजोर शामिल हैं।छापेमारी के दौरान पुलिस ने संदिग्ध मांस के टुकड़े, गोवंशीय पशु की काली रंग की खाल करीब 10 किलो, लकड़ी का गुटखा, लोहे के तीन पीस, लकड़ी काटने का बेत, धारदार चाकू, तराजू, लोहे का बटखरा, प्लास्टिक के झोले समेत अन्य सामान बरामद किया।

टुटीकेल में उत्साहपूर्वक मना विश्व आदिवासी दिवस

कोलेबिरा। प्रखंड के टुटीकेल में रविवार को विश्व आदिवासी दिवस उत्साह और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी शामिल हुए, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला परिषद अध्यक्ष रोस प्रतिमा सोरेंग उपस्थित रहीं।विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने उपस्थित लोगों को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आदिवासी समाज की पहचान, भाषा, संस्कृति, परंपरा तथा जल-जंगल-जमीन की रक्षा करना सभी की जिम्मेदारी है।

धूमधाम से मना विश्व आदिवासी दिवस

नवीन मेल संवाददाता

बानो। आदिवासी एकता मंच के तत्वावधान में बानो में विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जयपाल सिंह मुंडा मैदान से लोगों ने पदयात्रा निकाली, जो बिरसा मुंडा चौक पहुंची। यहां अतिथियों एवं ग्रामीणों ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद नाच-गान और पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रेव्ह. पादरी सीएस जड़िया ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस को केवल उत्सव के रूप में मनाने के बजाय आदिवासी और कमजोर समुदायों को मानवीय सम्मान दिलाने तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज भी दुनिया के कई हिस्सों में आदिवासियों का शोषण हो रहा है।जिला परिषद सदस्य बिरजो कंडुलना ने कहा कि आदिवासी समाज को अपनी संस्कृति और परंपरा का संरक्षण करते हुए समाज को सशक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर समाज के विकास में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई देशों में विश्व आदिवासी दिवस पर अवकाश घोषित है, लेकिन भारत में अब तक इसकी घोषणा नहीं हुई है।अनूप मिंज ने कहा कि अपनी परंपरा और संस्कृति की रक्षा के लिए समाज को सजग रहना होगा। कार्यक्रम में उकौली, बानो, पाहन टोली, सोड़ा, टिकून टोली सहित विभिन्न गांवों के लोग शामिल हुए।

तीन माह से खराब ट्रांसफार्मर बदला जताटांड़ के ग्रामीणों को मिली राहत

कोलेबिरा। बरसलोया पंचायत के जताटांड़ गांव में पिछले तीन माह से खराब पड़े ट्रांसफार्मर को बदलकर नया ट्रांसफार्मर लगाया गया। बिजली समस्या से परेशान ग्रामीणों ने इसकी जानकारी कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी को दी थी। विधायक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विद्युत विभाग को आवश्यक निर्देश दिया, जिसके बाद विभागीय समन्वय से गांव में नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया गया।नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन कांग्रेस युवा विधानसभा अध्यक्ष अमृत डुंगडुंग, कांग्रेस शाहपुर पंचायत महासचिव संतोष बा एवं ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।इस मौके पर अमृत डुंगडुंग ने कहा कि विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयासरत हैं। बिजली जैसी मूलभूत सुविधा बहाल होने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है।

हाथी के हमले में दो ग्रामीणों की मौत, छह घंटे तक सड़कें जाम

- हाथी के नजदीक होने के कारण ग्रामीण शवों को नहीं उठा पा रहे थे

नवीन मेल संवाददाता

जलडेगा। थाना क्षेत्र के भुंडूपानी में शनिवार को मानव-वन्यजीव संघर्ष की दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। झुंड से भटके जंगली हाथी को खदेड़ने के दौरान भुंडूपानी निवासी नुएल बारला और खरवागढ़ा निवासी अकालु भोक्ता की हाथी के हमले में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हाथी ने दोनों को पटक-पटककर मार डाला। इसके बाद हाथी शव से करीब सौ मीटर दूर कुंडली मारकर बैठ गया। घटना अपराह्न करीब तीन बजे शनिवार की बताई जा रही है। हाथी के नजदीक होने के कारण ग्रामीण शवों को नहीं उठा पा रहे थे। बड़ी मशक्कत के बाद शनिवार देर शाम नुएल बारला का शव बरामद किया गया, जबकि अकालु भोक्ता की तलाश जारी रही। रविवार सुबह प्रफुल्ल तोपनो के खेत में अकालु का क्षत-विक्षत शव मिलने के बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए। सुबह पांच बजे लाडो चौक पर जलडेगा-सिमडेगा मुख्य मार्ग जाम कर दिया गया। करीब छह घंटे तक जलडेगा-सिमडेगा और कोलेबिरा-जामडीह मुख्य मार्गों पर आवागमन बाधित रहा और वाहनों की लंबी कतार लगी रही।

प्रशासनिक सहमति के बाद हुआ समाप्त

आदिवासी दिवस पर हाथी हमले में भून्डूपानी निवासी नूएल बरला और खरवागढ़ा निवासी अकालू भोक्ता की मौत के विरोध में ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा।

रविवार सुबह करीब 5 बजे विधायक प्रतिनिधि अर्जुन होरो के नेतृत्व में ग्रामीणों ने लाडो चौक पर सड़क जाम कर दिया। ग्रामीणों ने शव लेकर आए वाहन को भी रोक दिया।

उनका कहना था कि वन विभाग के कर्मी अपने हाथों से शव उठाकर लाते, तभी ग्रामीणों की पीड़ा समझ में आती। ग्रामीणों का आरोप था कि शनिवार देर रात वन विभाग उन्हें हाथियों के भरोसे छोड़कर चला गया। ग्रामीणों ने छतों पर चढ़कर और आग जलाकर पूरी रात जागते हुए अपनी जान बचाई, जबकि हाथी रातभर चिंघाड़ता रहा।

ग्रामीण वन विभाग के जिम्मेदार कर्मियों पर कार्रवाई, मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा, हाथी भगाने के प्रयाप्त संसाधन और सुरक्षा की ठोस व्यवस्था की मांग कर रहे थे। बीडीओ डा. प्रवीण कुमार, इन्स्पेक्टर भिखारी राम, थाना प्रभारी शकल देव महतो वन कर्मियों के अथक प्रयास के बाद करीब छह घंटे की बड़ी मशक्कत बाद भाजपाई प्रतिनिधिमंडल के नेतृत्व में प्रशासनिक स्तर पर ग्रामीणों की मांगों पर सहमति की पुष्टि हुई। इसके बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम समाप्त कर आवागमन बहाल कर दिया।

अधिकारियों ने ग्रामीणों को दिया आश्वासन

घटना की जानकारी मिलते ही बीडीओ डॉ. प्रवीण कुमार, प्रमुख जुसाफ लुगुन, पुलिस निरीक्षक भिखारी राम, थाना प्रभारी सकलदेव महतो और एसआई रोहित रजक मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं और मांगें सुनीं। बीडीओ ने बताया कि डीएफओ और जिला प्रशासन से बातचीत हुई है। सरकारी प्रावधान के तहत 12 दिनों के अंदर पीड़ित परिवार को 10 लाख रुपये मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया होगी। विधवा पेंशन, अंबेडकर आवास सहित अन्य सरकारी सहायता भी दी जाएगी। बच्चों की शिक्षा के लिए पहल करते हुए कस्तूरबा गांधी विद्यालय में नामांकन कराया जाएगा।

धनबाद में भू-धंसान से लगभग 15 घर जमींदोज

मलबे में दब गई थी जिंदगी, युवकों ने बचाई जान

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। कतरास स्थित छाताबाद में शुक्रवार को भू-धंसान की घटना ने कई परिवारों से उनका आशियाना छीन लिया। अचानक जमीन धंसने से करीब 15 घर पूरी तरह जमींदोज हो गए, जबकि करीब 20 मकान इसकी चपेट में आ गए। हादसे के बाद इलाके में चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जिन घरों में कुछ घंटे पहले तक परिवारों की जिंदगी चल रही थी, वहां अब मलबे का ढेर नजर आ रहा है। लेकिन इसी खौफनाक मंजर के बीच इंसानियत और हिम्मत की तस्वीर भी सामने आई है। मलबे में एक महिला के दबे होने की जानकारी मिली। अंदर से उसकी आवाज लगातार आ रही थी। वह अपनी जिंदगी बचाने के लिए चिल्ला रही थी और लोगों से उसे बाहर निकालने की गुहार लगा रही थी। महिला को भी शायद उम्मीद नहीं थी कि वह इस मलबे से जिंदा बाहर निकल पाएगी। हुआ यूं कि मलबे में सामान खोज रहे युवकों को एक महिला की आवाज सुनाई दी। वे उस आवाज की तरफ बढ़े, तो मलबे से आवाज आने के बाद युवकों ने ऊपर के ढेर को हटाना शुरू किया और फिर महिला को मलबे से बाहर निकाला। मलबे से बाहर निकली महिला का नाम नजमा खातून है। जमीन में धंसे मकान तक पहुंचने के लिए सीढ़ी लगाई गई। मलबा हटाने में हर पल खतरा बना हुआ था, लेकिन युवकों ने हिम्मत नहीं छोड़ी। धीरे-धीरे रास्ता बनाया गया और एक अन्य महिला और एक युवती को जमींदोज घर से बाहर निकाला गया। एक तरफ भू-धंसान ने कई परिवारों की जिंदगी उजाड़ दी, तो दूसरी तरफ स्थानीय युवकों की जांबाजी ने एक जिंदगी को मौत के मुंह से वापस खींच लिया। अब प्रभावित परिवारों की निगाहें राहत और बचाव कार्य पर टिकी हैं। स्थानीय पार्षद मो शाहबुद्दीन ने कहा कि नजमा खातून नाम की एक महिला मलबे में दबी हुई थी।

उत्कल एसोसिएशन के चुनाव से पहले बवाल, विपक्ष ने बूथ पर कब्जे का लगाया आरोप

पूर्वी सिंहभूम। साकची स्थित उत्कल एसोसिएशन के चुनाव को लेकर रविवार को मतदान से पहले ही विवाद गहरा गया। विपक्षी सदस्यों ने चुनाव प्रक्रिया का विरोध करते हुए काला बिल्ला लगाया और 'ब्लैक डे' मनाया। पोस्टर-बैनर के साथ प्रदर्शन करते हुए उन्होंने चुनाव पर रोक लगाने की मांग की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। विपक्षी सदस्य अशोक कुमार सावंत का आरोप है कि रात में ही कुछ लोगों ने मतदान केंद्र में प्रवेश कर चुनाव सामग्री और बैलेट से संबंधित सामान अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद विपक्षी सदस्य बूथ के बाहर धरने पर बैठ गए।

सावन महोत्सव में सैन्य मातृशक्ति ने बिखेरी संस्कृति की रंगत, दिखाई प्रतिभा

नवीन मेल संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की इकाई सैन्य मातृशक्ति, जमशेदपुर की ओर से रविवार को मिलन-सह-सावन महोत्सव का आयोजन उत्साह और पारंपरिक रंगों के साथ किया गया। कार्यक्रम में डॉ. मीरा मुंडा, डॉ. त्रिपुरा झा और संध्या सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रहीं। पूर्व सैनिक परिवारों की महिलाओं और सैन्य मातृशक्ति की करीब 70 सदस्यों ने समारोह में भाग लेकर सावन की खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने और दीप प्रज्वलित करने के साथ हुई। इसके बाद सैन्य मातृशक्ति से जुड़ी नई सदस्यों का स्वागत किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुरानी और नई सदस्यों के बीच आपसी परिचय और आत्मीयता बढ़ाने के साथ भारतीय संस्कृति, तीज-त्योहारों और सैन्य परिवारों के संस्कारों को आगे बढ़ाना रहा। महामंत्री विनीता सिंह ने कहा कि आधुनिक जीवनशैली के साथ सैन्य मूल्यों का समन्वय समाज को सकारात्मक दिशा दे सकता है। महिलाओं की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों और नई पीढ़ी में अनुशासन, राष्ट्रप्रेम, सेवा भावना और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे संस्कार विकसित करें। सावन के रंग में रंगी महिलाओं ने हरे रंग के आकर्षक परिधानों में समारोह की शोभा बढ़ाई। सावन गीत, कजरी, सामूहिक संगीत और नृत्य के अलावा मेहंदी, रूप सज्जा और रैंप वॉक जैसी गतिविधियों ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया।

पश्चिमी सिंहभूम की तीन लापता युवतियां मेरठ से बरामद

नवीन मेल संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुवा थाना क्षेत्र से लापता हुई तीन युवतियों को पुलिस ने उत्तर प्रदेश के मेरठ से सकुशल बरामद कर लिया। गुवा पुलिस की टीम ने मेरठ जीआरपी के सहयोग से अभियान चलाकर तीनों को खोज निकाला। रविवार को पुलिस टीम सभी को लेकर गुवा थाना पहुंची, जहां आगे की आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा रही है। गुवा थाना क्षेत्र के निवासी ने एक अगस्त 2026 को थाना में आवेदन देकर अपनी बेटी के लापता होने की सूचना दी थी। उन्होंने पुलिस को बताया था कि 17 वर्षीय नाबालिग करीब दो सप्ताह पहले बिना किसी को बताए घर से चली गई थी। परिवार के सदस्यों ने रिश्तेदारों और परिचितों के यहां तलाश करने के साथ अपने स्तर से काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और इसकी जिम्मेदारी सहायक अवर निरीक्षक भुवनेश्वर महतो को सौंपी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पश्चिमी सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर किरीबुरू के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विनित किन्डो के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि लापता लड़कियां रोजगार के उद्देश्य से मेरठ गई हैं। सुराग मिलने के बाद पुलिस टीम चार अगस्त को मेरठ के लिए रवाना हुई। मेरठ पहुंचने के बाद पुलिस टीम ने स्थानीय स्तर पर छानबीन शुरू की। इस दौरान मेरठ जीआरपी के सहयोग से एक लापता नाबालिग को बरामद किया। इसी क्रम में टीम ने जिले से लापता दो अन्य लड़कियों को भी बरामद किया। पुलिस टीम तीनों को सुरक्षित गुवा लेकर पहुंची। अभियान में एसडीपीओ किरीबुरू विनित किन्डो, गुवा थाना प्रभारी नीतीश कुमार, सहायक अवर निरीक्षक भुवनेश्वर महतो, महिला आरक्षी सुशीला माई कुदादा, आरक्षी सतीश

संस्था मानव विकास की ओर से 26 परिवार को दिए गए वस्त्र

धरहरा में बिरहोर समुदाय ने सामूहिक श्रम से बनाई सड़क

- समुदाय के लोगों द्वारा किए गए श्रम और योगदान के सम्मान में मानव विकास की ओर से वस्त्र प्रदान किया गया

नवीन मेल संवाददाता

बरकठा। प्रखंड के ग्राम धरहरा स्थित आदिम जनजाति बिरहोर टांडा में संस्था मानव विकास द्वारा बिरहोर समुदाय के साथ एक सामुदायिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में टांडा के सभी 26 बिरहोर परिवारों के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस दौरान मानव विकास के सचिव बीरबल प्रसाद के प्रेरणादायी प्रयासों से समुदाय के लोगों ने आपसी सहयोग और सामूहिक श्रम के माध्यम से स्वयं एक रास्ते का निर्माण किया, जो उनके टांडा को मुख्य पक्की सड़क से जोड़ता है। इस पहल से बिरहोर परिवारों के आवागमन में काफी सुविधा होगी तथा उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में मदद मिलेगी। समुदाय के लोगों द्वारा किए गए श्रम और योगदान के सम्मान में मानव विकास की ओर से प्रत्येक परिवार को कपड़ों का एक बोरा प्रदान किया गया, जिसमें विभिन्न प्रकार के उपयोगी कपड़े थे। इस सहयोग के लिए गूंज का महत्वपूर्ण योगदान रहा। ज्ञात हो कि लंबे समय से यह धारणा बनी हुई थी कि बिरहोर समुदाय सामूहिक रूप से अपने विकास के लिए पहल नहीं करता। लेकिन मानव विकास द्वारा निरंतर संवाद, विश्वास निर्माण और अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप यह पहल संभव हो सकी। इस सामूहिक प्रयास ने यह साबित कर दिया कि यदि समुदाय को उचित प्रेरणा, सहयोग और अवसर मिले, तो वह स्वयं अपने विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा सकता है।यह पहल बिरहोर समुदाय के आत्मनिर्भरता, सामुदायिक एकजुटता और स्वावलंबन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

सदर अस्पताल सह एसएमसीएच हजारीबाग में हृदय जांच शिविर सफल

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग । "नन्हा सा दिल – बाल हृदय जांच एवं उपचार" कार्यक्रम का सफल संचालन श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल द्वारा जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, आंगनवाड़ी, शिक्षा विभाग तथा सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड) के सीएसआरसहयोग से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित बच्चों की समय पर पहचान कर उन्हें पूर्णतः निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना है। इस पहल के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली सभी सेवाएं पूरी तरह निःशुल्क हैं। इसी क्रम में आज हजारीबाग जिले के सदर अस्पताल सह शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताहजारीबाग में हृदय रोग जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त हेमंत सती, उप विकास आयुक्त रिया सिंह, सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार, सदर प्रभारी डॉ. अमरेश कुमार, DEIC मैनेजर जितेंद्र कुमार, तथा RBSK चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मुकेश, डॉ. सरजन मल्हार, डॉ. सुरेंद्र एवं अन्य RBSK चिकित्सा पदाधिकारी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी एवं अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही, श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल की स्क्रीनिंग टीम भी सक्रिय रूप से मौजूद रही। श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल की टीम में निरंजन त्रिपाठी, प्रतिमा उरांव, लक्ष्मी प्रिया, ललिता एवं निशा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं हैदराबाद केंद्र से आए विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. एम. साई गणेश एवं डॉ. गोनापाली वैष्णवी ने बच्चों की हृदय संबंधी जांच की। यह शिविर सुबह 8:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक संचालित हुआ, जिसमें कुल 105 बच्चों की इको स्क्रीनिंग की गई। जांच के दौरान 30 बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की पुष्टि हुई, जिन्हें आगे निःशुल्क उपचार एवं ऑपरेशन हेतु चिन्हित किया गया है।

रघुवर दास ने 1000 कांवरियों को सुल्तानगंज के लिए किया रवाना

नवीन मेल संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ की ओर से आयोजित निःशुल्क कांवर यात्रा के तहत रविवार को 1000 कांवरियों का जत्था सुल्तानगंज के लिए रवाना हुआ। कांवरियों को रवाना करने के दौरान झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, भारत सेवा श्रम संघ के प्रमुख श्रीधर जी महाराज, मानगो नगर निगम की मेयर सुधा गुप्ता और बहरागोड़ा के पूर्व विधायक कुणाल सारंगी विशेष रूप से मौजूद थे।अतिथियों ने कांवरियों को मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए बाबा बैद्यनाथ से सभी की मनोकामना पूरी होने की कामना की।मानगो डिमना रोड स्थित हीरा होटल के सामने दुर्गा पूजा स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में कदमा, सोनारी, बिष्टुपुर, साकची और मानगो से पंजीकृत कांवरिया एकत्र हुए। गेरुआ वस्त्रों में सजे श्रद्धालुओं के हाथों में कांवर और मुख पर बोलबम के जयकारे थे। शंख, डमरू, ढोल और मंजीरे की ध्वनि से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।कांवरियों के प्रस्थान से पहले धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कदमा और बिष्टुपुर के श्रद्धालु रंकणी मंदिर के समीप पूजा-अर्चना करने के बाद डिमना रोड पहुंचे, जबकि सोनारी के कांवरिया भी पूजा-अर्चना कर मुख्य आयोजन स्थल पर पहुंचे। यहां 11 पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कांवरियों को आशीर्वाद दिया।इसके बाद जैसे ही कांवरियों का जत्था डिमना रोड से सुल्तानगंज के लिए निकला, पूरा मार्ग बोलबम के जयकारों से गूंज उठा। गेरुआ वस्त्र पहने सैकड़ों श्रद्धालुओं के कारण डिमना रोड का नजारा पूरी तरह शिवमय हो गया।

चाईबासा में गूंजी 'बोल बम' की गूंज

बाल कांवड़ियों ने किया बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक

नवीन मेल संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। सावन की भक्ति और आस्था से चाईबासा का माहौल रविवार को शिवमय हो गया। मारवाड़ी युवा मंच चाईबासा जागृति शाखा की ओर से श्रद्धा और उत्साह के साथ बाल कांवड़ यात्रा निकाली गई। शंभू मंदिर, टुंगरी से शुरू हुई यात्रा बांधपाड़ा स्थित शिव मंदिर पहुंची, जहां नन्हे कांवड़ियों ने बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। करीब 80 बालक-बालिकाओं ने इस धार्मिक यात्रा में हिस्सा लिया। पांच से लगभग 15 वर्ष की उम्र के बच्चे कांवड़ लेकर पूरे उत्साह के साथ यात्रा में शामिल हुए। रास्ते भर बच्चों के मुख से निकल रहे 'बोल बम' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। पारंपरिक और आकर्षक परिधानों में सजे बच्चों ने सावन की भक्ति और शिव आराधना का विशेष रंग बिखेरा। शिवालय पहुंचने के बाद बच्चों ने बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक किया और भगवान शिव की पूजा कर परिवार और समाज की सुख-शांति की कामना की। आयोजन के दौरान बच्चों में भगवान शिव के प्रति गहरी आस्था और उत्साह देखने को मिला। बाल कांवड़ यात्रा में बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार भी दिए गए। सर्वश्रेष्ठ पोशाक, सर्वश्रेष्ठ कांवड़, बेहतर पदयात्रा और सबसे पहले जलाभिषेक करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। यात्रा में शामिल सभी बच्चों को विशेष पुरस्कार देकर उनका उत्साह बढ़ाया गया। मारवाड़ी युवा मंच जागृति शाखा ने धार्मिक आयोजन को संस्कार और शिक्षा से भी जोड़ने का प्रयास किया।

जैनामोड़ में भव्य कुशवाहा सम्मान समारोह

अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा, ईमानदारी के साथ निर्वहन करें : विधायक

- प्रशांत कुमार सिन्हा, शशि भूषण मेहता व जयप्रकाश वर्मा बने संरक्षक

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। अखिल भारतीय कुशवाहा क्षत्रिय फाउंडेशन के बैनर तले रविवार को जैना मोड़ में भव्य कुशवाहा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में झारखंड के विभिन्न जिलों से पहुंचे समाज के प्रतिनिधियों के अलावा बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं, समाजसेवी एवं गणमान्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में समाज की एकजुटता, शिक्षा, संगठन और सामाजिक उत्थान पर विशेष जोर दिया गया। समारोह के दौरान अखिल भारतीय कुशवाहा क्षत्रिय फाउंडेशन की ओर से प्रशांत कुमार सिन्हा, पांकी विधायक शशि भूषण मेहता एवं पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा को झारखंड कुशवाहा समाज के संरक्षक के रूप में मनोनीत किया गया। इस अवसर पर तीनों को प्रशस्ति-पत्र, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। गाजे-बाजे और पारंपरिक स्वागत के बीच समाज के लोगों ने उनका जोरदार अभिनंदन किया। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक शशि भूषण मेहता ने कहा कि समाज ने उन पर जो विश्वास जताया है, वह उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि वे इस दायित्व का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। साथ ही पूरे झारखंड के कुशवाहा समाज को संगठित, शिक्षित और सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने का भरोसा दिलाया।

मुखिया मिंटू शेख को राष्ट्रपति भवन से निमंत्रण, 15 अगस्त को मिलेगा सम्मान

नवीन मेल संवाददाता

देवघर। जिले के सबसे पिछड़ा प्रखंड कहे जाने वाला करौ प्रखंड के बारा पंचायत के मुखिया मिंटू शेख को राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। मिंटू शेख झारखंड के उन दो मुखियाओं में शामिल हैं, जिन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया जाना है। वारा पंचायत के मुखिया को इस सम्मान के लिए चुने जाने पर पंचायत समेत क्षेत्र में खुशी की लहर है। जिला प्रशासन की ओर से बारा पंचायत के मुखिया मिंटू शेख के बेहतर कार्य और प्रयासों को देखते हुए उनका नाम उच्च अधिकारियों के पास भेजा गया था। दरअसल, मिंटू शेख की ओर से अपने पंचायत के प्रत्येक व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं को पहुंचाने और जनता की स्थिति में सुधार लाने के लिए किए गए कार्यों की सराहना की गई है। जिला प्रशासन की ओर से भी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की गई और अन्य पंचायतों के मुखियाओं से भी बेहतर कार्य करने की अपील की गई। अपनी इस उपलब्धि को लेकर बारा पंचायत के मुखिया मिंटू शेख बताते हैं कि वह अपनी जनता को सर्वोपरि समझते हैं और 24 घंटे जनता की सेवा में लगे रहते हैं। उनकी कोशिश रहती है कि पंचायत से जुड़े मामलों का समाधान पंचायती व्यवस्था के तहत ही हो जाए। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कई पारिवारिक कलह को सुलह में बदलने का काम किया है। कई ऐसे परिवार थे, जो बिखरने के कगार पर थे, लेकिन उन्होंने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर पंचायत के परिवारों को जोड़ने का काम किया। इसके अलावा पंचायत की कृषि योग्य जमीनों में सिंचाई के लिए जर्जर और खराब पड़े एक डैम को उन्होंने अपने निजी खर्चे पर दुरुस्त करवाया।

बंद घर से नकदी सहित लाखों के जेवर की चोरी

पूर्वी सिंहभूम। परसुडीह थाना क्षेत्र के गोलपहाड़ी नया बस्ती में चोरों ने एक बंद मकान का ताला तोड़कर नकदी सहित लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। मकान मालिक का परिवार पिता के निधन के बाद श्राद्धकर्म में शामिल होने बिहार के सिवान स्थित पैतृक गांव गया हुआ था। रविवार को परिवार के जमशेदपुर लौटने पर घर में चोरी की घटना का पता चला। सूचना मिलने के बाद परसुडीह पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। बताया गया कि गोलपहाड़ी नया बस्ती निवासी रिंकी कुमारी सिंह के पिता का 22 जुलाई को निधन हुआ था। इसके बाद परिवार के सदस्य अंतिम संस्कार और श्राद्धकर्म में शामिल होने सिवान चले गए थे। घर में किसी के मौजूद नहीं रहने के कारण मकान में ताला लगा हुआ था। इसी दौरान चोरों ने घर को निशाना बनाया। रविवार को परिवार के सदस्य छपरा-टाटानगर ट्रेन से जमशेदपुर पहुंचे।

घर में बिना बताए धनरोपनी के लिए जा रही थी राउरकेला

मनोहरपुर स्टेशन से आरपीएफ ने 6 नाबालिगों का किया रेस्क्यू

पश्चिमी सिंहभूम। जिले के मनोहरपुर रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत कार्रवाई करते हुए टाटा-इतवारी एक्सप्रेस से छह नाबालिग बच्चियों को रेस्क्यू किया है। बच्चियां बिना अभिभावकों को जानकारी दिए राउरकेला में धान रोपनी का काम करने और पैसे कमाने के लिए जा रही थीं। सभी बच्चियों की उम्र 12 से 14 वर्ष के बीच है। जानकारी के अनुसार, ०8 अगस्त को आरपीएफ को सूचना मिली थी कि ट्रेन संख्या 18109 टाटा-इतवारी एक्सप्रेस में कुछ नाबालिग बच्चियां यात्रा कर रही हैं। सूचना के आधार पर उप निरीक्षक इंद्रजीत कुमार, सहायक उप निरीक्षक एसएन यादव और आरपीएफ पोस्ट मनोहरपुर के ड्यूटी स्टाफ ने प्रभारी के पर्यवेक्षण में कार्रवाई शुरू की। अभियान में एएसआई कमलेश राम, जीआरपी मनोहरपुर के जवान तथा रेलवे चाइल्ड हेल्पलाइन पश्चिमी सिंहभूम के प्रतिनिधि मनोज कुमार दास और फणींद्र बड़ाइक के अलावा एस्पॉयर एनजीओ की टीम भी शामिल रही। ट्रेन के मनोहरपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या एक पर पहुंचने के बाद आरपीएफ और सहयोगी टीम ने कोच संख्या एस-2 की जांच की। इस दौरान छह नाबालिग बच्चियां संदिग्ध परिस्थितियों में बैठी मिलीं। पूछताछ में बच्चियों ने बताया कि वे अपने माता-पिता को बिना बताए राउरकेला जा रही थीं। उनका कहना था कि वहां धान रोपनी के काम से पैसे कमाने की योजना थी। बच्चियों के पास किसी तरह का सामान या लगेज भी नहीं मिला। आरपीएफ ने सभी बच्चियों को ट्रेन से उतारकर सुरक्षित रूप से आरपीएफ पोस्ट मनोहरपुर पहुंचाया। इसके बाद जीआरपी मनोहरपुर और रेलवे चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम की मौजूदगी में आवश्यक पूछताछ और प्रक्रिया पूरी की गई। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद सभी छह नाबालिग बच्चियों को रेलवे चाइल्ड हेल्पलाइन, पश्चिमी सिंहभूम के प्रतिनिधियों मनोज कुमार दास और फणींद्र बड़ाइक को सौंप दिया गया, ताकि आगे की आवश्यक बाल संरक्षण प्रक्रिया पूरी की जा सके। रविवार को मनोज कुमार दास ने बताया कि सभी बच्चियों को उनके घर पहुंचा दिया गया है।

प्रशासन अलर्ट — देवघर में श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच मलेरिया का खतरा, दो पुलिसकर्मी पॉजिटिव

जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग हुआ अलर्ट, स्क्रीनिंग शुरू

नवीन मेल संवाददाता

देवघर। श्रावणी मेला के दौरान देवघर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन की ओर से हजारों पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। वहीं लगातार हो रही बारिश और जलजमाव के बीच अब ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों के बीच मलेरिया का खतरा बढ़ गया है। क्योंकि यहां तैनात दो पुलिसकर्मी मलेरिया की चपेट हैं। चाईबासा और सारंडा क्षेत्र से ड्यूटी पर पहुंचे कुछ पुलिसकर्मियों में मलेरिया के लक्षण पाए जाने के बाद जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है। प्रशासन की ओर से पुलिसकर्मियों की स्क्रीनिंग शुरू कर दी गई है। जिन जवानों में मलेरिया के लक्षण मिल रहे हैं, उन्हें तत्काल अलग रखकर जांच कराई जा रही है।

पुलिसकर्मियों के बीच बांटी गई मच्छरदानी

मलेरिया के खतरे को देखते हुए ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों के बीच मच्छरदानियों का वितरण भी किया गया है। साथ ही पूरे क्षेत्र में मलेरिया से बचाव को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं और ड्यूटी में तैनात जवानों की लगातार स्क्रीनिंग की जा रही है। डॉ। अभय कुमार यादव ने बताया कि मलेरिया के संक्रमण के लक्षण सामने आने में कुछ समय लग सकता है। ऐसे में मेला क्षेत्र में लगातार निगरानी और स्क्रीनिंग की जा रही है, ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। मलेरिया के खतरे को देखते हुए पूरे जिले में अलर्ट जारी किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने आम लोगों से अपील की है कि अगर किसी व्यक्ति में मलेरिया से जुड़े लक्षण दिखाई देते हैं तो वह लापरवाही न बरते और तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या डॉक्टर से संपर्क करें।

दो जवान मिले पॉजिटिव, 40 के सैंपल लिए

जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ। अभय कुमार यादव ने बताया कि अब तक दो पुलिसकर्मियों में मलेरिया की पुष्टि हुई है। इसके अलावा करीब 40 पुलिसकर्मियों के सैंपल जांच के लिए लिए गए हैं। संक्रमित पुलिसकर्मियों का इलाज शुरू कर दिया गया है और फिलहाल किसी अन्य पुलिसकर्मी की हालत गंभीर नहीं है।

विचार प्रवाह सच्ची प्रसन्नता तभी मिलती है जब आपकी इच्छा-शक्ति आत्मा के विवेक द्वारा निर्देशित होती है और आप किसी भी समय, किसी भी जगह, बुराई के स्थान पर अच्छाई का चयन इसलिए करते हैं क्योंकि आप अच्छाई के लिए अच्छाई को चाहते हैं। तब आप सही अर्थ में मुक्त होंगे। **- श्री श्री परमहंस योगानंद, योगदा सत्संग पाठ**

राष्ट्रीय नवीन मेल

आदिवासी वोट बैंक की राजनीति और सांस्कृतिक प्रहसन

इंडिया

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

असली आदिवासी कौन और सरना, आदिधर्म, सनातन या ईसाई के मुद्दे पर गरमाई राजनीति के बीच अनेक बातें सोशल मीडिया के माध्यम से तैर रहीं हैं जिससे झारखंड सहित हिंदी पट्टी के कुछ राज्यों में अनुसूचित जनजातीय आबादी फोकस में है। आदिवासी समुदाय सरल, ईमानदार और मेहनती है और इन लोगों का शोषण करने वाले लोग आजादी के पहले से बदलते रहे पर शोषण रुका नहीं। आज भी केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं की रेलपेल के बीच एक अभिजात्य वर्ग तैयार हुआ है जो सचमुच के पिछड़े गरीब आदिवासियों-मूलवासियों का हक मार रहा है। झारखंड बने 26 वर्ष और देश की आजादी के 79 वर्ष हो रहे हैं आज तक जितनी प्रमुख पार्टियों देश में और झारखंड में आईं लगभग सभी ने अपने को आदिवासियों का सच्चा हितैषी और संरक्षक बताया लेकिन चंद चमकते हुए अभिजात्य वर्ग के जनजातियों को छोड़ दिया जाए तो झारखंड सहित भारत के आदिवासी इलाकों में डायन प्रथा विकास की पोल खोलती है। डायन प्रथा के मूल में दो मुख्य कारण हैं पहला किसी अकेली लाचार आदिवासी या दलित महिला की संपत्ति हड़पना और दूसरा इलाज की समुचित व्यवस्था नहीं होना। यह दोनों अवस्थाएं हमारे सारे विकास के दावों की पोल खोलती है यदि कोई अकेली महिला को समाज या सरकारें सुरक्षा नहीं दे पा रहीं या आंकड़ों के हिसाब से अरबों रूपए के बजट से चलने वाले हर गांव के आसपास स्वास्थ्य उपकेंद्र केंद्र रेफरल और अलग-अलग नाम से छोटे-बड़े सरकारी अस्पतालों की श्रृंखला है तब झाड़ फूंक करने की नौबत क्यों आ रही है? वस्तु स्थिति यह है की राजनीतिक पार्टियां विकास के नाम पर जनजातीय समुदाय को लुभाने के लिए बड़े-बड़े दावे करती हैं कोई उनको पैसे देता है कोई उनका सम्मान देने की बात करता है और कोई उनके लिए अलग-अलग योजनाएं बनाता है लेकिन इसकी मॉनिटरिंग और क्रियान्वयन में भ्रष्टाचार की कहानियों की ऐसी लंबी श्रृंखला है जो गांव से लेकर जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री तक आज भी हमें आईना दिखा रही हैं । दूसरी और जो पढ़े-लिखे विकसित आदिवासी हैं उनके अंदर एक अभिजात्य वर्ग तैयार हो गया है जो या तो सरकारी अफसर रहे हैं या नेताओं से जुड़े हुए लोग या कुछ मामलों में बड़े भूस्वामी हैं । इस वर्ग की सोच लगभग वैसी ही है जैसे तथाकथित शोषक वर्ग की है यह वर्ग कई बार मांग कर चुका है कि छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम के उस प्रावधान को शिथिल कर दिया जाए जिसमें एक ही थाना क्षेत्र के ही आदिवासियों को जमीन की खरीद बिक्री करने की अनुमति दी गई है इसकी बारीकी यह है कि यह वर्ग यह नहीं चाहता कि समुदाय गरीब अपने बच्चों की पढ़ाई व्यवसाय या अन्य कार्यों के लिए लाखों करोड़ों के बाजार मूल्य पर जमीन का लेनदेन कर पाएं लेकिन अगर वह आधे दाम पर बेचे तो उन्हें । वे यह भी नहीं चाहते कि लीज पर जमीन रखकर व्यापार या बाजार मूल्य पर बिक्री के आधार पर उन गरीब आदिवासियों के बच्चों की पढ़ाई अच्छी हो वह भी समाज की मुख्य धारा में आएं यही कारण है कि आरक्षण की सुविधा जो यह नवअभिजात्य वर्ग जो अंग्रेजी माध्यम या बड़े शिक्षण संस्थानों में पढ़कर आता है वह ले लेता है चाहे वह नौकरी हो या उच्च शिक्षा। बिना वैध बिक्री रजिस्ट्री के मिट्टी के मोल जमीन सादे कागज पर बड़े पैमाने पर गैरआदिवासी कब्जा रहे हैं ऐसे आरोप उछलते रहते है। राजनीति इन्हें रोकने की नहीं भड़का कर गोलबंद कर वोट बैंक में ही बदलने की रही है। दिलचस्प बात यह है कि टाइटल के आधार पर आप अगर पूछें कि आपकी घर की भाषा क्या है आप अपने बच्चों से किस भाषा में बात करते हैं तो पता चलेगा कि वे जिस समुदाय से आते हैं उसकी भाषा नहीं जानते अपने घरों में अपने बच्चों को अंग्रेजी सिखा रहे हैं आदिवासी रीति रिवाज की दुहाई सभी देते हैं लेकिन पाश्चात्य रीति रिवाज से लेकर अलग-अलग रीति रिवाज मानने वालों की एक बड़ी संख्या झारखंड में है जो झारखंड के गांव की आखरा संस्कृति गीत संगीत और पारंपरिक पर्व त्योहार से दूर हटती जा रही है जिसका सबसे बड़ा प्रमाण झारखंड के मेले और बाजार हैं जहां आधुनिकता का शोर है और स्पष्ट रूप से अभिजात्य वर्ग के आदिवासियों की सांकेतिक भागीदारी फोटो खिंचाने तक सिमट कर रह गई है। 32 जनजातियों वाले झारखंड राज्य की कुल जनसंख्या लगभग 3करोड़ 30 थी । इनमें से 26% अनुसूचित जनजातियां हैं और 78% ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। 1881 की जनगणना के बाद से झारखंड की जनजातीय जनसंख्या में लगातार गिरावट देखी गई है। 2011 की जनगणना के अनुसार, राज्य की कुल जनसंख्या 32,988,134 में से 8,645,042 अनुसूचित जनजातियाँ थीं। झारखंड में जनजातीय संस्कृति को बचाने के लिए जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग जिसमें 9 भाषाओं की स्नातकोत्तर स्तर पर पढाई बिहार के ज़माने से हो रही है को समृद्ध कर शोध केंद्र के रूप में विकसित करना चाहिए जिसमें छात्रों के साथ योग्य शिक्षकों की संख्या घटती जा रही है ।

एफसीआरए संशोधन विधेयक : विदेशी चंदे पर नियंत्रण या संस्थाओं की स्वायत्तता पर नया सवाल ?

आज की बात

सत्येंद्र प्रताप सिंह

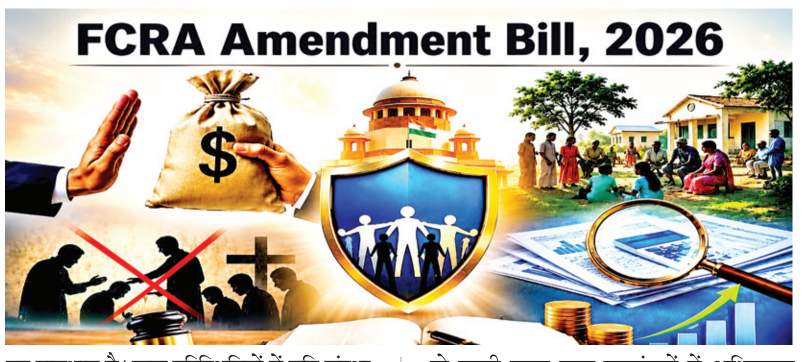

विदेशी चंदे का मामला भारत में हमेशा संवेदनशील रहा है। सरकार का तर्क है कि विदेशी धन भारत की राजनीति, सामाजिक व्यवस्था या राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने का माध्यम नहीं बनना चाहिए। दूसरी तरफ हजारों सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक और जनकल्याणकारी संस्थाएं विदेशी सहयोग के जरिए वर्षों से काम कर रही हैं। इसीलिए जब विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 संसद में आता है, तो बहस सिर्फ विदेशी चंदे की निगरानी तक सीमित नहीं रहती। सवाल यह भी उठता है कि विदेशी फंडिंग लेने वाली संस्थाओं पर सरकार का नियंत्रण कितना हो और उस नियंत्रण की सीमा कहां तक हो। 25 मार्च 2026 को लोकसभा में पेश किया गया यह विधेयक अभी लंबित है। सरकार इसे आगे बढ़ाने की तैयारी में है, जबकि विपक्ष और कुछ प्रभावित संगठनों ने इसके कई प्रावधानों पर सवाल उठाए हैं। विधेयक का सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील हिस्सा उन संस्थाओं की संपत्तियों से जुड़ा है जिनका एफसीआरए पंजीकरण रद्द हो जाता है, संस्था खुद पंजीकरण वापस कर देती है या उसका नवीनीकरण नहीं हो पाता। प्रस्तावित व्यवस्था में ऐसी स्थिति में विदेशी योगदान से जुड़ी संपत्तियों और धन के प्रबंधन के लिए नामित प्राधिकारी की भूमिका तय की गई है। यहीं से बहस शुरू होती है। मान लीजिए किसी संस्था ने विदेशी सहयोग से वर्षों में स्कूल, अस्पताल, छात्रावास या कोई सामाजिक सेवा केंद्र बनाया। बाद में उसका एफसीआरए पंजीकरण रद्द हो गया या नवीनीकरण नहीं हुआ। तब उस संपत्ति के भविष्य का फैसला किसके हाथ में होगा? सरकार कहती है कि ऐसी संपत्तियों को अनिश्चितकाल तक ऐसी संस्था के नियंत्रण में नहीं छोड़ा जा सकता जिसका एफसीआरए दर्जा समाप्त हो चुका है। लेकिन आलोचकों का सवाल है कि क्या प्रशासनिक कार्रवाई के आधार पर किसी संस्था की वर्षों में बनाई गई संपत्ति पर सरकारी नियंत्रण स्थापित करना उचित प्रक्रिया के पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ किया जाएगा? इस सवाल का जवाब थोड़ा जटिल है। विधेयक को केवल "संपत्ति जब्ती" के रूप में देखना पूरी तस्वीर नहीं होगी। प्रस्तावित व्यवस्था में संपत्ति के अस्थायी नियंत्रण और उसके बाद की प्रक्रिया का प्रावधान है। कुछ परिस्थितियों में यदि संस्था अपना पंजीकरण बहाल या नवीनीकृत करा लेती है, तो संपत्ति अथवा अप्रयुक्त धन की वापसी की व्यवस्था भी हो सकती है। लेकिन यहां एक बुनियादी सवाल फिर भी खड़ा होता है-जिस संस्था का प्रमाणपत्र रद्द हुआ है, उसे राहत पाने में कितना समय लगेगा और तब तक उसकी संपत्ति का क्या होगा? किसी संस्था के लिए यह महज कानूनी सवाल नहीं है। उसके पीछे कर्मचारी, लाभार्थी, अस्पताल में इलाज करा रहे मरीज, स्कूल में पढ़ रहे बच्चे और वर्षों से चल रहे सामाजिक कार्यक्रम भी हो सकते हैं। इस बहस में सरकार की चिंता को नजरअंदाज करना भी उचित नहीं होगा। भारत में विदेशी फंडिंग को नियंत्रित करने के पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा और वित्तीय पारदर्शिता का सवाल है। विदेशी धन का इस्तेमाल यदि राजनीतिक गतिविधियों, धार्मिक ध्रुवीकरण, गैरकानूनी गतिविधियों या देश के हितों के विरुद्ध किया जाता है, तो सरकार के पास कार्रवाई का अधिकार होना ही चाहिए।

एफसीआरए का मूल उद्देश्य भी यही है कि विदेशी योगदान का इस्तेमाल पारदर्शी और कानून के अनुरूप हो। समस्या तब पैदा होती है जब नियमन और नियंत्रण के बीच की सीमा धुंधली होने लगे। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि कानून का इस्तेमाल केवल वास्तविक उल्लंघन के खिलाफ हो, न कि वैचारिक या प्रशासनिक असहमति रखने वाली संस्थाओं को दबाने के लिए।

विधेयक का एक ऐसा पहलू भी है जिसकी चर्चा अपेक्षाकृत कम हो रही है। प्रस्तावित संशोधन में एफसीआरए उल्लंघन के लिए अधिकतम कारावास की सजा को पांच वर्ष से घटाकर एक वर्ष करने का प्रस्ताव है। यानी विधेयक के सभी प्रावधानों को एकतरफा "कठोर" बताना भी सही तस्वीर नहीं होगी। एक तरफ सरकार को संपत्तियों के संबंध में ज्यादा प्रशासनिक शक्ति देने का प्रस्ताव है, तो दूसरी तरफ कुछ उल्लंघनों में अधिकतम जेल की सजा कम करने की बात की गई है। इसलिए विधेयक का मूल्यांकन पूरे पैकेज के रूप में करना जरूरी है। विदेशी सहयोग लेने वाली संस्थाओं में धार्मिक और सामाजिक संगठन भी शामिल हैं। विशेष रूप से कुछ ईसाई संगठनों ने प्रस्तावित बदलावों को लेकर चिंता जताई है। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद यह मुद्दा और चर्चा में आया। उन्हें कथित तौर पर आश्वासन दिया गया कि नया प्रावधान पूर्वप्रभावी यानी पिछली तारीख से लागू नहीं होगा। यह आश्वासन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यदि कानून को पिछली अवधि पर लागू किया जाता, तो पहले से मौजूद संस्थाओं और संपत्तियों पर इसके प्रभाव को लेकर कहीं ज्यादा गंभीर विवाद पैदा हो सकता था। फिर भी भविष्य को लेकर सवाल बाकी है। यदि किसी संस्था का एफसीआरए प्रमाणपत्र किसी कारण से रद्द होता है तो क्या उसे पर्याप्त समय, सुनवाई और प्रभावी अपील का अधिकार मिलेगा? यही वह सवाल है जिसका स्पष्ट जवाब कानून में जितना मजबूत होगा, विवाद उतना कम होगा।

विपक्ष का सबसे बड़ा तर्क है कि इतना महत्वपूर्ण विधेयक जल्दबाजी में पारित नहीं किया जाना चाहिए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की नेता सुप्रिया सुले ने विधेयक को वापस लेने या संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी के पास भेजने की मांग की है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी विधेयक पर पुनर्विचार की मांग की है।

जेपीसी की मांग को केवल राजनीतिक विरोध के रूप में देखना भी सही नहीं होगा। जब किसी कानून का प्रभाव हजारों संस्थाओं, करोड़ों रुपये की विदेशी सहायता और उनसे बनी संपत्तियों पर पड़ सकता है, तो व्यापक संसदीय जांच और हितधारकों से बातचीत लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत ही करती है। सरकार इसे आगे बढ़ाने के मूड में दिखाई देती है। लोकसभा में सरकार के पास पर्याप्त राजनीतिक ताकत होने के कारण वहां विधेयक के आगे बढ़ने की संभावना ज्यादा है। असल राजनीतिक परीक्षा राज्यसभा में और उससे पहले विधेयक पर होने वाली बहस में होगी। सरकार के सामने दो रास्ते हैं पहला, मौजूदा स्वरूप में विधेयक को तेजी से पारित कराने की कोशिश करना। दूसरा, विपक्ष और प्रभावित संगठनों की आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए कुछ सुरक्षा प्रावधानों को और स्पष्ट करना। दूसरा रास्ता सरकार के लिए जरूरी नहीं कि राजनीतिक कमजोरी का संकेत हो। कई बार संवेदनशील कानूनों में व्यापक चर्चा कानून को अधिक टिकाऊ बनाती है। विदेशी चंदे पर निगरानी जरूरी, लेकिन प्रक्रिया भी निष्पक्ष हो। एफसीआरए के मामले में असली बहस "सरकार बनाम एनजीओ" नहीं होनी चाहिए। विदेशी धन का इस्तेमाल पारदर्शी होना चाहिए। देश की सुरक्षा और संप्रभुता से समझौता नहीं हो सकता। किसी संस्था को विदेशी फंडिंग मिलती है तो उसे यह बताना ही होगा कि पैसा कहां से आया और कहां खर्च हुआ। लेकिन दूसरी तरफ सरकार की शक्ति भी कानून और न्यायपूर्ण प्रक्रिया से बंधी होनी चाहिए। किसी संस्था का पंजीकरण रद्द करना एक प्रशासनिक फैसला हो सकता है, लेकिन उसके परिणाम कई वर्षों के सामाजिक काम पर पड़ सकते हैं। इसलिए कार्रवाई से पहले सुनवाई, स्पष्ट कारण, समयबद्ध अपील और स्वतंत्र समीक्षा जैसी व्यवस्थाएं जितनी मजबूत होंगी, कानून पर भरोसा उतना ही बढ़ेगा। एफसीआरए संशोधन विधेयक को केवल विदेशी चंदे पर नियंत्रण का कानून समझना शायद इस बहस को छोटा कर देना होगा। असल सवाल यह है कि विदेशी धन पर निगरानी रखते हुए नागरिक समाज की वैधानिक स्वायत्तता कैसे बचाई जाए। सरकार के पास राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जिम्मेदारी है। संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि वे विदेशी धन का इस्तेमाल घोषित उद्देश्यों और कानून के मुताबिक करें। लेकिन लोकतंत्र में इन दोनों के बीच एक तीसरी चीज सबसे महत्वपूर्ण है-निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया। यदि विधेयक विदेशी फंडिंग में पारदर्शिता बढ़ाता है, अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करता है और साथ ही निर्दोष संस्थाओं को मनमाने प्रशासनिक फैसलों से सुरक्षा देता है, तो यह कानून व्यवस्था को मजबूत कर सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

जीवन व सड़क : समय, सभ्यता व संवेदनशीलता का संकट

अलग बात

डॉ दीपक प्रसाद

मनुष्य के जीवन की यात्रा जन्म से आरंभ होकर मृत्यु तक निरंतर चलती रहती है। इस यात्रा में सड़क केवल मिट्टी, डामर या कंक्रीट का बना मार्ग नहीं होती, बल्कि वह सभ्यता की धड़कन, अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा और सामाजिक संपर्क का सबसे सशक्त माध्यम है। यदि सड़कें रुक जाएँ तो उद्योग रुक जाते हैं, व्यापार ठहर जाता है, शिक्षा बाधित हो जाती है और स्वास्थ्य सेवाएँ भी प्रभावित हो जाती हैं। वर्तमान समय में विडंबना यह है कि सड़कें सुविधा का माध्यम कम और समय के अपव्यय का प्रतीक अधिक बनती जा रही हैं। विशेषकर महानगरों और तेजी से विकसित होते शहरों में रहने वाले लाखों लोगों के जीवन का एक बड़ा भाग प्रतिदिन ट्रैफिक जाम, अव्यवस्थित परिवहन और सड़क संबंधी अव्यवस्थाओं में व्यतीत हो जाता है। यह केवल समय की बर्बादी नहीं, बल्कि मानसिक तनाव, आर्थिक हानि, पारिवारिक दूरी और सामाजिक असंतुलन का भी कारण बन चुका है। यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि समय का मौन अपहरण हो रहा है। समय संसार का सबसे मूल्यवान संसाधन है। धन खोकर पुनः प्राप्त किया जा सकता है, परंतु बीता हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता। यदि कोई व्यक्ति प्रतिदिन औसतन दो घंटे सड़क और ट्रैफिक में बिताता है तो वह एक वर्ष में लगभग 730 घंटे, अर्थात लगभग 30 दिन केवल सड़क पर व्यतीत करता है। यदि यही स्थिति 40 वर्ष तक बनी रहे तो लगभग 29,000 घंटे, अर्थात करीब साढ़े तीन वर्ष केवल सड़क पर बीत जाते हैं। यदि किसी महानगर में रहने वाला व्यक्ति प्रतिदिन तीन घंटे यात्रा करता है, तो उसका जीवन का लगभग पाँच वर्ष सड़क पर ही व्यतीत हो सकता है। यह एक अनुमानित गणना है, जो दैनिक यात्रा समय पर आधारित है और व्यक्ति तथा शहर के अनुसार बदल सकती है। कल्पना कीजिए कि यदि यही समय परिवार, बच्चों, अध्ययन, साहित्य, शोध, योग, संगीत, सामाजिक सेवा या आत्म-विकास में लगाया जाता, तो व्यक्ति और समाज दोनों कहीं अधिक समृद्ध हो सकते थे। वास्तविक स्थिति देखा जाए तो भारत विश्व के सबसे बड़े सड़क नेटवर्क वाले देशों में से एक है। करोड़ों लोग प्रतिदिन कार्यस्थल, विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, अस्पताल और व्यापारिक प्रतिष्ठानों तक पहुँचने के लिए सड़कों पर निर्भर हैं। किन्तु शहरीकरण की तीव्र गति, वाहनों की बढ़ती संख्या, अपर्याप्त सार्वजनिक परिवहन, अवैध अतिक्रमण, अव्यवस्थित पार्किंग, खराब सड़क डिज़ाइन तथा यातायात नियमों की अनदेखी ने स्थिति को चिंताजनक बना दिया है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, कोलकाता जैसे महानगरों में प्रतिदिन लाखों मानव-घंटे ट्रैफिक जाम में नष्ट हो जाते हैं। झारखंड जैसे अपेक्षाकृत छोटे राज्यों में भी रांची, जमशेदपुर, धनबाद, बोकारो, देवघर, गोड्डा, दुमका और अन्य शहरों में यातायात व्यवस्था निरंतर चुनौतीपूर्ण होती जा रही है। इसके लिए क्या केवल सरकार दोषी है? प्रायः प्रत्येक समस्या के लिए शासन-प्रशासन को दोषी ठहराना सरल होता है, किंतु यह समस्या केवल सरकारी नहीं है। यातायात अव्यवस्था के पीछे अनेक सामाजिक कारण भी हैं-लालबत्ती का उल्लंघन। गलत दिशा में वाहन चलाना। सड़क पर अवैध पार्किंग। फुटपाथों पर अतिक्रमण। बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट वाहन चलाना। आपातकालीन वाहनों को रास्ता न देना। नियमों से अधिक स्वयं को महत्वपूर्ण समझने की मानसिकता। वास्तव में सड़कों पर दिखाई देने वाली अव्यवस्था हमारे सामाजिक चरित्र और नागरिक अनुशासन का भी दर्पण है। ट्रैफिक जाम केवल समय ही नहीं खाता, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था पर भी भारी बोझ डालता है। अंततः यह स्मरण रखना चाहिए कि सड़कें समय बचाने के लिए बनाई जाती हैं, समय नष्ट करने के लिए नहीं। यदि हमने सड़कों को व्यवस्थित कर लिया, तो वास्तव में हम अपने जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी बात

योग्य उम्मीदवार, मजबूत लोकतंत्र

संतोष अग्रवाल

दिल्ली के जंतर-मंतर से उठी युवाओं की आवाज अब किसी एक परीक्षा, शहर या राज्य तक सीमित नहीं रही। नीट जैसी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं से उपजा आक्रोश झारखंड में जेपीएससी जैसी परीक्षाओं के रद्द होने, परिणाम आने के बाद भी नियुक्तियां नहीं होने और वर्षों तक युवाओं के भविष्य के अधर में लटके रहने से और गहरा हुआ है। यह केवल छात्रों का आक्रोश नहीं, बल्कि व्यवस्था के प्रति बढ़ते जन-अविश्वास का संकेत है। विडंबना यह है कि राजनीतिक दल युवाओं की पीड़ा से अधिक इस आक्रोश में अपना राजनीतिक भविष्य तलाशते दिखाई देते हैं। लेकिन सवाल किसी एक सरकार या दल का नहीं, उस पूरी व्यवस्था का है, जिसमें भ्रष्टाचार नीचे से ऊपर तक अपनी जड़ें जमा चुका है। अस्पताल से लेकर जमीन के म्यूटेशन, बिजली-पानी के कनेक्शन, सरकारी योजनाओं, लाइसेंस और न्याय व्यवस्था तक आम नागरिक भ्रष्टाचार और लालफीताशाही से जूझ रहा है। इस बीमारी का इलाज केवल आंदोलन या सरकार बदलने से नहीं होगा। असली सवाल चुनावी व्यवस्था का है। जब राजनीतिक दल टिकट देते समय योग्यता, ईमानदारी और सार्वजनिक चरित्र के बजाय चुनाव जीतने की क्षमता को प्राथमिकता देंगे, तो संसद और विधानसभाओं में व्यवस्था बदलने वाले लोग कैसे पहुंचेंगे? अब मतदाता को भी अपनी भूमिका बदलनी होगी। 'पहले मतदान, फिर जलपान' से आगे बढ़कर 'पहले प्रत्याशी की जांच, फिर मतदान' की संस्कृति विकसित करनी होगी। प्रत्याशी की शिक्षा, संपत्ति, आपराधिक पृष्ठभूमि और सार्वजनिक जीवन की निष्पक्ष जांच जरूरी है। बदलाव केवल सत्ता बदलने से नहीं आएगा। जब राजनीति में योग्य लोग आएंगे और मतदाता पार्टी नहीं, प्रत्याशी का चरित्र देखेगा, तभी व्यवस्था बदलेगी। लोकतंत्र की असली जड़ चुनाव है और सुधार की पहली चोट भी वहीं करनी होगी।

राष्ट्रीय नवीन मेल
धर्म-अध्यात्म

विवेक केवल एक ही मानक मार्गदर्शक को स्वीकारता है

श्री श्री परमहंस योगानंद

आपका ज्ञान सन्तुलित अवश्य होना चाहिए। यदि आपका ज्ञान हृदय और मस्तिष्क दोनों से शासित है, तो आपके पास स्वयं को एवं दूसरों को देखने के लिए स्पष्ट दृष्टि है। आपको उन अनेक पूर्वाग्रहों का विश्लेषण करना चाहिए जिनसे आपकी बुद्धि प्रभावित होती है। किसी भी समय जब आप कोई निर्णय ले रहे हों या कार्यवाही कर रहे हों, तो स्वयं से पूछें कि क्या आप इसे बुद्धि द्वारा कर रहे हैं, या भावावेश द्वारा, अथवा मन पर किसी अन्य पूर्वाग्रह के प्रभाव में कर रहे हैं। जब तक आप लोभ या क्रोध से प्रभावित हैं; जब तक आप दूसरों की गलत सोच से प्रभावित हैं; जब तक आप दूसरों की गलतफहमी से प्रभावित हैं, तब तक आपका अपना ज्ञान भी अस्पष्ट रहेगा। मानव की तर्क बुद्धि सदा अच्छे और बुरे कर्मों के लिए 'पक्ष तथा विपक्ष' को समान रूप से ढूँढ सकती है; यह स्वाभाविक रूप से विश्वासघाती है। विवेक केवल एक ही मानक मार्गदर्शक को स्वीकारता हैः आत्मा। दो व्यक्तियों की कल्पना करें। उनके दायीं ओर जीवन की घाटी है, और बायीं ओर मृत्यु की घाटी है। दोनों तर्कशील व्यक्ति हैं, परन्तु एक दायीं ओर जाता है और दूसरा बायीं ओर। क्यों? क्योंकि एक ने अपनी विवेक शक्ति का सही उपयोग किया है और दूसरे ने गलत तर्कों में लगकर उस शक्ति का दुरुपयोग किया है। प्रत्येक कार्य में अपने उद्देश्यों को देखें। लोभी व्यक्ति और योगी दोनों भोजन करते हैं। परन्तु क्या आप कहेंगे कि भोजन करना पाप है क्योंकि यह प्रायः लोभ से जुड़ा होता है? नहीं। पाप विचार में होता है, उद्देश्य में होता है। सांसारिक मनुष्य अपने लोभ को तृप्त करने के लिए खाता है और योगी अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खाता है। दोनों में बहुत अंतर है।

–पुस्तक जहां है प्रकाश से साभार

फेसबुक वॉल से

एक्स से

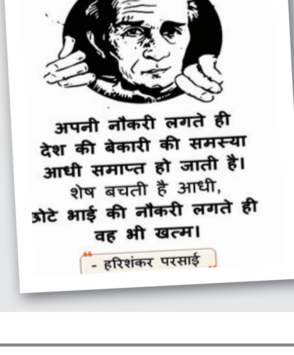

सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं और विकसित भारत की मजबूत नींव

देश की बात

जगत प्रकाश नड्डा

भारत ने पिछले एक दशक में स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व विस्तार किया है। सरकारी और निजी क्षेत्र में अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, जांच केंद्रों और मेडिकल कॉलेजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हुआ है। यह सरकार की ऐसी नीतियों को दर्शाता है, जिनका केंद्र आम नागरिक की स्वास्थ्य सुरक्षा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को हर नागरिक तक पहुंचाने के लिए काम किया है। इन लगातार किए गए प्रयासों का परिणाम है कि देश में लोगों द्वारा अपनी जेब से स्वास्थ्य सेवाओं पर किए जाने वाले खर्च में पिछले कुछ वर्षों में बड़ी कमी आई है। यह खर्च पहले 65 प्रतिशत तक था, जो अब घटकर 43 प्रतिशत रह गया है। जिला अस्पताल में जन्म लेने वाले नवजात शिशु से लेकर बड़े अस्पताल में इलाज करा रहे कैंसर मरीज तक, आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में भरोसेमंद, अच्छी गुणवत्ता वाले और किफायती चिकित्सा उपकरण बेहद जरूरी हो गए हैं। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत सरकार ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत कर रही है। इसके लिए प्रयोगशालाओं को बेहतर बनाने, गंभीर मरीजों के इलाज की सुविधाएं बढ़ाने, बीमारियों की निगरानी व्यवस्था मजबूत करने और आपात स्थिति से निपटने की क्षमता बढ़ाने पर निवेश किया जा रहा है। जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, अब जोर एक आत्मनिर्भर चिकित्सा तकनीक क्षेत्र तैयार करने पर है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को और सस्ता, आसानी से उपलब्ध और किसी भी संकट के समय मजबूत बनाना है। पहले ,भारत कई आधुनिक और जटिल चिकित्सा उपकरणों के लिए काफी हद तक दूसरे देशों से होने वाले आयात पर निर्भर था। इन तकनीकों से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार तो हुआ, लेकिन इससे इलाज की लागत बढ़ी, आपूर्ति व्यवस्था पर बाहरी निर्भरता बनी रही और इन उपकरणों की पहुंच सीमित रही। इसी जरूरत को देखते हुए राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नीति, 2023 में देश के भीतर आधुनिक चिकित्सा उपकरण बनाने की क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया गया। इसका उद्देश्य चिकित्सा उपकरणों को सस्ता बनाना और जांच की लागत कम करना है। सरकार ने चिकित्सा उपकरणों के पूरे क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना, चिकित्सा उपकरण पार्क और दवा एवं चिकित्सा तकनीक के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने वाली योजना शामिल हैं। इन पहलों से देश में चिकित्सा उपकरणों के निर्माण, नए शोध, निवेश और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए बेहतर माहौल तैयार हो रहा है। नतीजे उत्साह बढ़ाने वाले हैं। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत 50 से अधिक आधुनिक चिकित्सा उपकरणों का देश में उत्पादन शुरू हो चुका है। इसके साथ ही इस क्षेत्र में विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है, जो वैश्विक निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। ये उपलब्धियां बताती हैं कि भारत धीरे-धीरे दुनिया के चिकित्सा तकनीक क्षेत्र में एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में उभर रहा है। सिर्फ चिकित्सा उपकरणों का निर्माण केंद्र बनने के अलावा, भारत तेजी से आधुनिक चिकित्सा तकनीकों को अपना भी रहा है, ताकि लोगों का जीवन बेहतर बनाया जा सके। आधुनिक जांच सुविधाओं, शरीर की अंदरूनी तस्वीर लेने वाली मशीनों, शरीर में लगाए जाने वाले चिकित्सा उपकरणों, गहन चिकित्सा की मशीनों और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को किफायती दर पर उपलब्ध कराने से मरीजों पर इलाज का आर्थिक बोझ कम होता है। साथ ही इलाज की गुणवत्ता और समय पर इलाज मिलने में भी सुधार होता है। देश में ही चिकित्सा उपकरण बनने से विदेशों से आयात पर निर्भरता घटती है, आपूर्ति व्यवस्था मजबूत होती है और लागत कम करने के अवसर बढ़ते हैं। भारत का विश्व स्तर पर पहचान बना चुका दवा उद्योग, मजबूत इंजीनियरिंग क्षमता, तेजी से फैलता डिजिटल ढांचा, तेजी से बढ़ता नए उद्यमों का क्षेत्र और कुशल मानव संसाधन अगली पीढ़ी की चिकित्सा तकनीक विकसित करने के लिए मजबूत आधार प्रदान करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, चिकित्सा उपकरण के रूप में इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर (एसएमडी), इंटरनेट से जुड़े चिकित्सा उपकरण, रोबोट आधारित तकनीक और दूर से जांच जैसी नई तकनीकों में भारत के पास देश और दुनिया की स्वास्थ्य जरूरतों के लिए नए समाधान विकसित करने के बड़े अवसर हैं। जैसे-जैसे भारतीय कंपनियां दुनिया के बाजार में विस्तार कर रही हैं, गुणवत्ता भी भारत में बने चिकित्सा उपकरणों की सबसे बड़ी पहचान बनती जा रही है।

(भारत सरकार में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री हैं।)

आज का दोहा

जगह जगह उठने लगी, लोगों की हुंकार।
घुटनों पर लाने लगी, क्यों खुद को सरकार।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप - 82925 53444 -संपादक

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/00155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', सह कार्यकारी संपादक : प्रवीण कुमार दूबे*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : समाचार - news.rnmail@gmail.com, लेख - article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

आदिवासी समुदाय पर्यावरण संतुलन और सांस्कृतिक धरोहर के मुख्य आधार

विश्व आदिवासी दिवस पर नेताओं ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी। नई दिल्ली

विश्व आदिवासी दिवस पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित अन्य नेताओं ने आदिवासी समुदाय को शुभकामनाएं दी हैं। इसके साथ ही देशवासियों को आदिवासी समुदायों की रक्षा और सम्मान करने की अपील की है। राजस्थान सरकार ने एक्स पोस्ट में कहा, "विश्व आदिवासी दिवस की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। हमारे आदिवासी समुदाय पर्यावरण संतुलन और सांस्कृतिक धरोहर के मुख्य आधार हैं। आइए उनकी अनमोल परंपराओं को सहेजने और उन्हें सशक्त बनाने में अपनी भागीदारी निभाएं।"

पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने एक्स पर लिखा, "विश्व आदिवासी दिवस पर हम मूल निवासी और आदिवासी समुदायों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं, ज्ञान और अटूट जज्बे का जश्न मनाते हैं। प्रकृति के साथ उनका गहरा जुड़ाव, सदियों पुराना ज्ञान और मुश्किलों का सामना करने की क्षमता हमारी साझा विरासत का अनमोल हिस्सा है। आइए हम उनके अधिकारों, सम्मान, सशक्तीकरण और एक टिकाऊ भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराएं। साथ ही उन समृद्ध परंपराओं को भी संजोकर रखें जो हमारे समाज को समृद्ध बनाती हैं।"कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर पोस्ट किया, "विश्व आदिवासी दिवस पर देश के समस्त आदिवासी भाई-बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं। भारत की समृद्ध संस्कृति, प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व और हमारी विविधता को सहेजने में आदिवासी समाज का योगदान अमूल्य है। आदिवासी समाज के जल-जंगल-जमीन, संस्कृति, परंपराओं और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा तथा सामाजिक न्याय और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस पार्टी सदैव संकल्पबद्ध है।"सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पोस्ट में कहा, "'विश्व आदिवासी दिवस' के अवसर पर समस्त आदिवासी समाज को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने एक्स पोस्ट में कहा, "जंगलों ने पीढ़ियों से हमारे आदिवासी समुदायों की रक्षा की है और बदले में उन्होंने प्रकृति, संस्कृति और प्राचीन ज्ञान के संरक्षक के रूप में जंगलों की रक्षा की है। 'विश्व के मूल निवासियों के अंतरराष्ट्रीय दिवस' पर मैं अपने सभी आदिवासी भाई-बहनों को हार्दिक बधाई देता हूं।

नितिन गडकरी एक्स पर पोस्ट किया, "विश्व आदिवासी दिवस पर हम भारत के आदिवासी समुदायों का सम्मान करते हैं, जो प्राचीन परंपराओं, विविध संस्कृतियों, पारंपरिक ज्ञान और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव के संरक्षक हैं। उनकी कहानियां, समझदारी और मजबूती भारत की सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा हैं। आइए हम उनकी पहचान का जश्न मनाएं, उनके अधिकारों का सम्मान करें और एक ऐसा भविष्य बनाएं जहां वे सम्मान के साथ आगे बढ़ सकें।

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी एक्स पर "विश्व आदिवासी दिवस पर समस्त आदिवासी भाई-बहनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में आदिवासी समाज के सशक्तिकरण को नई गति मिली है। आदिवासी समाज का सम्मान, अधिकार और विकास हमारी प्राथमिकता है और इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए उत्तराखंड में भी जनजाति के कल्याण, शिक्षा, रोजगार, बुनियादी सुविधाओं और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

हमने पाक में बैठे आतंकियों व सरपरस्तों को खत्म किया : रक्षा मंत्री

ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को दिखाई महान भारत की ताकत

- सांगली से आए सैकड़ों खिलाड़ियों ने रक्तदान में हिस्सा लिया
- एथलीटों ने शारीरिक क्षमता के साथ करुणा और राष्ट्रसेवा की शक्ति दिखाई

एजेंसी। नई दिल्ली

पहलगाम में धर्म पूछकर हमारे निर्दोष नागरिकों पर कायराना आतंकी हमला किया गया था। उसके बाद हमारी सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत की। हमने पाकिस्तान में बैठे आतंकियों और उनके सरपरस्तों को नेस्तनाबूत किया और दुनिया को यह बताया कि भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। यह बात रविवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से, हमने दुनिया को बताया, हमारी नारी शक्ति के सिंदूर की रक्षा करने के लिए, हम किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को दिल्ली कैंट स्थित सेना के बेस अस्पताल में ये बातें कहीं। यहां एक विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। रक्षामंत्री ने बताया कि इस रक्तदान यात्रा का नाम भी बड़ा अद्भुत, 'सिंदूर' महारक्तदान यात्रा है। यह नाम खुद में एक प्रतीक है। राजनाथ सिंह ने कहा, "हम सब जिस अवसर पर एकत्र हुए हैं, वह महा रक्तदान यात्रा का अवसर है। और यह इसलिए खास है, क्योंकि यह मानवता, सहृदयता और राष्ट्रप्रेम से जुड़ा अवसर है। रक्तदान को हम हमेशा से जीवनदान या महादान कहते आए हैं। रक्त का निर्माण किसी फैक्ट्री में नहीं हो सकता, किसी प्रयोगशाला में नहीं गढ़ा जा सकता। यह केवल एक स्वस्थ मानव शरीर के भीतर ही बनता है और केवल एक मानव ही इसे दूसरे मानव को दे सकता है। यही बातें रक्तदान को सभी दानों में सर्वोपरि बनाती हैं। उन्होंने बताया कि सांगली से आए हमारे सैकड़ों वीर खिलाड़ी यहां अपना रक्त देंगे। यह एक सुरक्षा कवच बनकर भविष्य में, जरूरतमंद जवानों और उनके परिवारों के लिए एक विश्वसनीय भंडार के तौर पर रहेगा। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि वैसे तो आप सभी एथलीट हैं, आपकी शारीरिक क्षमता आपकी पहचान है। लेकिन आज आपने इस शारीरिक क्षमता से भी बड़ी शक्ति का परिचय दिया है। आज आपने करुणा की शक्ति का परिचय दिया है।

रक्तदान को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील

राजनाथ सिंह ने कहा, "मैं सभी नागरिकों, विशेषकर युवा साथियों से आग्रह करूंगा, कि हम रक्तदान को एक आयोजन नहीं, एक संस्कृति बनाएं। 2047 में जब भारत अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष मनाएगा, तब हमारा सपना केवल एक विकसित अर्थव्यवस्था का नहीं होना चाहिए, हमारा सपना एक ऐसा संवेदनशील समाज भी होना चाहिए, जहां हर कोई स्वस्थ और सुरक्षित हो।" उन्होंने बताया कि स्वस्थ रहने के लिए तो हमारे प्रधानमंत्री ने, खेलों इंडिया और फिट के माध्यम से देश को विजन दिया है। हम सभी को, खासकर युवाओं को उनका अनुसरण करना चाहिए। क्योंकि जितना हम फिट रहेंगे, उतना ही हम समाज के लिए एक संपत्ति बनकर भी रहेंगे और तभी हम रक्तदान जैसा पुनीत कार्य भी कर पाएंगे।

तेलंगाना के गवर्नर ने की आदिवासियों के समावेशी विकास सुनिश्चित करने की अपील

एजेंसी। हैदराबाद

तेलंगाना के गवर्नर शिव प्रताप शुक्ला और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने रविवार को 'विश्व आदिवासी दिवस' की शुभकामनाएं दीं।

गवर्नर ने कहा कि आदिवासी समुदायों की समृद्ध संस्कृति, परंपराएं और सदियों पुरानी समझ हमारी विरासत का अनमोल खजाना हैं। पीढ़ियों से वे जंगलों, पानी, जैव विविधता और प्रकृति के संरक्षक रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी धरती को बचाए हुए हैं। उन्होंने सभी से उनके अधिकारों, सम्मान, पहचान और जीवन शैली का सम्मान करने और साथ ही समान अवसर और समावेशी विकास सुनिश्चित करने का आह्वान किया। गवर्नर शिव प्रताप शुक्ला ने कहा, "आइए हम उनके अमूल्य योगदान का सम्मान करें और उनकी विरासत को बचाने तथा सभी के लिए एक टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए मिलकर काम करें।"विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आदिवासी लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वे प्रकृति को ईश्वर और जंगल को अपनी मां मानते हैं और पीढ़ियों से अपनी संस्कृति और परंपराओं की रक्षा करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा, "विश्व सभ्यता की जड़ और प्रकृति से अटूट रूप से जुड़ी जीवन शैली, यही आदिवासी लोगों की संस्कृति है। आदिवासी समुदायों का ज्ञान, संस्कृति, परंपराएं, सामूहिक जीवन शैली और सांस्कृतिक संरक्षण, जिन्होंने पीढ़ियों से प्रकृति के संरक्षण को अपने अस्तित्व का आधार बनाया है। पूरी मानवता के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश का काम करते हैं। आइए हम सब मिलकर उनके अधिकारों, उनके अस्तित्व और उनकी संस्कृति का सम्मान करें और उनके कल्याण, विकास और आत्म-सम्मान को सुनिश्चित करें।" भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि आदिवासी लोग, जो विविध संस्कृतियों और परंपराओं के प्रतीक हैं, प्रकृति के संरक्षक हैं। उन्होंने कहा, "आदिवासी जो जंगलों, पेड़ों, बांबी (चींटियों के टीले) और जानवरों से प्यार करते हैं और उनका सम्मान करते हैं।

राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी को तत्पर रहना चाहिए : उप राष्ट्रपति

एजेंसी। श्री विजयपुरम (पोर्ट ब्लेयर)

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने रविवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि भारत की शांति और उदारता को उसकी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। उन्होंने नागरिकों का आह्वान करते हुए कहा कि राष्ट्रीय हितों और संप्रभुता की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। तिरंगे से प्रेरणा लेकर साहस, एकता और आशा का संचार करें और एक मजबूत एवं विकसित भारत के निर्माण में स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत को आगे बढ़ाएं। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने आज अंडमान-निकोबार द्वीप समूह की राजधानी श्री विजयपुरम (पोर्ट ब्लेयर) के ऐतिहासिक फ्लैग पॉइंट पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर 'हर घर तिरंगा अभियान' की शुरुआत की। श्री विजयपुरम (पोर्ट ब्लेयर) के ऐतिहासिक फ्लैग पॉइंट पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने 30 दिसंबर 1943 को तिरंगा फहराया था। उपराष्ट्रपति ने इस अवसर पर 'हर घर तिरंगा' के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया यह अभियान एक राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन में बदल चुका है। प्रत्येक नागरिक तिरंगे को गर्व से फहराने, देशभक्ति, एकता और सामूहिक जिम्मेदारी के मूल्यों को आत्मसात करें। महान तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती के अमर शब्दों को याद करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि भारती द्वारा मनाया जाने वाला 'मणि कोडी' उत्सव भारतीय भावना के शाश्वत साहस और भारत माता के ध्वज की महिमा को दर्शाता है। 'हर घर तिरंगा' अभियान इस भावना को आगे बढ़ाते हुए सभी नागरिकों को एक राष्ट्रीय ध्वज, एक मातृभूमि और एक साझा भविष्य के अंतर्गत एकजुट करता है। उन्होंने कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह भारत का सिर्फ एक भौगोलिक हिस्सा नहीं है यह बलिदानों की पवित्र भूमि है।

हैदराबाद में पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया बोनालु त्योहार, मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

एजेंसी। हैदराबाद

हैदराबाद में रविवार को सालाना 'बोनालु' त्योहार पूरे पारंपरिक उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। शहर भर के महाकाली मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। बोनालु उत्सव तेलंगाना का एक प्रमुख और राजकीय त्योहार है, जो हर साल आषाढ़ मास (जुलाई-अगस्त) में देवी महाकाली और उनके विभिन्न स्वरूपों को समर्पित होता है। इस दौरान महिलाएं सिर पर चावल, गुड़ और दूध से भरे सजे हुए 'बोनम' पात्र रखकर मंदिरों में प्रसाद चढ़ाती हैं तथा अच्छी सेहत और समृद्धि की कामना करती हैं। ओल्ड सिटी के लाल दरवाजा स्थित सिंहवाहिनी महाकाली मंदिर में 118वें वार्षिक बोनालु उत्सव के मौके पर विशेष पूजा की गई। मंत्री, विधायक और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता भी दर्शन के लिए पहुंचे। नेताओं ने लाल दरवाजा महाकाली मंदिर, शाह अली बंदा के ऐतिहासिक अक्कन्ना मादन्ना मंदिर और शहर के अन्य हिस्सों में देवी के मंदिरों में पूजा की। बोनालु शक्ति की देवी महाकाली या काली को समर्पित त्योहार है। मान्यता है कि इससे बुराई का अंत होता है और शांति का आगमन होता है। लाल दरवाजा मंदिर में टॉलीवुड अभिनेता विजय देवरकोंडा, आनंद देवरकोंडा और निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा भी दर्शन करने पहुंचे। मीडिया से बात करते हुए विजय देवरकोंडा ने बोनालु की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने संदीप रेड्डी के प्रोडक्शन हाउस 'भद्रकाली' के नाम से पूजा की। राज्य के मंत्री कोंडा सुरेखा और मंत्री पोन्नम प्रभाकर, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और सांसद अनिल कुमार यादव ने लाल दरवाजा मंदिर में पूजा की। मंत्रियों ने राज्य सरकार की ओर से देवी को रेशमी साड़ी भेंट की। इस दौरान दान विभाग आयुक्त हनुमंथा राव, पुलिस कमिश्नर सज्जनार, हैदराबाद कलेक्टर प्रियंका आला और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। उद्योग और आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने ओल्ड सिटी के अक्कन्ना मादन्ना महाकाली मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने भी राज्य सरकार की ओर से देवी को रेशमी साड़ी अर्पित की। पंचायत राज मंत्री सीतक्का और सरकार के सलाहकार वी. हनुमंथा राव ने अंबरपेट के महाकाली मंदिर में पूजा की और राज्य सरकार की ओर से साड़ी चढ़ाई।

आज कल

देश भक्ति

त्राल और बांदीपोरा के कई हिस्सों में निकाली गई 'हर घर तिरंगा' यात्रा

तिरंगा यात्रा से जम्मू-कश्मीर में दिखा देशप्रेम

एजेंसी। जम्मू/श्रीनगर

'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत जम्मू-कश्मीर के अलग-अलग कई हिस्सों में रविवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। इन यात्राओं में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।पुलवामा जिला प्रशासन ने 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत रविवार को त्राल के सरकारी कॉलेज से त्राल बस स्टैंड तक एक विशाल तिरंगा रैली का आयोजन किया। इस रैली की अगुवाई पुलवामा के डिप्टी कमिश्नर बशारत कयूम और त्राल के एडीसी ने की। इसमें छात्रों, युवाओं और स्थानीय निवासियों समेत हजारों लोगों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। जब रैली त्राल कॉलेज से बस स्टैंड की ओर बढ़ी, तो लोगों ने तिरंगा हाथ में लिया और देशभक्ति के नारे लगाए, जिससे पूरे शहर में देशभक्ति का माहौल बन गया। डिप्टी कमिश्नर बशारत कयूम ने कहा, "इस साल का 'हर घर तिरंगा' अभियान 9 अगस्त से शुरू होकर 17 अगस्त तक चलेगा। मुझे खुशी है कि आज हमने पुलवामा के त्राल सब-डिविजन में इसकी शुरुआती रैली शुरू की। जैसा कि आप देख सकते हैं, सब-डिविजन के अलग-अलग इलाकों से बड़ी संख्या में लोग इसमें शामिल हुए हैं।"वहीं, भारतीय जनता युवा मोर्चा (बीजेवाईएम) के कार्यकर्ताओं ने जम्मू में बलिदान स्तंभ से तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया। इस रैली में जम्मू-कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सत शर्मा, पार्टी महासचिव (संगठन) अशोक कौल, राज्यसभा सांसद गुलाम अली खटाना और लोकसभा सांसद जुगल किशोर शर्मा के साथ-साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। शान के साथ राष्ट्रीय ध्वज लिए हुए इस बाइक रैली ने देशभक्ति, एकता और देश के प्रति प्रतिबद्धता का एक सशक्त संदेश दिया। भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर स्थित पुंछ में भी 'हर घर तिरंगा' अभियान का शुभारंभ किया गया। इस उपलक्ष्य में जिला युवा सेवा और खेल विभाग की ओर से नगर स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में विभिन्न खेल मुकाबले और तिरंगा रैली का आयोजन किया गया, जिनमें बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग के गतिविधि प्रमुख विजय कुमार और परवेज मलिक ने की, जबकि जिला युवा सेवा और खेल अधिकारी मोहम्मद कासिम इसके मुख्य अतिथि रहे।

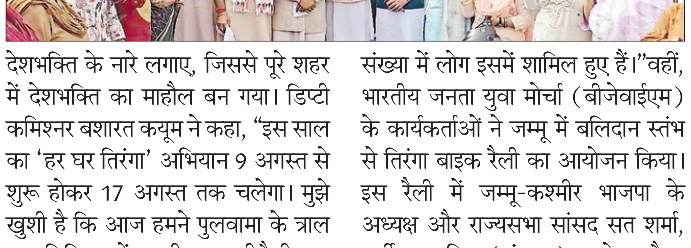

दृष्टिपात

कुछ लोगों ने जेन-जी को गुमराह करने की कोशिश की : धर्मेंद्र प्रधान

भुवनेश्वर। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि नीट पेपर लीक मुद्दे पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने जेन-जी को गुमराह करने की कोशिश की। शनिवार को संबलपुर के गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा था, "मेरा मानना है कि कुछ लोगों ने हमारे जेन-जी को गुमराह करने की कोशिश की।"धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि मंत्री के तौर पर उनके लिए यह प्रतिष्ठा का सवाल नहीं था। उन्होंने कहा कि देश के करीब 20 करोड़ जेन-जी ही वो ताकत हैं जो भारत को 'विश्वगुरु' बनाने में मदद करेंगे।उन्होंने कहा, "अगर 20 करोड़ युवा एकजुट होकर दृढ़ निश्चय कर लें, तो उनके सामूहिक संकल्प के सामने मेरी भूमिका बहुत छोटी हो जाती है।"धर्मेंद्र प्रधान ने बताया कि उन्होंने यही बात प्रधानमंत्री को भी बताई थी।

पूर्णिया में एक-दूसरे को बचाने की कोशिश में 3 सगे भाइयों की जलाशय में डूबने से मौत

पटना। बिहार के पूर्णिया जिले के आलम नगर में रविवार को तीन सगे भाई जलाशय में डूब गए। मृतकों की पहचान मोफिजुल (12), तफिजुल (10) और सैराजुल (8) के रूप में हुई है। यह घटना सुबह कस्बा ब्लॉक के अंतर्गत कुल्लाखास पंचायत के वार्ड नंबर 7 में हुई। एक अधिकारी के अनुसार आलमगीर के चार बेटे अपने घर के पास एक गोदाम के पीछे बने जलाशय में जाल से मछली पकड़ने गए थे। मछली पकड़ने के दौरान भाइयों में से एक डूबने लगा। उसे बचाने की कोशिश में उसके दो अन्य भाई गहरे पाने में उतर गए और डूबने लगे। चौथे भाई अली हुसैन ने गांव वापस जाकर अपने परिवार को इसकी सूचना दी। रिश्तेदार और स्थानीय निवासी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद तीनों बच्चों को पानी से निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। इन मौतों से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिवार बुरी तरह टूट गया।

दिल्ली की गर्मी से बचने शिमला पहुंचे पर्यटक, सुहावने मौसम का ले रहे आनंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में इन दिनों पर्यटकों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिल रही है। सुहावना मौसम, ठंडी हवाएं और खूबसूरत पहाड़ पर्यटकों को खूब आकर्षित कर रहे हैं। गर्मी से राहत पाने के लिए वीकेंड पर पर्यटक शिमला पहुंच रहे हैं। दिल्ली से परिवार के साथ शिमला पहुंचे एक पर्यटक ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि वह मूल रूप से राजस्थान से हैं, लेकिन इस समय दिल्ली में रह रहे हैं। वीकेंड मिलते ही उन्होंने परिवार और बच्चों के साथ शिमला घूमने का प्लान बनाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में इन दिनों काफी गर्मी है, ऐसे में शिमला आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यहां का मौसम बेहद सुहावना है और पूरा परिवार घूमने का आनंद ले रहा है। उन्होंने कहा कि शहर में सुविधाओं में सुधार हुआ है और विकास कार्य भी नजर आ रहे हैं। मौसम की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि शिमला का खुशनुमा वातावरण ही सबसे बड़ी खासियत है। उन्होंने बताया कि नौकरी और बच्चों की पढ़ाई के कारण अक्सर लंबी छुट्टी निकालना मुश्किल होता है।

ममता के काफिले पर पथराव, पूर्व सीएम का आरोप- पुलिस के सामने हुआ सब कुछ

बैरकपुर। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हलीशहर में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के काफिले को विरोध का सामना करना पड़ा। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने उनके काफिले को रोककर उनकी गाड़ी पर कीचड़, पानी की बोतलें और जूते-चप्पल फेंके। ममता बनर्जी ने दावा किया कि पुलिस की मौजूदगी में यह सब हुआ है। ममता बनर्जी एक दिवंगत टीएमसी कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रही थीं। इसी दौरान हलीशहर में पहले से मौजूद प्रदर्शनकारियों ने उनके काफिले को रोक दिया। देखते ही देखते प्रदर्शन उग्र हो गया और भीड़ ने उनकी गाड़ी को चारों ओर से घेर लिया। प्रदर्शनकारियों ने ममता बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी भी की। घटना के बाद ममता बनर्जी ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि असामाजिक तत्वों ने पुलिस के सामने ही मेरी कार पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके। गाड़ी पर हमला इतना जबरदस्त था कि अगर खिड़कियां खुली होतीं तो मेरा सिर फट जाता। हम सब मारे जा सकते थे।

काकोरी डकैती नहीं, देश की आजादी के लिए क्रांतिकारियों का 'ट्रेन एक्शन' था : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 'काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह' का शुभारंभ करते हुए कहा कि काकोरी की घटना को डकैती कहना क्रांतिकारियों के बलिदान और उनके उद्देश्य को कमतर आंकना है। उन्होंने कहा कि क्रांतिकारियों का एक ही लक्ष्य था भारत को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराना। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अंग्रेजों ने काकोरी ट्रेन एक्शन को 'डकैती' कहा, लेकिन दुर्भाग्य से स्वतंत्र भारत में सत्ता में आए लोगों ने भी लंबे समय तक इसे 'काकोरी डकैती कांड' कहकर क्रांतिकारियों को सम्मान देने के बजाय अपमानित करने का काम किया। काकोरी और चौरी चौरा जैसी घटनाओं को भी इतिहास में उचित स्थान नहीं दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आजादी किसी एक व्यक्ति या एक विचारधारा के प्रयासों का परिणाम नहीं थी। लाखों लोगों ने अलग-अलग मोर्चों पर संघर्ष किया और अनेक क्रांतिकारियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। इन बलिदानों को भुलाना देश की युवा पीढ़ी को उसके प्रेरणास्त्रोतों से दूर करने जैसा है।

अगर अमेरिका भरोसा बनाए तो ईरान शांति का रास्ता अपनाएगा : ईरानी राष्ट्रपति

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि तेहरान अमेरिका के साथ हाल ही में हस्ताक्षर किए गए ज्ञापन समझौते (एमओयू) के तहत शांति के रास्ते पर चलता रहेगा, बशर्ते वाशिंगटन भरोसे का माहौल बनाने में मदद करे। पेजेश्कियन ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ईरान एमओयू के पैराग्राफ के आधार पर शांति के रास्ते पर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है। ईरानी राष्ट्रपति ने कहा, "अब समझौते पर पहुंचने का सबसे अच्छा समय है, क्योंकि देश में एकजुटता, ताकत और एकता है।" उन्होंने कहा, "हम दृढ़ हैं कि समझौता ज्ञापन को आधार बनाकर आगे बढ़ें, बशर्ते अमेरिका उस अविश्वास के माहौल को खत्म करे जिसे उसने बनाया है और विश्वास का माहौल बने।" उन्होंने कहा कि ईरान अपनी प्रतिबद्धताओं को अमेरिका के अनुपालन के स्तर के अनुरूप रखेगा। उन्होंने आगे कहा कि अगर दूसरा पक्ष बल का सहारा लेना चाहता है तो ईरान उसे स्वीकार नहीं करेगा। ईरान की कार्रवाई का अंतिम आधार सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के फैसले होंगे।

यूक्रेन ने इंटरसेप्टर मिसाइलों के लिए अमेरिका के साथ समझौता किया : जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन ने पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम के लिए इंटरसेप्टर मिसाइलों की हर महीने सप्लाई को लेकर अमेरिका के साथ एक समझौता किया है। हालांकि, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की का हवाला देते हुए उक्रिनफॉर्म समाचार एजेंसी ने शनिवार को बताया कि यह सप्लाई अभी भी अपर्याप्त है। बेलग्रेड में पत्रकारों से बात करते हुए जेलेंस्की ने पुष्टि की कि वाशिंगटन यूक्रेन को हर महीने इंटरसेप्टर मिसाइलें देगा। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह मात्रा देश की हवाई सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए काफी नहीं है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जेलेंस्की ने कहा कि 2026 में यूक्रेन को मिलने वाली इंटरसेप्टर मिसाइलों की संख्या 2025 की तुलना में कम होगी। हालांकि, उन्होंने कोई सटीक आंकड़ा नहीं बताया। इससे पहले की रिपोर्टों के अनुसार, यूक्रेन की राजधानी कीव में नाटो नेताओं के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जेलेंस्की ने कहा था कि सहयोगियों से मिलने वाली मिसाइल इंटरसेप्टर की वास्तविक डिलीवरी में कमी आई है।

भारत ने रोमांचक अंदाज में जीता वार्म-अप मैच

एजेंसी। कोलंबो

9वें नंबर पर उतरे मोहम्मद सिराज ने अंतिम ओवरों में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए भारत को श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय वार्म-अप मैच में 6 विकेट से रोमांचक जीत दिलाई।

नॉनडिस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका क्रिकेट इलेवन ने अपनी पहली पारी 363/8 के स्कोर पर घोषित की। इस पारी में निशान मदुष्का ने रविंदु रसनथा के साथ पहले विकेट के लिए 110 रन जोड़े। मदुष्का 12 बाउंड्री के साथ 66 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद रसनथा ने पसिंदु सूरियाबंदारा के साथ दूसरे विकेट के लिए 61 रन जोड़े।

इस पारी में सूरियाबंदारा ने 71 रन टीम के खाते में जोड़े, जबकि कप्तान सोनल दिनुशा ने 52 रन जुटाए। भारत की तरफ से रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और मानव सुथार ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। एक विकेट गुरनूर बरार के हाथ लगा।

इसके जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी 357/6 के स्कोर पर घोषित की। इस पारी में देवदत्त पड्डिकल ने कप्तान केएल राहुल के साथ दूसरे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी की। पड्डिकल 18 चौकों के साथ 142 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि केएल राहुल ने 40 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। मानव सुथार ने 41 रन बनाए। विपक्षी खेमे से रमेश मेंडिस और असंका मनोज ने 2-2 विकेट निकाले।

श्रीलंकाई टीम ने दूसरी पारी 200/6 के स्कोर पर घोषित की। टीम ने 51 रन तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद निशान मदुष्का ने पवन रत्नायके के साथ तीसरे विकेट के लिए 51 रन जोड़कर टीम को संभाला। इस पारी में निशान मदुष्का 63 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए, जबकि निपुण धनंजय ने 46 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। अंजला बंडारा ने 35 रन बनाए। भारत के लिए गुरनूर बरार और रवींद्र जडेजा ने 2-2 विकेट हासिल किए।

भारत को जीत के लिए 207 रन की दरकार थी। दूसरी पारी में भारत ने तेज शुरुआत की। शुभमन गिल ने यशस्वी जायसवाल के साथ 20.1 ओवरों में 105 रन जुटाए। गिल 7 चौकों के साथ 44 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जायसवाल 46 गेंदों में 11 बाउंड्री के साथ 61 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए।

भारत जीत की ओर बढ़ता नजर आ रहा था, लेकिन बाद में रनों की रफ्तार काफी धीमी हो गई। इस दौरान पंत ने 28 रन, जबकि रवींद्र जडेजा ने 22 रन (रिटायर्ड हर्ट) बनाए।

अंतिम ओवर में सिराज ने लगाई 'छक्कों की हैट्रिक'

शाहनवाज ने लंबी कूद स्पर्धा में जीता कांस्य, रचा इतिहास

एजेंसी। यूजीन

भारत के शाहनवाज खान ने विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 की पुरुष लंबी कूद स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

यह इस चैंपियनशिप में भारत का तीसरा पदक है। इससे पहले आशीष यादव ने भाला फेंक में और बसंत कुमार मेघवाल ने ऊंची कूद में रजत पदक जीता था। शाहनवाज ने फाइनल में 7.84 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। वह विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में लंबी कूद में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बन गए हैं। इससे पहले शाइली सिंह ने 2021 में महिलाओं की लंबी कूद में रजत पदक जीता था।

हालांकि, शाहनवाज के लिए यह पदक कुछ मायनों में निराशाजनक भी रहा होगा, क्योंकि उनकी सर्वश्रेष्ठ छलांग उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.30 मीटर से काफी कम रही।

दूसरे भारतीय फाइनलिस्ट आर.सी. जितिन अर्जुनन भी अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 8.12 मीटर के करीब नहीं पहुंच सके। उन्होंने 7.59 मीटर की छलांग के साथ आठवां स्थान हासिल किया।

इटली के डेनियल लियोनार्डो इंजोली ने 7.97 मीटर की छलांग के साथ स्वर्ण पदक जीता। ऑस्ट्रेलिया के मेसन मैकग्रोडर ने 7.96 मीटर की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ रजत पदक हासिल किया।

ओपनर एमिलियो के फिट होने की उम्मीद

लंदन। पाकिस्तान के खिलाफ 19 अगस्त से शुरू होने जा रही टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड के लिए अच्छी खबर है। ओपनर एमिलियो गे इस मैच से पहले अपनी फिटनेस वापस हासिल कर सकते हैं। एमिलियो शुक्रवार को मिडलसेक्स के खिलाफ डरहम के लिए खेलते हुए अपना कंधा चोटिल करवा बैठे थे। एमिलियो ने इसी साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ डेब्यू किया था। उन्होंने टेस्ट करियर की 6 पारियों में 23.16 की औसत के साथ 139 रन बनाए, जिसमें 2 अर्धशतक भी शामिल हैं। बेन डकेट के साथ उनकी साझेदारी ने टीम मैनेजमेंट को प्रभावित किया है। जैक क्रॉली खराब प्रदर्शन के कारण टीम से हटाए गए हैं, जिसके बाद मैनेजमेंट एमिलियो को मौके देने का इच्छुक है। 'डेली मेल स्पोर्ट' के अनुसार, शनिवार को हुए एमिलियो के स्कैन में कोई गंभीर चोट नहीं पाई गई, जिससे गे बेन डकेट के साथ अपनी ओपनिंग साझेदारी जारी रख सकेंगे। इंग्लिश टीम पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच के साथ एक नए दौर की शुरुआत करने जा रही है।

भारत का श्रीलंका दौरा : शुभमन गिल ने नेट्स पर की वापसी

एजेंसी। कोलंबो

भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने रविवार को श्रीलंका क्रिकेट XI के खिलाफ एकमात्र अभ्यास मैच से बाहर रहने के बाद नेट्स पर वापसी की। कोलंबो के एनसीसी मैदान पर खेले जा रहे अभ्यास मैच के तीसरे और अंतिम दिन गिल को साइड नेट्स में बल्लेबाजी करते देखा गया। गिल अभ्यास मैच से पहले दाएं हाथ की अनामिका उंगली में चोट लगने के कारण मुकाबले से बाहर हो गए थे। अभ्यास के दौरान बल्लेबाजी करते समय उनकी उंगली पर गेंद लगी थी। टॉस के समय केएल राहुल को भारतीय टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। इसके बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बताया था कि गिल अभ्यास मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे।

बीसीसीआई ने बयान में कहा था, "कप्तान शुभमन गिल को गुरुवार को भारत के अभ्यास सत्र के दौरान दाएं हाथ की अनामिका उंगली में चोट लगी। एहतियाती कदम के तौर पर वह श्रीलंका क्रिकेट XI के खिलाफ अभ्यास मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे।"हालांकि, मैच के दूसरे दिन भारतीय टीम की बल्लेबाजी के दौरान भी गिल बल्लेबाजी करने नहीं उतरे। उनकी नियमित बल्लेबाजी क्रम की चौथी पारी पर रविंद्र जडेजा बल्लेबाजी करने आए।

गिल का नेट्स पर लौटना भारत के लिए राहत की खबर है क्योंकि भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगी। इसके बाद दूसरा टेस्ट कोलंबो के एसएससी स्टेडियम में खेला जाएगा।

अगर कॉल आती है तो क्यों मना करूंगा': भुवनेश्वर कुमार

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने बड़ा बयान दिया है। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद कई पूर्व क्रिकेटरों ने उन्हें 2027 वनडे वर्ल्ड कप की टीम में शामिल करने की पैरवी की है। अब भुवनेश्वर ने खुद इस पूरे मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बातचीत में भुवनेश्वर ने साफ किया कि फिलहाल उनका पूरा ध्यान क्रिकेट खेलने और अपनी टीम के लिए योगदान देने पर है। उन्होंने कहा कि वह किसी चयन की उम्मीद में नहीं खेल रहे हैं, बल्कि इसलिए खेल रहे हैं क्योंकि उन्हें क्रिकेट से प्यार है।

भुवनेश्वर कुमार ने भारत में वापसी की चर्चाओं और पूर्व क्रिकेटरों के बयानों पर कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं इस बात का जवाब नहीं दे सकता कि मैं कितना तैयार हूं। मेरा काम क्रिकेट खेलना है। मैं यूपी T20 खेलने इसलिए आया हूं क्योंकि मुझे क्रिकेट खेलना पसंद है, न कि इसलिए कि मुझे किसी और स्तर तक पहुंचना है या कहीं और जाना है।'

हॉकी झारखंड सब जूनियर और जूनियर पुरुष हॉकी टीम टाटा रवाना

नवीन मेल संवाददाता

रांची। 10 से 14 अगस्त 2026 तक जमशेदपुर पूर्वी सिंहभूम में आयोजित नवल टाटा हॉकी झारखंड सब जूनियर एवं गुरु जूनियर पुरुष राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता 2026 में भाग लेने के लिए आज 20 सदस्य हॉकी सिमडेगा सब जूनियर पुरुष टीम टाटा रवाना हुई। जिला खेल पदाधिकारी श्री मनोज कुमार, हॉकी सिमडेगा के अध्यक्ष सुनील तिर्की,पैंक्रासियुस टोप्पो, कमलेश्वर मांझी एलशन कीड़ों, सहित हॉकी सिमडेगा के समस्त पदाधिकारी ने टीम को जीत की शुभकामनाएं दिया। यह है कि 5 अगस्त को सेंट्रल के माध्यम से 25-25 खिलाड़ियों का चयन किया गया था उनका कल तक लगातार विशेष प्रशिक्षण आयोजन करने के उपरांत 18 सदस्य जिला टीम का गठन कर जमशेदपुर भेजा गया है। जूनियर वर्ग की टीम 11 अगस्त को जमशेदपुर के लिए रवाना होगी

सब जूनियर टीम

दीपक लाकरा, तेनी अतुल टोप्पो, सेमुएल मिन्ज, डेनियल डोडराय, नाजटिल शानी लाकरा, प्रदीप बागे, अनुराग सुरिन, सुमित उरांव, गुलशन होरो, सुमित किंडो, अनुपम हेमरोम, अर्पण बारा, निशांत सुरिन, अमुज तिग्गा, बिपुल लाकरा, अल्बर्ट सोरेंग, सुमन सोरेंग, सिकंदर मिन्ज, कोच रोहित बेसरा ,मैनेजर- फ्लेबियस तिर्की।

महिला वर्ग ने खेला मैत्री हॉकी मैच

नवीन मेल संवाददाता

रांची। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम मोराबादी में हॉकी झारखंड के द्वारा महिला वर्ग मैत्री हॉकी मैच का आयोजन मोराबादी एकादश और बरियातू एकादश के बीच खेला गया । जो काफी रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहा ,मैदानी खेल में दोनों ही टीम 03-03 गोल की बराबरी पर रहे, तत्पश्चात निर्णय ट्राइब्रेकर मैं गया जिसमे मोराबादी एकादश की टीम 3-2 से विजयी रही। उपस्थित सभी खिलाडीयों को मिठाई देकर बधाई दिया गया। आज के मैत्री मैच में मुख्यरूप से हॉकी झारखंड के महानिदेशक विजय शंकर सिंह,महासचिव मनोज कोनबेगी, हॉकी कोच करुणा पूर्ति, राष्ट्रीय अंपायर मनोज प्रधान, हॉकी रांची के कोषाध्यक्ष प्रमोद केरकेट्टा, हॉकी कोच विकास पंत, दिव्या डुंगडुंग, राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी जोसेफ टोपनो सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस

मोराबादी एकादश की टीम 3-2 से विजयी रही

रांची जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया अपना दमखम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची जिला एथलेटिक्स संघ के तत्वावधान में हटवार स्थित रांची प्रैक्टिस ग्राउंड में एकदिवसीय जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के सैकड़ों खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। खिलाड़ियों ने 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 1500 मीटर, लॉन्ग जंप और जेवलिन थ्रो सहित विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

यू-18 बालक 100 मीटर में प्रिंस कुमार 11.48 सेकंड के समय के साथ प्रथम, रिशिल राज 11.72 सेकंड के साथ द्वितीय और मयंक कुमार 12.46 सेकंड के साथ तृतीय रहे। यू-20 बालक 100 मीटर में के.आर. पल्लव ने 11.38 सेकंड में पहला स्थान हासिल किया। उवराज राजक 11.64 सेकंड के साथ दूसरे और अमन लकड़ा 11.99 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

यू-18 बालक 400 मीटर में शैलेश कच्छप ने 56.53 सेकंड में स्वर्ण स्थान हासिल किया। बसंत महतो दूसरे और अंकित जायसवाल तीसरे स्थान पर रहे। यू-18 बालक 1500 मीटर में चिरंजीत 4:46.74 मिनट के साथ प्रथम, अंकित जायसवाल 5:09.44 मिनट के साथ द्वितीय और हर्षित कुमार महतो 5:46.78 मिनट के साथ तृतीय रहे।

यू-20 बालक 1500 मीटर में अमित कुमार महतो ने 4:36.79 मिनट के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। विकास कुमार यादव दूसरे और रोहित प्रसाद तीसरे स्थान पर रहे। वहीं यू-20 बालक 200 मीटर में साहिल मिश्रा 23.28 सेकंड के साथ प्रथम, अंकित जायसवाल 23.42 सेकंड के साथ द्वितीय और निशांत एक्का 25.46 सेकंड के साथ तृतीय रहे।

झारखंड पेंचक सिलाट एसोसिएशन का एजीएम एवं नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड पेंचक सिलाट एसोसिएशन का वार्षिक आमसभा एवं नई कार्यकारिणी का गठन आज होटल मंत्री रेसिडेंसी, रातू में किया गया। बैठक में झारखण्ड के विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का चयन किया।

बैठक में संगठन के सुचारू संचालन, पेंचक सिलाट खेल के विकास तथा राज्य के सभी जिलों में खेल को बढ़ावा देने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित सभी जिला प्रतिनिधियों की सर्वसम्मति से निम्न पदाधिकारियों का चयन किया गया

अध्यक्ष: श्री किशोर मंत्री

कार्यकारी अध्यक्ष: श्री गुलाम अब्दुल कादिर

महासचिव: डौली कुमारी सिंह

कोषाध्यक्ष: श्री दीपक वेसेंट कच्छप

उपाध्यक्ष: श्रीमती किरण देवी

सह सचिव: शबनम मिंज

नई कार्यकारिणी ने पेंचक सिलाट को झारखण्ड के प्रत्येक जिले में और अधिक मजबूत एवं लोकप्रिय बनाने, खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने तथा राज्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। बैठक में उपस्थित जिला प्रतिनिधियों ने नवगठित कार्यकारिणी को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि नई टीम के नेतृत्व में झारखण्ड में पेंचक सिलाट खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा। झारखंड पेंचक सिलाट एसोसिएशन ने सभी जिला प्रतिनिधियों, खिलाड़ियों एवं खेलप्रेमियों का आभार व्यक्त किया और संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए सभी से सहयोग की अपील की।

व्यापार/लाइफ व साइंस

भारतीय कार इंडस्ट्री का आकार वित्त वर्ष 2031 तक 63 लाख यूनिट्स तक पहुंचने की उम्मीद : आरसी भार्गव

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय कार इंडस्ट्री का आकार वित्त वर्ष 2030-31 तक बढ़कर 61 से 63 लाख यूनिट्स तक पहुंच सकता है। इस दौरान छोटी गाड़ियों की बाजार हिस्सेदारी बीते पांच वर्षों में हुई वृद्धि के मुकाबले तेजी से बढ़ेगी। यह बयान मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन आरसी भार्गव ने रविवार को दिया।

भार्गव ने कहा कि जीएसटी सुधारों ने न सिर्फ ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को, बल्कि अर्थव्यवस्था के कई सेक्टर को भी नई रफ्तार दी है और "हम अगले पांच सालों में कार मार्केट की संभावित ग्रोथ का जितना हो सके, उतना सटीक अनुमान लगाने की प्रक्रिया में हैं।" मारुति सुजुकी इंडिया ने अपनी 'एनुअल इंटीग्रेटेड रिपोर्ट 2025-26' जारी की है। इसमें बताया गया है कि कैसे छोटी कारों के सेगमेंट में वापसी, कंपनी के एसयूवी पोर्टफोलियो का मजबूत होना, मल्टी-पावरट्रेन स्ट्रैटेजी, क्षमता बढ़ाने पर फोकस और जबरदस्त निर्यात प्रदर्शन ने ग्रोथ के लिए नई रफ्तार पैदा की है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 24.22 लाख गाड़ियों की अब तक की सबसे ज्यादा सालाना बिक्री और 4.47 लाख गाड़ियों के निर्यात का रिकॉर्ड बनाया। भार्गव के बयान के अनुसार, लगातार तीसरे साल 20 लाख गाड़ियों की बिक्री का आंकड़ा छूने के बाद, उम्मीद से पहले ही गाड़ियों की बिक्री का अगला दस लाख का माइलस्टोन हासिल करने को लेकर आशावादी है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, हिसाशी ताकेउची ने कहा, "हमने अपनी क्षमता बढ़ाने की योजनाओं में तेजी लाई। वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान, हमने 5,00,000 यूनिट की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता जोड़ी।"

एयर इंडिया फुकेत-दिल्ली टर्बुलेंस मामले में क्रू मेंबर्स को रोस्टर से हटाया : केंद्र

नई दिल्ली। नागर विमानन मंत्रालय ने रविवार को कहा कि अचानक ऊंचाई में गिरावट का शिकार हुई एयर इंडिया फुकेत-दिल्ली उड़ान के मुख्य पायलट की ड्रग टेस्ट की अंतिम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। साथ ही, जांच पूरी होने तक दोनों क्रू (मुख्य पायलट और फर्स्ट ऑफिसर) को रोस्टर से हटा दिया गया है। 4 अगस्त को फुकेत से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई2379 (ए320 विमान वीटी-ईएक्सओ) ने क्रूज चरण के दौरान लगभग 300 फीट की अचानक ऊंचाई खो दी थी। बाद में विमान स्थिर हो गया और सुरक्षित रूप से दिल्ली में उतरा।

इस घटना में कुछ यात्रियों और केबिन क्रू सदस्यों को चोटें आईं। विमान में 137 यात्री और आठ क्रू सदस्य (जिनमें दो पायलट और छह केबिन क्रू सदस्य शामिल थे) सवार थे। मंत्रालय ने कहा कि ऐसी घटना के बाद अपनाई जाने वाली स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के तहत, दोनों फ्लाइट क्रू सदस्यों का तय साइकोएक्टिव सब्सटेंस स्क्रीनिंग टेस्ट किया गया।

4 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.43 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल छह कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आ गई, जबकि चार कंपनियों के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई। देश में मार्केट कैप के मामले में शीर्ष स्थान पर मौजूद इन दस कंपनियों में से चार के मार्केट कैप में सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद 1.43 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को हुआ।

श्रावणी मेला को लेकर डीडीयू-गया के बीच अनारक्षित स्पेशल ट्रेन का परिचालन 17 तक

- यह ट्रेन गया से शाम में पांच बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए 01:10 बजे जसीडीह एवं 02:20 बजे मधुपुर पहुंचती है

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज (पलामू)। श्रावणी मेला को श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर पूर्व मध्य रेल द्वारा ट्रेन संख्या 03656/03655 डीडीयू-गया अनारक्षित श्रावणी मेला स्पेशल का परिचालन 8 अगस्त से 17 अगस्त तक प्रतिदिन किया जा रहा है। यह ट्रेन सासाराम–डेहरी ऑन सोन–अनुग्रह नारायण रोड के रास्ते डीडीयू और गया के बीच परिचालित हो रही है। इस स्पेशल ट्रेन के परिचालन से डीडीयू, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से गया जाने वाले श्रद्धालुओं को गया में ट्रेन संख्या 03654 गया–मधुपुर श्रावणी मेला स्पेशल के माध्यम से जसीडीह तक की आगे की यात्रा के लिए कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। प्रतिदिन यह स्पेशल ट्रेन डीडीयू से 9 130 बजे खुलकर 10 120 बजे भभुआ रोड, 11 102 बजे सासाराम, 11 128 बजे डेहरी ऑन सोन, 11 150 बजे अनुग्रह नारायण रोड सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए 14 105 बजे गया पहुंचेगी। गया से आगे की यात्रा के लिए ट्रेन संख्या 03654 गया-मधुपुर श्रावणी मेला स्पेशल का परिचालन तिलैया, नवादा, शेखपुरा, किउल और जसीडीह के रास्ते किया जा रहा है। यह ट्रेन गया से 17 100 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए 01 110 बजे जसीडीह एवं 02 120 बजे मधुपुर पहुंचती है। इस प्रकार, 03656 से 14 105 बजे गया पहुंचने वाले यात्रियों को 17 100 बजे गया से प्रस्थान करने वाली 03654 ट्रेन द्वारा आगे की यात्रा के लिए 2 घंटे 55 मिनट का अंतराल उपलब्ध रहेगा। वापसी में ट्रेन संख्या 03653 मधुपुर-गया श्रावणी मेला स्पेशल मधुपुर से 02 150 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए 12 100 बजे गया पहुंचेगी। इसके बाद ट्रेन संख्या 03655 गया–डीडीयू श्रावणी मेला स्पेशल गया से 15 100 बजे खुलकर 16 112 बजे अनुग्रह नारायण रोड, 16 134 बजे डेहरी ऑन सोन, 16 156 बजे सासाराम, 17 138 बजे भभुआ रोड सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए 18 150 बजे डीडीयू पहुंचेगी। इस प्रकार, मधुपुर से 03653 द्वारा 12 100 बजे गया पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को 15 100 बजे गया से प्रस्थान करने वाली 03655 डीडीयू श्रावणी मेला स्पेशल से डीडीयू एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों की ओर आगे की यात्रा के लिए 3 घंटे का अंतराल उपलब्ध रहेगा।

दस्त और उल्टी के बाद बिगड़ी तबीयत, रांची ले जाने के दौरान रास्ते में मौत

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत पुरंदर बिगहा निवासी गोविंद सिंह यादव उर्फ सिद्धि यादव(59 वर्ष)का आज अचानक निधन हो गया। बताया गया कि उन्हें दस्त और उल्टी की शिकायत हुई थी। तबीयत बिगड़ने पर परिजन बेहतर इलाज के लिए रांची ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने अंतिम सांस ली। सिद्धि हार्वे हाई स्कूल से वर्ष 1983 में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण किए थे। बताया जाता है कि अचानक हुई मौत से परिजनों और शुभचिंतकों में शोक की लहर है। परिजनों ने सभी मित्रों एवं शुभचिंतकों से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना करने की अपील की है। लोगों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की कामना की।

हैदरनगर के रेल फाटक पर जाम बना काल

धूप में तड़पे लोग, 4 साल से ओवरब्रिज की मांग पर अब तक पसरा है सन्नाटा

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। पलामू जिले का बीडी रेलखंड अंतर्गत हैदरनगर में रेलवे फाटक संख्या 50 बी / टी पर रविवार को एक बार फिर आम जनता के लिए मुसीबत बन गया। लगातार दो गुड्स ट्रेन, अप मेमू और वंदे भारत एक्सप्रेस के गुजरने के कारण यह फाटक करीब 30 मिनट तक बंद रहा। इस दौरान सैकड़ों राहगीर, स्कूली बच्चे, गर्भवती महिलाएं और मरीज तपती धूप में फंसकर बेहाल होते रहे। फाटक के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। एक एंबुलेंस भी करीब 20 मिनट तक जाम में फंसी रही। आधे घंटे बाद जब फाटक खुला तो लोगों ने राहत की सांस ली। यहां जाम में फंसे रोजमर्रा लोग का गुस्सा फूटता रहा है। सुनीता देवी ने बताया कि रेल फाटक के उस पार अस्पताल हदी। उनकी बेटी की तबीयत खराब थी। लेकिन अस्पताल समय से पहुंचना मुश्किल हो गया। यहां के लोगों में रोष इस बात को लेकर है कि सांसद - विधायक के संज्ञान में लगातार आने के बावजूद गंभीरता से नहीं लिया गया। छात्र मो। इरफान, ज्ञानी, कनिष्क आदि ने कहा कि इस गेट के असमय बंद रहने से उन्हें रोज स्कूल पहुंचने में लेट होने टीचर का डांट भी सुनना पड़ता हैं। उन्होंने कहा कि विगत चार साल से सुन रहे हैं कि ओवरब्रिज बनेगा। कागज पर ही बनेगा क्या ? गर्मी में यहां खड़े रहना किसी सजा से कम नहीं है। समाजसेवी प्रेमतोष सिंह, नावाजिश खान, पंचायत समिति सदस्य गुप्तेश्वर पांडेय ने कहा कि इस प्रखंड 12 पंचायतों का लोड इस रेल फाटक पर है। उन्होंने कहा कि वरीय अधिकारियों तक विगत चार साल में 10 बार ज्ञापन दिया। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम और क्षेत्रीय विधायक संजय कुमार सिंह यादव दोनों को इस गंभीर समस्या की जानकारी बखूबी है।

खाद के उठाव से लेकर बिक्री तक उठ रहे सवाल

जबरन प्रति वाहन 200 रुपए वसूली का लगाया आरोप

- पत्र में उर्वरक की कीमत को लेकर भी गंभीर स्थिति का उल्लेख किया गया है

नवीन मेल संवादादाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले में खरीफ फसल के बीच उर्वरक की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था को लेकर पैक्स अध्यक्ष संघ ने सवाल खड़े किए हैं। पलामू जिला पैक्स अध्यक्ष संघ की ओर से जिला सहकारिता पदाधिकारी को पत्र सौंपकर यूरिया एवं डीएपी उर्वरक को पैक्स के गोदाम तक पहुंचाने समेत कई समस्याओं के समाधान की मांग की गई है। संघ ने आरोप लगाया है कि वर्तमान व्यवस्था के कारण पैक्सों और किसानों, दोनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संघ के पत्र के अनुसार, कई पैक्सों के अध्यक्षों को उर्वरक उठाव के बाद उसे पैक्स गोदाम तक पहुंचाने में परेशानी हो रही है। पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि कुछ स्थानों पर प्रबंधक द्वारा यूरिया व डीएपी के साथ नैनो यूरिया, नैनो डीएपी, नैनो जाइम और नैनो जिंक लेने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। संघ का कहना है कि किसान इन उत्पादों को लेने से इनकार कर रहे हैं, जिससे पैक्सों को उर्वरक बिक्री में कठिनाई हो रही है तथा भारी नुक्सान उठाना पड़ रहा है।

पत्र में उर्वरक की कीमत को लेकर भी गंभीर स्थिति का उल्लेख किया गया है। संघ के मुताबिक, वर्तमान में यूरिया की कीमत 250 रूपये प्रति बैग है। इसके अलावा लोडिंग के 10 रूपये और मजदूरी के 50 रूपये जोड़ने पर पैक्स को करीब 310 रूपये प्रति बैग खर्च पड़ रहा है, जबकि सरकारी दर 266 150 रूपये प्रति बैग बताई गई है। संघ ने मांग की है कि यदि उर्वरक पैक्स के गोदाम तक पहुंचा दिया जाए तो किसानों को निर्धारित दर पर खाद उपलब्ध कराना संभव होगा। साथ ही वेयर हाउस पर प्रति वाहन 200 रूपये की अवैध वसूली का आरोप लगाया गया है।संघ ने वेयर हाउस पर पेपर के नाम पर प्रति वाहन 200 रूपये की कथित अवैध वसूली का भी मुद्दा उठाया है। पत्र में इसे अनुचित बताते हुए कार्रवाई की मांग की गई है। इसके अलावा संघ ने धान रोपाई के आच्छादन के आधार पर प्रखंडवार उर्वरक आवंटन करने तथा निजी कंपनियों को भी पैक्सों के माध्यम से खाद उपलब्ध कराने की मांग की है। संघ का कहना है कि वर्तमान में उर्वरक समितियों को मुख्य रूप से इफको के माध्यम से खाद उपलब्ध कराई जा रही है।

5 साल बाद भी धरातल पर नहीं उतरा प्रस्तावित स्टेडियम

मोहम्मदगंज। सिंचाई विभाग मैदान में प्रस्तावित स्टेडियम निर्माण कार्य 5 साल बाद भी धरातल पर नहीं उतर सका है। जबकि बताया जाता है कि 5 मार्च 2022 को इसका प्रस्ताव सरकार के संयुक्त सचिव पर्यटन, कला-संस्कृति,खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग को भेजा गया था। जिसमें इस मैदान पर स्टेडियम निर्माण के लिए प्रस्ताव भूमि विवरण का उल्लेख करते हुए इसके खाता संख्या 520 और प्लॉट संख्या 1286 में कुल रकबा 2 163 एकड़ की उपलब्ध होने की जानकारी दी गई थी।बताया गया है। इसके बावजूद स्टेडियम निर्माण की उम्मीद पूरी नहीं हुई है। लोगों का कहना है कि इस खेल मैदान की खेल गतिविधि को लेकर जिले में अलग पहचान है। जहां खासकर, फुटबॉल की अंतर्राज्यीय स्तरीय टूर्नामेंट आयोजित होता आया है। कई युवाओं ने इसमें दौड़ और शारीरिक अभ्यास कर सेना और पुलिस की नौकरी प्राप्त की है। इसके लिए आज भी युवा इस मैदान पर दौड़ लगाते और शारीरिक अभ्यास करते नजर आते हैं।

गड्ढों के कारण सड़क बना तालाब

युवाओं ने धान रोपकर जताया आक्रोश

नवीन मेल संवाददाता

पलामू। जिला मुख्यायल मेदिनीनगर के अति व्यस्ततम चौक चौराहों में से एक बैरिया चौक सड़क इन दिनों गड्ढे में तब्दील हो गई है। इन गड्ढे में पानी जमने से हर दिन हादसे से हो रहे हैं। लगातार परेशानी देखकर बड़ी संख्या में युवाओं ने रविवार को सड़क पर धान रोपनी कर आक्रोश जताया। साथ ही मौके पर धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी। धान रोपाई कर रहे लोगों ने कहा कि सड़क की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि बारिश के बाद गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क और खेत में अंतर करना मुश्किल हो गया है। राहगीरों और वाहन चालकों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है। बैरिया चौक से होकर गुजरने वाली यह सड़क जिले के कई महत्वपूर्ण इलाकों को जोड़ती है। यह मार्ग हुसैनाबाद, छतरपुर, पड़वा, पाटन, विश्रामपुर और हरिहरगंज सहित कई क्षेत्रों के आवागमन का प्रमुख जरिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की मरम्मत को लेकर लंबे समय से मांग की जाती रही है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। बारिश में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। सड़क पर बने गड्ढों में पानी भरने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। लोगों ने कहा कि जब सड़क पर वाहन चलाना मुश्किल हो गया है तो विवश होकर उन्हें सड़क को ही 'खेत' बनाकर धान रोपना पड़ रहा है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक की मौत

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के बरवाडीह गांव के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले में दंगवार निवासी मृतक के भाई जितेंद्र कुमार सोनी ने हुसैनाबाद थाना में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, जितेंद्र कुमार सोनी ने बताया कि उनके बड़े भाई महावीर सोनी (करीब 37 वर्ष) 28 जुलाई 2026 की शाम करीब 7:30 बजे जपला से मोटरसाइकिल से अपने गांव दंगवार लौट रहे थे। बरवाडीह पहुंचने के बाद मोटरसाइकिल में तेल खत्म हो गया। इसके बाद वह बाइक खड़ी कर तेल लेने पैदल दंगवार की ओर जाने लगे। इसी दौरान पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में महावीर सोनी सड़क किनारे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

पेज एक के शेष

00 धरती पर आदिवासी...

उन्होंने कहा, हमारे लिए राज्यपाल महोदय केवल राज्य के राज्यपाल ही नहीं, बल्कि आदिवासी समुदाय के मार्गदर्शक और सर्वमान्य नेतृत्वकर्ता के रूप में हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में ट्राइबल एडवाइजरी काउंसिल (टीएसी) राज्यपाल की छत्रछाया और मार्गदर्शन में कार्य करती है। टीएसी के माध्यम से आदिवासी समुदाय के हितों की रक्षा, उनके समग्र विकास और कल्याण से जुड़े विषयों पर चर्चा की जाती है। साथ ही, आदिवासी समाज के विकास के साथ-साथ पूरे समाज की प्रगति और भविष्य की दिशा तय करने में भी टीएसी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि आज के आदिवासी दिवस को पूरे देश और दुनिया में आदिवासी समाज अपने-अपने तरीके से यादगार बनाने में जुटा हुआ है। झारखंड में भी पिछले कुछ वर्षों से इस अवसर पर छोटे-बड़े विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित करके आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली को सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मोरहाबादी के पूरे मैदान में देश और राज्य के विभिन्न हिस्सों में निवास करने वाले आदिवासी समुदायों की विविधता और सांस्कृतिक झलक देखने को मिल रही है। आयोजन स्थल पर पंडाल लगाए गए हैं, जहां हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोग अपनी जीवनशैली, कला, संस्कृति, परंपरा और आजीविका के साधनों को प्रदर्शित कर रहे हैं। यह आयोजन हमें यह भी दिखाता है कि किस तरह आदिवासी समाज अपनी पारंपरिक पहचान को संजोते हुए विकास और बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आयोजन में केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों से भी आदिवासी समुदाय के लोग शामिल हुए हैं। कलाकारों, कारीगरों और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों की सहभागिता ने इस आयोजन को और भी अधिक व्यापक स्वरूप प्रदान किया है। उनके हुनर, परंपरा और अनुभवों के माध्यम से एक मजबूत और बेहतर रास्ते की तलाश में आगे बढ़ते आदिवासी समाज की तस्वीर यहां देखने को मिल रही है। इस अवसर पर राज्य में विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों के माध्यम से आदिवासी समाज की समृद्ध विरासत को सम्मान और सशक्तिकरण का प्रदर्शन हो रहा है।मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि आज राज्य विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मना रहा है। वहीं, हमारे कुछ युवा, नौजवान और छात्र-छात्राएं अपनी कुछ मांगों और अधिकारों को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार खुले मन से उनकी बातें सुन रही है और उनकी समस्याओं को गंभीरता से समझने का प्रयास कर रही है। हर समस्या का समाधान संवाद से संभव है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर ने देश को जो संविधान दिया है, वह देश में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार प्रदान करता है। व्यक्ति अमीर हो या गरीब, संविधान सभी को बराबरी का अधिकार देता है। लेकिन, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजादी के 75 वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद समाज में असमानता पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकी है। आने वाले वर्षों में देश आजादी की शताब्दी की ओर बढ़ेगा, लेकिन आज भी समाज के विभिन्न वर्गों के बीच बड़ी असमानताएं मौजूद हैं। समाज, राज्य और देश में आर्थिक एवं सामाजिक असमानताएं जितनी बढ़ेंगी, तनाव भी उतना ही बढ़ेगा। इसलिए इन असमानताओं को दूर करना और सभी वर्गों को समान अवसर उपलब्ध कराना समय की बड़ी आवश्यकता है।मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज लोकतंत्र की मूल भावना को चुनौती देने के लिए भी एक बड़ा समूह पूरी ताकत और शिद्दत के साथ प्रयासरत है। हालांकि, झारखंड केवल एक राज्य नहीं, बल्कि वीरों की भूमि है। यह वह धरती है, जहां देश के बड़े हिस्से में आजादी का सपना देखने की शुरुआत भी नहीं हुई थी, उस समय से झारखंड के वीर पूर्वज अपने अधिकार, अस्मिता और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करते रहे हैं। संघर्ष की यह परंपरा आज भी जारी है। उन्होंने कहा कि झारखंड को अलग राज्य बने 25 वर्ष हो चुके हैं और इन वर्षों में राज्य ने अपने पैरों पर खड़े होने तथा अपनी अलग पहचान स्थापित करने की दिशा में लगातार प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा भी था, जब झारखंड को केवल संसाधनों के दोहन के लिए एक चारागाह की तरह देखा गया, लेकिन आज जब यह राज्य अपनी ताकत और क्षमता के साथ आगे बढ़ने का प्रयास कर रहा है, तो यह बात कई लोगों को स्वीकार नहीं हो रही है।मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से युवाओं, विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि वे स्वयं को युवाओं से अलग नहीं मानते। आपकी भावनाएं और सभी की चिंताएं उनकी चिंताएं हैं। उन्होंने कहा कि आज संवैधानिक जिम्मेदारी के स्थान पर रहते हुए वे युवाओं को आश्वस्त करना चाहते हैं कि उनके साथ पूरी पारदर्शिता के साथ न्याय होगा और न्याय केवल होगा ही नहीं, बल्कि होता हुआ दिखाई भी देगा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज का यह महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि अपनी गौरवशाली विरासत, संघर्ष और पहचान को याद करने का अवसर है। उन्होंने कामना की कि यह महोत्सव यादगार और प्रेरणादायक बने तथा आदिवासी समाज अपने गौरव और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व है कि वे ऐसे वीर सपूतों के वंशज हैं, जिन्होंने अपने हक-अधिकार और जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष किया। जल, जंगल और जमीन केवल उनके जीवन के संसाधन नहीं, बल्कि उनके जीवन की शुरुआत से लेकर अंत तक उनकी संस्कृति और अस्तित्व से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि आज उन्हें गर्व है कि वे आदिवासी हैं।

मुख्यमंत्री सोरेन ने आदिवासी महोत्सव में सशरीर एवं अन्य माध्यमों से उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार जताया। इससे पूर्व राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने महोत्सव परिसर में लगे प्रदर्शनी का अवलोकन किया। वहीं, सोमवार (10 अगस्त) को शाम 4:30 बजे समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर राज्य के मंत्री राधा कृष्ण किशोर, राज्यसभा सदस्य महुआ माजी, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक अमित महतो, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव वंदना दादेल, अपर मुख्य सचिव नितिन मदन कुलकर्णी एवं अन्य गण्यमान्य अतिथि, राज्य सरकार के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोग उपस्थित थे। झारखंड आदिवासी महोत्सव में झारखंड की आदिवासी संस्कृति, कला, परंपरा और लोक विरासत को सामने रखा गया है। कार्यक्रम में पारंपरिक नृत्य और संगीत के साथ अलग-अलग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। इस बार महोत्सव में 600 से अधिक कलाकारों के शामिल होने की जानकारी सामने आई है। मुंडारी, कुड़ुख, संथाली, हो और खड़िया जनजातियों के कलाकार प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा पंचपरगनिया, कुरमाली, नागपुरी और खोरठा भाषाओं में भी नृत्य और संगीत कार्यक्रम होंगे। महोत्सव में पारंपरिक खान-पान, आदिवासी परिधान और कला-शिल्प से जुड़े स्टॉल भी लगाए गए हैं। आदिवासी साहित्य और पुस्तकों के लिए पुस्तक मेला आयोजित किया गया है। इसके साथ ही फिल्म और वृत्तचित्र की स्क्रीनिंग, फैशन शो और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हो रहे है। रात में ड्रोन शो भी आयोजित किया जाएगा। यह महोत्सव का खास आकर्षण रहेगा।

झारखंड का जनजातीय...

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, बुनियादी सुविधाओं तथा जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने हजारीबाग से 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के शुभारंभ तथा भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू में प्रधानमंत्री के आगमन का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अद्वितीय एवं अविस्मरणीय योगदान दिया है। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, वीर बुधु भगत, सिद्धो-कान्हू, चाँद-भैरव, फूलो-झानो, नीलाम्बर-पीताम्बर, जतरा उराँव सहित असंख्य जननायकों ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को देशभर में 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। राज्यपाल गंगवार ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समाज की भूमिका को सदैव सम्मान के साथ स्मरण किया जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि झारखंड की जनसंख्या में जनजातीय समाज की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि इनकी लोक परंपराएं, कला, संस्कृति एवं जीवन-मूल्य देश की सांस्कृतिक विविधता को समृद्ध करते हैं। राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि झारखंड राज्य संविधान की पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत सम्मिलित है। संविधान ने अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन तथा जनजातीय समुदायों के संरक्षण एवं कल्याण के संबंध में राज्यपाल को विशेष दायित्व सौंपे हैं। उन्होंने कहा कि इन संवैधानिक दायित्वों के निर्वहन के प्रति वे पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं। इससे पूर्व राज्यपाल ने महोत्सव परिसर में लगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

छात्रों को मिलेगा...

तबकों तक सभी के हित सरकार की प्राथमिकताओं में हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों द्वारा उठाए जा रहे अधिकारों और मांगों से जुड़े मामलों को सरकार संवेदनशीलता के साथ देख रही है।परीक्षाओं से जुड़े विवाद की ओर इशारा करते हुए सोरेन ने कहा, 'हमलोगों ने चोरी पकड़ ली है। अब उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई भी शुरू हो गई है।' उन्होंने आंदोलनरत छात्रों को आश्वस्त किया कि उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री ने दोहराया, सरकार मामले की गंभीरता को समझ रही है और युवाओं के भविष्य से जुड़े इस विषय में दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। सीएम सोरेन ने छात्र आंदोलन में राजनीतिक हस्तक्षेप को लेकर विपक्ष को भी आगाह किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को किसी राजनीतिक संरक्षण की आवश्यकता नहीं है और उन्हें अपने अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाने का पूरा अधिकार है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राजनीतिक दल अपने हितों के लिए युवाओं को भ्रमित करने या आंदोलन को राजनीतिक रंग देने का प्रयास कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि देशभर में राजनीतिक दल युवाओं को अपने प्रभाव में लेने की कोशिश करते हैं। ऐसे में छात्रों को किसी के बहकावे में आने के बजाय अपने मुद्दों पर केंद्रित रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि सरकार उनकी बात सुनने और अधिकारों से जुड़े मामलों के समाधान के लिए तैयार है।

सीएम हेमंत सोरेन...

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी इस मामले को लेकर काफी चिंतित हैं और छात्रों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार चर्चा कर रहे हैं। राज्यपाल ने भरोसा जताया कि बातचीत के बाद इस मुद्दे पर किसी समाधान तक पहुंचा जा सकेगा।

राज्यपाल ने कहा कि छात्रों के लिए संवाद के रास्ते खुले हुए हैं। उन्होंने कहा कि आंदोलन कर रहे छात्र जब चाहें, उनसे या मुख्यमंत्री से मुलाकात कर सकते हैं और अपनी समस्याएं सीधे रख सकते हैं। राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से लिया जा रहा है और बातचीत के जरिए समाधान निकालना ही सबसे उचित रास्ता है।

सीएम ने परीक्षा...

मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में दावा किया कि राज्य गठन के बाद पहली बार सरकार ने जेपीएससी और अन्य भर्ती परीक्षाओं की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए नई नियमावली तैयार की है। प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाओं पर रोक लगाने और परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए सख्त कानूनी प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रावधानों को लेकर आलोचनाएं भी हुईं, लेकिन सरकार का मानना है कि ईमानदारी से परीक्षा की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के हितों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि देश के कई राज्यों में परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता से जुड़ी चुनौतियां सामने आ रही हैं। ऐसे में झारखंड का प्रयास केवल समस्याओं पर चर्चा करना नहीं, बल्कि उनके समाधान की दिशा में आगे बढ़ना है। उन्होंने रोजगार और नियुक्ति प्रक्रियाओं में सुधार का भी उल्लेख किया और कहा कि सरकार झारखंडी युवाओं के हितों की रक्षा तथा उनके लिए अवसरों का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है।मुख्यमंत्री के अनुसार, छात्रों से मिले सुझावों का अध्ययन किया जाएगा और विशेषज्ञों के जरिए उनका परीक्षण कराया जाएगा। नियमों और संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप जिन सुझावों को लागू करना संभव होगा, उन्हें तय समय सीमा के भीतर लागू करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि परीक्षा सुधार केवल एक प्रशासनिक विषय नहीं है, बल्कि यह युवाओं के विश्वास, लाखों परिवारों की उम्मीदों और राज्य के भविष्य से जुड़ा मुद्दा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने छात्रों से परीक्षा प्रणाली की कमियों, उनके सामने आई समस्याओं और बेहतर व्यवस्था के सुझाव साझा करने को कहा है। इसके लिए संवाद डॉट झारखंड डॉट जीओवी डॉट इन पोर्टल पर सुझाव दर्ज कराने की अपील की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार परीक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, तकनीक-सक्षम, सुरक्षित और जवाबदेह बनाना चाहती है और इसमें युवाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण होगी।

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा...

वार्ता विफल होने के बाद चार मंत्रियों के समूह ने रविवार की रात सूचना भवन में प्रेस कांफ्रेंस कर छात्रों के रुख पर अफसोस जताया। मंत्रियों के समूह का नेतृत्व कर रहे सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि सरकार ने छात्रों की अधिसंख्य प्रमुख मांगें मान ली हैं। इसके बावजूद छात्रों का आंदोलन जारी रखना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने छात्रों से हठधर्मिता छोड़कर आंदोलन वापस लेने और वार्ता के जरिए समाधान निकालने की अपील की। साथ ही, उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों को समझाएं और उन्हें आंदोलन से दूर रखें। मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि सरकार ने 14वीं जेपीएससी पीटी और सिविल सर्विसेज की बैकलॉग परीक्षाओं को रद्द करने पर अपनी पूरी सहमति दे दी है। इसके अलावा, परीक्षाओं में हुए वित्तीय लेन-देन और वसूली के मामलों की सीआईडी जांच के साथ-साथ अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से भी जांच कराने के लिए सरकार पत्र लिखेगी। विवादित एजेंसी टीडीपीएल द्वारा ली गई अन्य सभी परीक्षाओं की भी व्यापक जांच कराई जाएगी और सबूत मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सीजीएल परीक्षा को रद्द करने की मांग पर मंत्री ने स्थिति साफ की। उन्होंने कहा कि यह परीक्षा सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के दिशानिर्देशों के तहत पूरी हुई है, और इसके आधार पर नियुक्तियां हो चुकी हैं, इसलिए इसे रद्द करना सरकार के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। सरकार ने इस मामले की जांच किसी सेवानिवृत्त जज की निगरानी में कराने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन छात्र इस पर भी तैयार नहीं हुए। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि वह परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए व्यापक स्तर पर कदम उठाएगी। इसमें छात्रों सहित सभी स्टेकहोल्डर्स के सुझाव शामिल किए जाएंगे। इसके लिए सरकार ने पोर्टल लॉन्च किया है। और, इसके लिए एक नया पोर्टल भी लॉन्च होगा। सुदिव्य कुमार ने कहा कि दोषियों को सजा जरूर मिलेगी, लेकिन जब सरकार सारी जायज मांगें मान रही है, तब विधानसभा घेराव जैसे आंदोलन का रास्ता चुनना गलत है।

जेपीएससी के तीनों...

मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार को डॉ अजीता भट्टाचार्य, मंगलवार को डॉ अनिमा हांसदा और बुधवार को डॉ जमाल अहमद से पूछताछ की जाएगी। जरूरत पड़ने पर तीनों को दोबारा भी पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। इससे पहले सीआईडी जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष और राज्य के पूर्व मुख्य सचिव एल खियांग्ते से चार दौर में पूछताछ कर चुकी है। उनसे परीक्षा प्रक्रिया और आयोग के स्तर पर लिए गए फैसलों से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी ली गई थी।14वीं जेपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच के दौरान सीआईडी की कार्रवाई लगातार आगे बढ़ रही है। शनिवार को पांच दिनों की रिमांड के दूसरे दिन मुख्य सचिव कार्यालय में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर धर्मेंद्र कुमार और परीक्षा संचालन करने वाली एजेंसी टीएसआर डेटा प्रॉसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड (टीडीपीएल) के अकाउंटेंट रक्षक सिंह से भी पूछताछ जारी रही। जांच एजेंसी दोनों से परीक्षा प्रक्रिया, कथित अनियमितताओं और संबंधित लोगों के बीच संपर्क को लेकर जानकारी जुटा रही है। पूछताछ में सामने आए तथ्यों के आधार पर सीआईडी आगे की कार्रवाई की तैयारी कर रही है। जानकारी के अनुसार, जांच में मिले सुरागों के आधार पर आने वाले दिनों में कुछ और लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है।

जब रोबोट तख्त पर बैठेंगे और इंसान सड़क पर

चीन का एआई तूफान दुनिया के लिए चेतावनी

-अजय चंद्र पाण्डेय

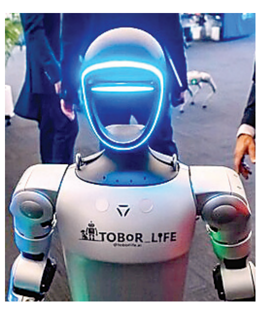

- चीन यह मॉडल बेचेगा - "ए आई तानाशाही = स्थिरता + तरक्की"
- जनता मांग करेगी - "ए आई लोकतंत्र = अवसर + गरिमा"
- चाहे चीन हो या भारत, कौशल पुन: प्रशिक्षण व सार्वभौमिक मूल सेवाएं अब विकल्प नहीं, जरूरत हैं
- 2030 में तख्त पर कौन होगा - इंसान, या उसके बनाए हुए यंत्र मानव?

नई दिल्ली। जब कोई देश सिर्फ सामान नहीं, भविष्य बनाना शुरू कर दे, तो दुनिया की सत्ता का समीकरण बदल जाता है। 2026 में चीन उसी मोड़ पर खड़ा है। 140 करोड़ की आबादी, दुनिया की "विनिर्माण राजधानी" का ताज, व अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और यंत्रमानविकी में बेजोड़ बढ़त। यह तिकड़ी अगर एक साथ चल पड़ी, तो अगला दशक सिर्फ आर्थिक नहीं, सामाजिक और राजनीतिक भूकंप लाएगा।

चीन की बढ़त : मशीनों की लागत गिरी, इंसान महंगे हुए– पिछले 3 साल में चीन ने ए आई और यंत्र मानविकी को राष्ट्रीय मिशन बना दिया। शेन्ज़ेन से लेकर डोंगुआन तक "डार्क फैक्ट्रियां" आम हो गई हैं - यानी ऐसी फैक्ट्रियां जहां लाइट की जरूरत ही नहीं, क्योंकि वहाँ इंसान नहीं, यंत्र मानव काम करते हैं।हुआवेई, बायडू, बाइटडांस के अलावा राज्य समर्थित कोष अब हर जिले में "ए आई + विनिर्माण" पार्क बना रहे हैं। लक्ष्य साफ है: 2030 तक दुनिया के 70% औद्योगिक यंत्र मानव चीन में बनें और चीन में ही चलें।सबसे बड़ा खेल लागत का है। 2022 में एक औद्योगिक यंत्र मानव भुजा 20 लाख की थी, 2026 में वही 6 लाख में मिल रही है। अब हिसाब बदल गया।एक सिलाई संचालक को सालाना 4 लाख रुपए वेतन, भविष्य निधि, रहना-खाना देना पड़ता है। 10 साल में 40 लाख रुपए।वहीं 6 लाख रुपए का ए आई यंत्र मानव 10 साल रखरखाव मिलाकर 11-12 लाख रुपए में पड़ता है, और वो 24 घंटे बिना छुट्टी काम करता है।इसलिए कारखाना मालिक के लिए इंसान की जगह मशीन लगाना अब 3 से 4 गुना सस्ता है।

बेरोजगारी का सुनामी: पहले कारखाना, फिर कार्यालय– चीन में अभी 12 करोड़ लोग विनिर्माण में हैं। इनमें से 6 करोड़ "अर्ध-कुशल" हैं - जोड़ लाइन, पैकिंग, गुणवत्ता जांच, सिलाई। ए आई + दृष्टि यंत्र मानव यही 3 काम सबसे पहले ले लेंगे।चीनी सामाजिक विज्ञान अकादमी के अनुमान के अनुसार 2027-2032 के बीच चीन में 2 से 3.5 करोड़ विनिर्माण नौकरियां खत्म हो सकती हैं। यह ग्वांगडोंग के प्रवासी मजदूर हैं, जो हर साल गांव से शहर आते थे। यह हुनान के डिप्लोमा अभियंता हैं, जिन्होंने सोचा था कारखाना पर्यवेक्षक बन जाएंगे।पहला झटका नीचे से आएगा। फिर दूसरा झटका श्वेत-पट्टी पर। जब ए आई कूट लिखने लगे, कानूनी मसौदा बनाने लगे, और रसद मार्ग खुद तय करने लगे, तो शंघाई और शेन्ज़ेन के नए स्नातक भी "अधिक योग्य और कम रोजगार वाले" हो जाएंगे। महाविद्यालय की डिग्री अब गारंटी नहीं रही।

अशांति से क्रांति तक का रास्ता – चीन का सामाजिक अनुबंध 40 साल से एक ही है : "तुम मेहनत करो, दल तरक्की देगा"। जब तरक्की का रास्ता ही बंद हो जाए तो क्या होगा?

पहला चरण : चुप्पी और पलायन। 2027 में हम "लेट-फ्लैट" संस्कृति का अगला रूप देखेंगे - युवा नौकरी नहीं, तो विवाह नहीं, घर नहीं, बच्चा नहीं। जन्म दर पहले ही 1.0 से नीचे है।

दूसरा चरण : स्थानीय विरोध। जब फॉक्सकॉन जैसी फैक्ट्री 10,000 लोगों को निकाल कर 2000 यंत्र मानव लगाएगी, तो डोंगुआन की सड़कों पर प्रदर्शन होंगे। सरकार इन्हें "आर्थिक अस्थिरता" कहकर दबाएगी, ए आई कैमरों से जांच करेगी।

तीसरा चरण : प्रणाली पर सवाल। सबसे बड़ा खतरा तब है जब सेना और पुलिस के अपने बच्चे भी बेरोजगार हों। चीन का इतिहास बताता है - 1911, 1949, 1989 - हर बड़ा बदलाव तब आया जब मध्यम वर्ग को लगा कि प्रणाली ने उसे धोखा दिया। ए आई युग में यह मध्यम वर्ग कूटकार, तकनीशियन, छोटे कारखाना मालिक का होगा।

तख्तापलट का खतरा कितना असली है?

क्या चीन में सच में तख्ता पलट हो सकता है? एक-दलीय प्रणाली, निगरानी, सामाजिक श्रेय के बीच यह मुश्किल है। लेकिन असंभव नहीं।खतरा बाहर से नहीं, अंदर से आएगा। दो धड़े: एक "प्रौद्योगिकी-अभिजात्य वर्ग" जो मानता है ए आई से चीन 2050 तक दुनिया का सिरमौर बनेगा। दूसरा :"सामाजिक-स्थिरता समूह" जो कहेगा पहले 14 करोड़ लोगों को रोटी दो। जब अर्थव्यवस्था 3 प्रतिशत पर अटक जाए और युवा बेरोजगारी 25 प्रतिशत पार कर जाए, तो यह अंदरूनी लड़ाई खुलकर सामने आएगी। चीन में क्रांति हमेशा नारे से नहीं, भूख से शुरू होती है। और भूख अब सिर्फ अनाज की नहीं, "उद्देश्य" की भी है। जब इंसान को लगेगा कि उसकी 20 साल की कुशलता एक अद्यतन से बेकार हो गई, तो गुस्सा फूटेगा। यही हाल लगभग भारत का भी होगा ।

दुनिया व भारत के लिए सबक– यदि दुनिया की फैक्ट्री में इंसान बेकार हो गए, तो इसका असर दिल्ली से लेकर अफ्रीका के डकार तक पड़ेगा।

भारत के लिए 3 चुनौतियां :

- **निर्यात का झटका :** सस्ते चीनी यंत्र मानव से बना सामान 20 प्रतिशत सस्ता होगा। भारत की पीएलआई वाली वस्त्र व इलेक्ट्रॉनिक्स फैक्ट्रियों को प्रतिस्पर्धा दोगुनी मिलेगी।
- **प्रवासी संकट :** चीन में बेरोजगार चीनी कंपनियां अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया में और आक्रामक होंगी। भारत को भी "डंपिंग" झेलनी पड़ेगी।
- **विचार की लड़ाई :** चीन यह मॉडल बेचेगा - "ए आई तानाशाही = स्थिरता + तरक्की"। लोकतंत्रों को इसका जवाब "ए आई लोकतंत्र = अवसर + गरिमा" से देना होगा। कौशल पुन: प्रशिक्षण व सार्वभौमिक मूल सेवाएँ अब विकल्प नहीं, जरूरत हैं।

इन हालात में यह ध्यान रखना होगा कि यंत्र मानव से नहीं, नीति से डरें। चीन का ए आई तूफ़ान टाला नहीं जा सकता। लेकिन उसका नतीजा तय नहीं है। चीन के पास दो रास्ते हैं। **पहला :** "ए आई लाभांश" बांटे - मशीनों से हुई बचत को सीधे नागरिकों तक पहुंचाए, नया सामाजिक अनुबंध बनाए। **दूसरा:** और नियंत्रण, और निगरानी। दुनिया के लिए सीख यह है कि तकनीक तटस्थ नहीं होती। जब आप 140 करोड़ लोगों की मेहनत को एक कलन विधि से बदलते हैं, तो आप सिर्फ नौकरी नहीं बदलते, आप इंसान की इज्जत बदलते हैं।और जब इज्जत जाती है, तो तख्त हिलते हैं।चीन अभी तख्त पर है। सवाल यह है कि 2030 में तख्त पर कौन होगा - इंसान, या उसके बनाए हुए यंत्र मानव?

कनाडा में बेकाबू जंगल की आग, 20 हजार लोग बेघर

ब्रिटिश कोलंबिया में जंगल की आग, प्रांतीय आपातकाल घोषित

ओटावा। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में तेजी से फैल रही जंगल की आग के कारण प्रांतीय आपातकाल घोषित कर दिया गया है। तेज हवाओं से आग कई समुदायों की ओर बढ़ रही है। प्रीमियर डेविड एबी ने हालात को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता लोगों की जान बचाना है। समरलैंड के पास लगी आग सबसे खतरनाक बनी हुई है, जिसके चलते हजारों लोगों को घर छोड़ना पड़ा और कई संपत्तियां जलकर नष्ट हो गईं। प्रभावित लोगों की हवाई निकासी भी की जा रही है।

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिमी कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में जंगल की आग तेजी से फैलने से हड़कंप मच गया है। ओकानागन झील के किनारे बसे इलाकों की ओर बढ़ रही आग के चलते 20 हजार से ज्यादा लोगों को रातोंरात अपने घर खाली करने का आदेश दिया गया। समरलैंड की पूरी कम्युनिटी को खाली कराया गया है, जहां करीब 12 हजार लोग रहते हैं। वहीं, पीचलैंड और आसपास के इलाकों से लगभग 8 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया है। बाल्ड रेंज जंगल की आग की सूचना शुक्रवार शाम मिली थी। कुछ ही घंटों में आग करीब 50 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैल गई। फॉल्डर की छोटी कम्युनिटी भी इसकी चपेट में आ गई है और आग समरलैंड से करीब 15 किलोमीटर तक के इलाके में फैल चुकी है। अधिकारियों के मुताबिक, आग की भयावहता को देखते हुए राहत और बचाव कार्य तेज कर दिए गए हैं।

कनाडा में भारतीय मूल की हिमांशी खुराना हत्याकांड में पार्टनर गिरफ्तार

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो में भारतीय मूल की 30 वर्षीय हिमांशी खुराना की हत्या के मामले में पुलिस ने उसके पार्टनर अब्दुल गफूरी को गिरफ्तार किया है। 32 वर्षीय गफूरी को शुक्रवार को एयरपोर्ट से पकड़ा गया। उस पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर का आरोप लगाया गया है। हिमांशी 20 दिसंबर को एक घर में मृत मिली थीं। इससे एक दिन पहले उनके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

हूतियों ने सऊदी अरामको फैसिलिटी पर ड्रोन हमले की जिम्मेदारी ली

सना। यमनी विद्रोही समूह हूती ने रविवार सुबह सऊदी अरब के जजान में सऊदी अरामको की तेल फैसिलिटी पर हुए ड्रोन हमले की जिम्मेदारी ली है। हूतियों ने कहा कि यह हमला यमन के सादा और हज्जाह प्रांतों में सऊदी ड्रोन हमलों के जवाब में किया गया। समूह ने ड्रोन के जरिए अरामको की फैसिलिटी को निशाना बनाने का दावा किया। सऊदी ऊर्जा मंत्रालय ने जजान स्थित अरामको रिफाइनरी की एक साइट पर आग लगने की पुष्टि की। मंत्रालय के अनुसार, दमकलकर्मियों ने आग पर जल्द काबू पा लिया और घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। जजान लाल सागर के तट पर यमनी सीमा के पास स्थित महत्वपूर्ण बंदरगाह क्षेत्र है।

चीन में टाइफून डॉल्फिन का खतरा, 1,400 उड़ानें रद्द

बीजिंग। चीन के पूर्वी तट पर टाइफून डॉल्फिन के दस्तक देने की आशंका के बीच प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है। रविवार को शंघाई आने-जाने वाली करीब 1,400 उड़ानें रद्द कर दी गईं। झेजियांग के हांगझोउ हवाई अड्डे से भी 270 उड़ानें रद्द हुईं। फुजियान में तूफान से पहले करीब 99 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। चीन के नेशनल मौसम विज्ञान केंद्र ने रेड टाइफून अलर्ट जारी करते हुए झेजियांग के कुछ हिस्सों में अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी दी है। सोमवार तक शंघाई समेत फुजियान, अनहुई और जिआंगसू के कई इलाकों में भारी बारिश का अनुमान है। तूफान के रविवार देर रात या सोमवार सुबह झेजियांग अथवा फुजियान में पहुंचने की संभावना है। झेजियांग और फुजियान में 200 से अधिक फेरी रूट बंद कर दिए गए हैं।

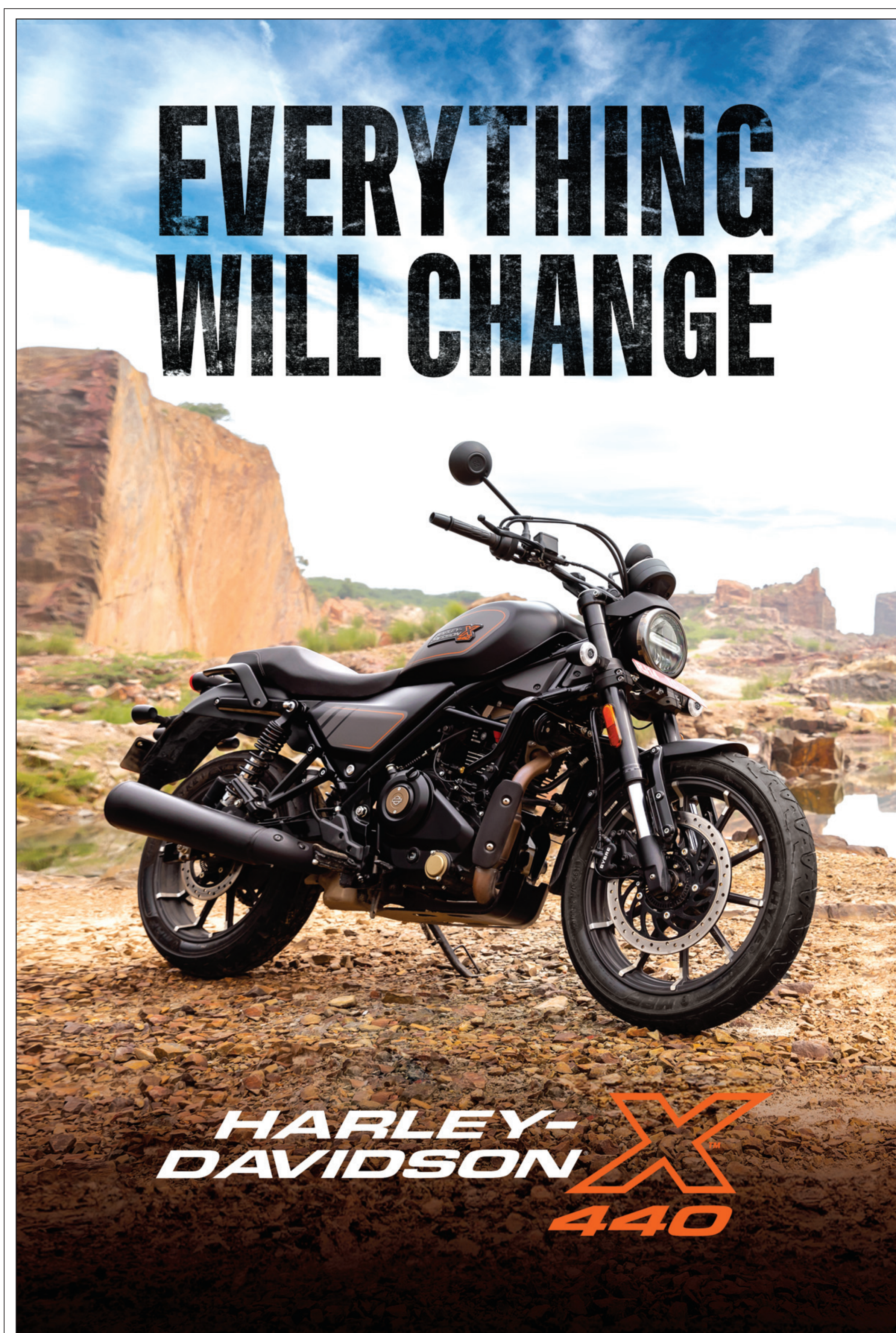

उप्र में केंद्र के हाईवे से लेकर राज्य की सड़कों को मानसून ने किया बदहाल

राष्ट्रीय राजमार्गों की गुणवत्ता की देश भर में शिकायतों में 60 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी

-नवेन्दु सिंह

लखनऊ। मानसून आते ही उत्तर प्रदेश में सड़क निर्माण व रख-रखाव के दावों की हवा निकल जाती है। इस बार न केवल राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बनवाई जाने वाली सड़कें बदहाल हैं, बल्कि केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी और हाई- प्रोफाइल प्रोजेक्ट भी बरसात की पहली मार नहीं झेल पा रहे हैं। राज्यसभा में हाल ही में पेश किए गए आधिकारिक आंकड़ों ने सड़क परिवहन व्यवस्था की पोल खोल दी है, जहां राष्ट्रीय राजमार्गों की गुणवत्ता को लेकर देश भर में शिकायतों में 60 प्रतिशत से अधिक की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। केंद्र सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश में बनाए गए प्रमुख प्रोजेक्ट्स की जमीनी हकीकत इन दिनों चर्चा का केंद्र बनी हुई है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण हाल ही में शुरू हुआ कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे है। करीब 62.7 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे के निर्माण पर हजारों करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, ताकि दोनों शहरों के बीच यात्रा तेज और सुगम हो सके। लेकिन, उद्घाटन के महज 12 दिन बाद ही उन्नाव के पास इस एक्सप्रेस-वे का एक हिस्सा धंस गया। हालांकि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने तुरंत मरम्मत कार्य करवाकर यातायात बहाल किया और लापरवाही बरतने वाले तीन अधिकारियों पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया, लेकिन इस घटना ने निर्माण की निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों और पुलों की गुणवत्ता को लेकर शिकायतों का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है:

- वर्ष 2023-24: 6,489 शिकायतें
- वर्ष 2024-25: 7,030 शिकायतें
- वर्ष 2025-26 (12 मार्च 2026 तक): 11,340 शिकायतें (लगभग 61.4% की वृद्धि)

यह उछाल इस बात का प्रमाण है कि केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और राजस्थान जैसे राज्यों में भी बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं रही है। केंद्र के इन प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के माध्यम से बनवाई जाने वाली राज्य मार्गों और ग्रामीण संपर्क मार्गों की हालत भी बदतर है। हर साल बरसात के मौसम में राज्य की नई और पुरानी दोनों तरह की सड़कें उखड़ने लगती हैं। जल भराव, डामर की परत का उखड़ना और रास्तों पर बड़े-बड़े गड्ढे उभर आना आम बात हो गई है। जनता के टैक्स के पैसों से बनने वाली इन सड़कों की उम्र महज एक सीजन की ही साबित होती है, जिससे प्रशासनिक निगरानी पर सवाल उठते हैं।सड़क परियोजनाओं में पीएनसी इंफ्राटेक (कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे) जैसी बड़ी निर्माण एजेंसियों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। जानकारों का मानना है कि लंबे समय से एक ही स्थान पर जमे अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत के कारण गुणवत्ता नियंत्रण कागजों तक सीमित रह जाता है।

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शुरुआती दिनों में ही धंस जाना और राज्य की सड़कों का बदहाल होना यह साबित करता है कि केवल प्राकृतिक कारणों या बारिश को दोष देकर आंखें नहीं फेरी जा सकतीं। डिजाइन, सामग्री, जल निकासी और गुणवत्ता नियंत्रण के हर स्तर पर सख्त जवाबदेही तय करने का समय आ गया है।

सड़क परियोजनाओं का तथ्यात्मक चार्ट-

परियोजना का नाम	निर्माण एजेंसी / विभाग	कुल लागत / बजट अनुमान	बरसात में उजागर हुई असलियत
कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे	पीएनसी इंफ्राटेक / NHAI	हजारों करोड़ रुपये	उद्घाटन के मात्र 12 दिन बाद उन्नाव के पास सड़क धंसना और ऊपरी परत उखड़ना।
उप्र राज्य व ग्रामीण सड़कें	लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी)	करोड़ों रुपये (वार्षिक बजट)	जगह-जगह बड़े गड्ढे बनना, डामर का बहना और जल निकासी का अभाव।
राष्ट्रीय राजमार्ग (देशव्यापी)	विभिन्न ठेकेदार / MoRTH	भारी-भरकम बजट	शिकायतों में 61% से अधिक की भारी वृद्धि, फ्लाईओवर और पुलों का क्षतिग्रस्त होना।